जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोन:- 2386031, 2386032 फैक्स:- 0744-2386033 वर्ष: 49 संख्या: 359 प्रभात कोटा, शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अपराधी या तो अपराध छोड़ दें या प्रदेश-भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री ने गृह विभाग तथा भर्ती परीक्षाओं की समीक्षा की

जयपुर, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने निर्देश दिए कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को चाकचौबंद बनाए रखने के लिए पुलिस पूरी सतर्कता और मुस्तैदी के साथ काम करे। उन्होंने कहा कि कानून का इकबाल बुलंद रखना राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इसे सुनिश्चित करना पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं एवं अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग के प्रति अपराधों में कमी लाने के लिए पुलिस तंत्र की हौसला अफज़ाई की। वहीं, साइबर अपराध और अवैध नशे के कारोबार में लिप्त अपराधियों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय पर गृह विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपराधियों में पुलिस का खौफ इतना होना चाहिए कि या तो वे अपराध छोड़ दें अथवा प्रदेश छोड़कर चले जाएं। राज्य में अराजकता और अशांति फैलाने का इरादा रखने वाले असामाजिक तत्वों की रोकथाम के लिए पुलिस खुफिया तंत्र और मुखबिर व्यवस्था का बेहतरीन उपयोग करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करें। शर्मा ने कहा कि

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गृह विभाग की समीक्षा बैठक ली तथा अधिकारियों को प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद बनाने के निर्देश दिए।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग की सजगता व सतर्कता से राज्य में अपराधों का ग्राफ गिरा है। गत वर्ष की तुलना में राज्य में कुल अपराधों में 7.3 प्रतिशत, महिला अत्याचार में 8.8 प्रतिशत तथा एस.टी.-एस.सी. अत्याचार मामलों में 13.96 प्रतिशत कमी आई है।**
- **उन्होंने कहा कि, भर्ती प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिये भर्ती एजेन्सियों, विभिन्न विभागों के समान पदों की परीक्षायें एक साथ करने पर विचार करें।**

साइबर अपराध से निपटने के लिए पुलिस लगातार काम कर रही है तथा साइबर थानों का गठन भी किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस की सजगता व सतर्कता के कारण राज्य स्तर पर कुल अपराधों में 7.3 प्रतिशत की कमी आई है। साथ ही, महिला अत्याचारों में भी 8.8 प्रतिशत की कमी तथा अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार के मामलों में भी 13.96 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारकोटिक्स विभाग जिम्मेदारी तय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

द.कोरिया की हान काँग को मिला साहित्य नोबल पुरस्कार

स्टॉकहोम, 10 अक्टूबर। दक्षिण कोरिया की लेखिका हान कांग को वर्ष 2024 का साहित्य का नोबल पुरस्कार देने का एलान किया गया है। उन्हें काव्यात्मक गद्य के लिए इस सम्मान के लिए चुना गया है। स्वीडिश अकादमी

- **हान काँग को काव्यात्मक गद्य के लिए यह सम्मान दिया गया है। हान के पिता भी जाने माने साहित्यकार थे।**

की नोबल समिति के स्थाई सचिव मैट्स माल्म ने गुरुवार को लेखिका हान कांग को पुरस्कार देने की घोषणा की। लेखिका हान कांग की पुस्तकों में ''द वेजिटेरियन'', ''द व्हाइट बुक'', ''ह्यूमन एक्ट्स'' और ''ग्रीक लेसन्स'' प्रमुख रूप से शामिल हैं। हान कांग का जन्म 1970 में दक्षिण कोरिया के शहर ग्वांगजू में हुआ था, लेकिन नौ साल की उम्र में ही वह अपने परिवार संग सोल चली गई थीं। तिरेपन वर्षीय हान कांग साहित्यिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता भी प्रतिष्ठित उपन्यासकार हैं। नोबल समिति के अनुसार लेखिका हान कांग को ''गहन काव्यात्मक गद्य के लिए'' यह सम्मान दिया जाएगा जिसमें ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन के नाज़ुक मोड़ों को रेखांकित किया गया है। हान कांग ने करियर की शुरुआत 1993 में ''लिटरेचर एंड सोसाइटी''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सैमसंग के चेन्नई प्लांट में हड़ताल, सत्तारुढ़ डी.एम.के. और सहयोगी दल आमने-सामने

डी.एम.के. सैमसंग मैनेजमैंट के पक्ष में कांग्रेस, वामपंथी दल व अन्य दल मजदूरों के पक्ष में खड़े हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। तमिलनाडु में धर्मनिरपेक्ष दलों के मजबूत गठबंधन, जिसने राज्य में कदम जमाने के भाजपा के प्रयासों को विफल कर दिया था, में तनाव के संकेत दिखने लगे हैं, खासकर, चेन्नई में सैमसंग संयंत्र में हुई हड़ताल पर भारी मतभेद उभर रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने अपनी छवि ''बिज़नैस फ्रैंडली'' बना रखी है और वे निवेश को आकर्षित करने के लिए कुछ दिन पहले अमेरिका भी गए थे। सैमसंग के मामले में उनका रुझान मैंनेजमैंट की तरफ है, जबकि द्रमुक के सहयोगी दल कांग्रेस और वामपंथी दल हड़ताल कर रहे मजदूरों के साथ है।

चेन्नई के सैमसंग प्लांट में मजदूरों की हड़ताल दूसरे माह में प्रवेश कर गई है और इस मुद्दे का कोई समाधान होता नज़र नहीं आ रहा है।

लेकिन इस हड़ताल ने सत्तारूढ़ गठबंधन को दो भागों में बांट दिया है। द्रमुक मजदूरों और मैनेजमैंट के बीच हुई समझौता वार्ता में पार्टनर बनी थी, पर इस डील को श्रमिकों ने नकार दिया, क्योंकि सरकार द्वारा आयोजित त्रिपक्षीय चर्चा में मजदूरों का कोई प्रतिनिधि नहीं था। सैमसंग कामगारों की नई बनी यूनियन ने कहा कि वे श्रमिकों के प्रतिनिधि नहीं थे। मुख्य झगड़ा नई

- **मजदूरों की हड़ताल को दूसरा माह शुरु हो गया है और जब कांग्रेस, वामपंथी दलों व अन्य क्षेत्रीय सहयोगी दलों के नेता हड़ताली मजदूरों के धरना स्थल पर पहुँचे तो स्टालिन सरकार तिलमिला गई और बुधवार को मजदूरों पर पुलिस कार्यवाही की, मजदूरों के नेताओं को गिरफ्तार कर लिया और उनके टैंट हटा दिए गए।**
- **सैमसंग प्लांट में वामपंथी दलों से जुड़े श्रमिक संगठनों ने जब हड़ताल की थी तब स्टालिन निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका गए थे, इस हड़ताल को स्टालिन ने ''विश्वासघात'' माना।**
- **गुस्साए स्टालिन ने ना तो मजदूरों की नई बनी ट्रेड यूनियन को रजिस्टर होने दिया और ना ही सैमसंग प्रबंधन के समक्ष मजदूरों का पक्ष रखा।**
- **राजनैतिक विशेषज्ञों की नज़र इस बात पर है कि यह मतभेद आगे चलकर कहीं गठबंधन टूटने की वजह तो नहीं बन जाएगा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका के पूर्ण समर्थन के बावजूद इज़रायल अपना बहुप्रचारित आक्रमण प्लान क्रियान्वित क्यों नहीं कर रहा?

क्या ईरान की हायपर सॉनिक मिसाइल एटैक करने की क्षमता ने इज़रायल के मन में हिचकिचाहट पैदा की है

-सुकुमार साह-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। हाल ही में युनाइटेड स्टेट्स के नेताओं, जिनमें राष्ट्रपति जो बाइडन भी शामिल हैं, की टिप्पणियों ने ईरान के विरुद्ध इज़रायल की संभावित हमलों की योजनाओं पर फिर से ध्यान केन्द्रित किया है, जिससे देश की तेल और परमाणु संपत्तियों के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। किसी भी हमले का भारी क्षेत्रीय और वैश्विक प्रभाव हो सकता है।

ईरान का एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर, जो कि यू.एस. प्रतिबंधों के बावजूद इस देश की इकॉनमी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, अब चिंता व तनाव का मुख्य कारण है। नैशनल ईरानियन ऑयल कंपनी के आकलन के अनुसार ईरान के पास लगभग 208 बिलियन बैरल क्रूड ऑयल तथा 34 ट्रिलियन क्यूबिक मीटर नैचुरल गैस है, जिसमें संभावित रुप से प्रतिदिन 568 मिलियन बैरल तेल और 93 बिलियन क्यूबिक मीटर गैस निकाली जाती है। तथापि, ईरान की सेना किसी भी संभावित इज़रायली

- **इज़रायल के आक्रमण प्लान के अनुसार, ईरान के न्यूक्लियर प्रतिष्ठान व पेट्रोलियम के भण्डार पर हवाई आक्रमण भी शामिल है। पर, ईरान भी जवाबी हमले के लिये तैयार है।**
- **अगर, हमले पर जवाबी हमले की प्रक्रिया जारी रही तो, उसके विश्वव्यापी भयानक परिणाम हो सकते हैं।**
- **अमेरिका का विश्वास है कि ईरान-इज़रायल हमलों का लम्बा इतिहास है और हर दो-तीन साल में छोटी-मोटी झड़प में दोनों देश आर-पार की लड़ाई की धमकी देते दिखाई देते हैं। पर, फिर उफान शांत हो जाता है।**
- **अतः अमेरिका शांतिपूर्ण तरीके से आर्थिक प्रतिबंध आदि कदमों से ईरान को बांध देना चाहता है, पर, पूर्ण आर-पार की लड़ाई नहीं चाहता।**
- **पर, युद्ध में सभी पत्ते आप के हाथ में नहीं होते हैं, अतः आर-पार की लड़ाई की आशंका बनी तो रहती है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सर्च ऑपरेशन से 30 किलोमीटर दूर पैंथर ने गाय का शिकार किया

उदयपुर, (कासं)। जिले की गोगुंदा तहसील क्षेत्र में पैंथर का मूवमैंट रुकने का नाम नहीं ले रहा है। जिन इलाकों में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है, वहां से करीब 30 किमी दूर पैंथर ने एक गाय का शिकार किया है। गांव वालों को इसकी जानकारी गुरुवार सुबह

- **ढोल ग्राम पंचायत के सरदारपुरा गाँव में लाल सिंह के बाड़े में बँधी गाय का पैंथर ने बुधवार की रात शिकार किया।**

हुई। गांव वालों ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जंगली जानवरों को पकड़ा जाए, नहीं तो हम धरना देंगे। ढोल ग्राम पंचायत के सरदारपुरा गांव में बुधवार रात पैंथर ने लाल सिंह, पुत्र सरदार सिंह के बाड़े में बंधी गाय को शिकार बनाया। लाल सिंह को इसकी जानकारी सुबह हुई। सरपंच मोहनलाल गमेती ने कहा कि प्रशासन पैंथर से हमारी रक्षा करे, पिंजरा लगाए। ग्रामीण कालू सिंह ने कहा कि हम लोगों की जान खतरे में है। कब, किधर से पैंथर गांव में आ धमकेंगे, पता नहीं चलता। अभी तो गाय को शिकार बनाया और अगर इसी तरह चलता रहा तो गांव वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हरियाणा के चुनाव की सबसे उल्लेखनीय बात थी, चुनाव का स्थानीयकरण होना

इस ''लोकलाइज़ेशन'' का पूर्ण फायदा भाजपा को हुआ

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भाजपा की हरियाणा-नीति की सर्वोत्तम व्याख्या ''गो लोकल'' नारे से की जा सकती है। हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा की अप्रत्याशित जीत के लिए मंगलवार को हुई मतगणना के बाद से ही अनेकानेक कारण और व्याख्याएं सामने आ रही हैं। उनमें से कुछ सही हैं- जाट बनाम गैर-जाट की भावना का व्यावहारिक रूप में आना, तथा इस साल के शुरू में भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री को बदल दिया जाना, जैसी कुछ और बातें भी कही जा रही हैं। पर कई कारण सही नहीं भी हैं।

''यह विश्लेषण ''स्वराज्य'' द्वारा उन लोगों से की गई बातचीत पर आधारित है जो हरियाणा में भाजपा एवं कांग्रेस के प्रचार अभियान से जुड़े हुए थे। कांग्रेस और भाजपा के बीच वोट-शेयर का अन्तर केवल 0.85 प्रतिशत है। अगर दक्षिणी हरियाणा की मुस्लिम बाहुल्य वाली सीटों को अलग कर दिया जाये, जहाँ कांग्रेस बड़े अन्तर से जीतनी ही थी, तो यह अन्तर 1.3-1.5 प्रतिशत तक पहुँच सकता है। कांग्रेस के पक्ष में हुए मतदान में निश्चित रूप से उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस बार पार्टी को 2019 के विधानसभा चुनावों की अपेक्षा 11 प्रतिशत वोट अधिक मिले हैं। कांग्रेस का वोट-शेयर 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया है।

भाजपा का वोट-शेयर भी 2014 से लगातार बढ़ रहा है। ये चुनाव ज्यादा नजदीकी टक्कर वाले इसलिए बन गए, क्योंकि भाजपा के 10 साल सत्ता में रहने के बावजूद, उसका वोट-शेयर बढ़ गया। अधिकांश चुनाव-विशेषज्ञों तथा कांग्रेस का प्रचार करने वाले लोगों को ऐसी सम्भावना का कमोबेश अनुमान नहीं था। चुनाव के अन्तिम स्थिति तक पहुँचते-पहुँचते यह बात चुनावों के राजनैतिक प्रबन्धन तथा एक दर्जन सीटों की प्रभावोत्पादकता पर निर्भर हो गई थी कि सरकार किस पार्टी की बनेगी। कांग्रेस तथा उसके रणनीतिकार यह माने हुए थे कि उनके पक्ष में पर्याप्त हवा है, इसलिए इन बातों का कोई महत्व नहीं है। उनके इस अति आत्मविश्वास का प्राथमिक कारण यह था कि आई.एन.एल.डी.-जे.जे.पी. वोटिंग ब्लॉक ध्वस्त हो गया था तथा राज्य के

- **भाजपा का आमतौर पर, हरियाणा में चुनाव प्रचार का फोकस 60-65 प्रतिशत राष्ट्रीय मुद्दों पर होता था तथा बाकी जगह भाजपा कॉन्स्टिट्युएंसी स्तर के स्थानीय मुद्दों पर फोकस करती थी।**
- **पर, इस बार हरियाणा में यह उल्टा किया गया। 70 प्रतिशत फोकस कॉन्स्टिट्युएंसी स्तर के मुद्दे पर रहा तथा बाकी राष्ट्रीय मुद्दों पर।**
- **भाजपा ने हरियाणा के विधानसभा के चुनाव को इस तरह लड़ा जैसे कि, नब्बे अलग-अलग चुनाव लड़ रही है।**
- **इसी नीति के तहत, हर कॉन्स्टिट्युएंसी में ''वोट काटू'' उम्मीदवारों पर विशेष ध्यान दिया गया।**
- **यह ''वोट काटू'' चाहे कांग्रेस का बागी हो या निर्दलीय प्रत्याशी, या वो उम्मीदवार हो, जिसका प्रभाव कुछ सीमित मतदाताओं पर हो, जिसके चाहने वालों की बड़ी लम्बी सूची हो, सबको बहुत मेहनत और लगन से रोपा गया, एक सुनियोजित प्लान के तहत।**
- **अतः हालांकि हरियाणा में दोनों पार्टियों का वोट शेयर लगभग बराबर रहा हो (भाजपा का वोट शेयर केवल 0.85 प्रतिशत ज्यादा था), पर चुनाव के नतीजों में इसका भारी फर्क पड़ा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्विमिंग पूल के अश्लील वीडियो वाले आर.पी.एस. की बहाली के आदेश

जयपुर, 10 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने महिला काँस्टेबल के साथ स्विमिंग पूल का अश्लील वीडियो जारी होने के बाद आर.पी.एस. हीरालाल सैनी को बर्खास्त करने के एक अक्टूबर,

- **महिला कॉन्स्टेबल के साथ स्विमिंग पूल का अश्लील वीडियो जारी होने के बाद अक्टूबर 2021 में बर्खास्त हुए आर.पी.एस. हीरालाल सैनी को हाई कोर्ट ने पुनः समान पद पर सेवा में लेने के आदेश दिये हैं।**

2021 के आदेश को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को तीन माह में वेतन और समस्त परिलाभ के साथ पुनः समान पद पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अल्प प्रवास पर अजमेर पहुँचे पायलट का भव्य स्वागत हुआ

उन्होंने किशनगढ़ व पुष्कर में शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी

अजमेर, 10अक्टूबर (कासं)। पूर्व डिप्टी सीएम और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट अपने अल्प दौरे पर जब अजमेर पहुंचे तो गेगल टोल नाका और अजमेर सर्किट हाउस पर कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया।

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री नसीम अख्तर इंसाफ के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गेगल टोल पर पायलट को 51 किलो की माला व साफा पहनाया तथा पुष्प वर्षा के साथ भव्य स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक विकास चौधरी, पूर्व विधायक राकेश पारीक, सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। सचिन पायलट ने भाजपा पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि जनता की सुध लेने वाला कोई नहीं, मंत्री इस्तीफा दे रहे हैं, इस्तीफा स्वीकार नहीं हो रहा है, इससे प्रदेश की जनता पिस रही है।

मीडिया से बातचीत करते हुए पायलट ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव का जो परिणाम सामने आया है वो अप्रत्याशित है। कांग्रेस नेतृत्व ने इस मामले में चुनाव आयोग से लिखित शिकायत की है। लेकिन हरियाणा चुनाव के नतीजे से यह समझना गलत होगा कि इंडिया गठबंधन कमजोर हो गया है। हरियाणा चुनाव परिणाम का आने वाले महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों में कोई असर नहीं पड़ेगा। जम्मू कश्मीर के चुनाव नतीजों को लेकर पायलट ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ कांग्रेस का गठबंधन जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरा है और अब एक मजबूत सरकार जम्मू कश्मीर के विकास के लिए काम करेगी।

प्रदेश में सात सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर पायलट ने कहा कि सभी सीटों पर कांग्रेस जीत दर्ज करेगी। महाराष्ट्र व झारखंड, दो राज्यों में सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल हो चुका है। भाजपा ''वन नेशन वन इलेक्शन'' की बात करती है, लेकिन, 4 राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं करा सकती। ये लोग कहते कुछ और करते कुछ हैं।

मदनगंज-किशनगढ़ संवाददाता के अनुसार, सचिन पायलट ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजू गुप्ता की माताजी के देहावसान पर शोक संतृप्त परिजनों को सांत्वना दी और माताजी की तस्वीर के समक्ष श्रद्धा सुमन अर्पित किये। करीब बीस मिनिट राजू गुप्ता के आवास पर रुकने के बाद पायलट पुष्कर के लिये रवाना हो गये। तत्पश्चात आर के कम्युनिटी सेंटर में विराजित जैन आचार्य सुनील सागर महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। टोल प्लाजा पर पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया, एडवोकेट राकेश शर्मा के नेतृत्व में सैकडों कार्यकर्ताओं ने पायलट का अभिनंदन किया।

पुष्कर संवाददाता के अनुसार, गुरुवार को पुष्कर में सचिन पायलट ने गोपाल गुर्जर के परिवार से मुलाकात की और कांग्रेस कार्यकर्ता रहे स्व. गोपाल गुर्जर को श्रद्धांजलि अर्पित की। कुछ दिनों पूर्व गोपाल गुर्जर का आकस्मिक देहांत हो गया था। पुष्कर के अंबेडकर सर्किल के पास कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट का माला पहनकर स्वागत किया।

- **उन्होंने कहा, हरियाणा के अप्रत्याशित परिणामों से यह समझना गलत होगा कि इण्डिया गठबंधन कमज़ोर हो गया है। महाराष्ट्र व झारखंड के विधानसभा चुनावों पर हरियाणा का कोई असर नहीं होगा।**

अल्प प्रवास पर अजमेर आए सचिन पायलट ने सर्किट हाउस में स्थानीय नेताओं से चर्चा की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर पायलट का स्वागत किया।

सी.एम. ने प्रधानमंत्री का आभार जताया

जयपुर, 10 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान के लिए कर हस्तांतरण की राशि के रूप में 10 हजार 737 करोड़ रुपये एवं सड़क नेटवर्क के विकास के लिए 4 हजार 406 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इन सौगातों से प्रदेश में जनकल्याणकारी कार्यों एवं आधारभूत विकास को नई गति और विकसित राजस्थान के संकल्प को और अधिक मजबूती मिलेगी। उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार की ओर से राज्य

- **मुख्यमंत्री ने कर हस्तांतरण के रुप में राजस्थान को 10,753 करोड़ तथा सड़क तंत्र के लिये 4,406 करोड़ रूपये स्वीकृत करने के लिये प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विद्या के अलावा और कोई ज्ञान नहीं है। –थामस फुलर

शिक्षा का अधिकार मानव का मूल अधिकार है, न देकर क्या हम संविधान की अवज्ञा तो नहीं कर रहे हैं

हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद 45 में घोषणा की थी कि संविधान लागू होने के 10 वर्षों की अवधि में 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा प्रदान की जावेगी। संविधान दिनांक 26.01.1950 को लागू हुआ। इससे 10 वर्ष की अवधि में अर्थात् 25.01.1960 तक 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा दी जानी अनिवार्य थी, किन्तु तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसकी व्यवस्था नहीं की। परिणाम यह हुआ कि करोडों बच्चे शिक्षा के इस महत्वपूर्ण अधिकार से वंचित हो गये। संविधान को लागू हुये 75 वर्ष हो चुके हैं; किन्तु अभी तक 6 से 14 वर्ष के बच्चे चौराहों पर भीख मांगते नजर आवेंगे। बच्चों को शिक्षा देने का दायित्व राज्य का था; किन्तु राज्य ने उपेक्षा में ही इसे निभाया और अपने संविधान के इस दायित्व को प्राइवेट विद्यालयों पर छोड़ दिया। प्राइवेट विद्यालयों ने न तो शिक्षा के स्तर पर ध्यान दिया और न आवश्यक स्कूल ही खोले। अनुच्छेद 45 को, संविधान 86वें संशोधन अधिनियम, 2002 से एक नये अनुच्छेद 45 के रूप में प्रतिस्थापित कर दिया। जिसके अनुसार यह व्यवस्था की गई कि राज्य सभी बालकों के लिये 6 वर्ष की आयु पूरी करने तक, प्रारम्भिक बाल्यावस्था देख-रेख और शिक्षा देने के लिये उपबन्ध करने का प्रयास करेगा। संविधान के अनुच्देद 21 की व्याख्या करते हुये माननीय सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 21 को शिक्षा के मूल अधिकार के रूप में स्वीकार किया। साथ ही एक नया अनुच्छेद 21क संविधान 86वां संशोधन अधिनियम 2002 से संविधान में दिनांक 01.04.2010 जोड दिया। इस नये प्रावधान से 6 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के बालकों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा देने की ऐसी रीति में राज्य विधि द्वारा अवधारित करे, उपबन्ध करेगा। राज्य ने शिक्षा का कानून 2009 भी लागू कर दिया।

शिक्षा का मूल अधिकार संविधान हमें अनुच्छेद 21 के रूप में प्रदान करता है। यह अधिकार मानव अधिकारों के रूप में भी प्राप्त है। इन्टरनेशनल कॉवेनेन्ट ऑन इकोनोमी सोशल व कल्चरल राइट्स 1966 की अन्तर्राष्ट्रीय संधि से भी प्राप्त है। माननीय सुप्रीम कोर्ट की बड़ी पीठ ने टीएमए पाई के केस में शिक्षा के अधिकार को मानवीय अधिकार स्वीकार किया और घोषणा की कि शिक्षा प्रदान करना राज्य का प्रथम परम कर्त्तव्य है। प्राइवेट स्कूलों की सेकण्डरी डयूटी है। यह भी स्पष्ट कर दिया कि शिक्षा व्यापार नहीं अपितु चेरिटी है। प्राइवेट स्कूल तो सरकार के सहयोगी मात्र हैं। कोर्ट के अनुसार चूंकि सरकार शिक्षा देने की व्यवस्था नहीं कर पा रही है इसलिये प्राइवेट स्कूल उसके भार को चेरिटी के हेतु ढो रहे हैं। अनुच्छेद 45 को नीति निदेशक तत्वों के अध्याय में स्थान दिया है और कहा है कि नीति निदेशक तत्व प्रवर्तनीय नहीं हैं, किन्तु डा. अम्बेडकर ने संविधान निर्माण के समय ही यह कह दिया था कि ये देश के एडमिनिस्ट्रेशन के लिये आवश्यक हैं। वस्तुतः बच्चों को दिया गया शिक्षा का मूल अधिकार संविधान के लागू होने के 10 वर्ष में ही पूरा हो जाना चाहिये था। किन्तु स्टेट अभी तक भी इसे पूरा नहीं कर सकी है। संसद के कई सदस्य ऐसे हैं जो 8वीं कक्षा भी पास नहीं हैं।

टीएमए पाई के केस में सर्वाच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो प्राइवेट स्कूल, राज्य से कोई अनुदान प्राप्त नहीं कर रहे हैं उन पर राज्य का कोई अंकुश नहीं हो सकता। प्राइवेट शिक्षा संस्थायें फीस लगाने में स्वतंत्र हैं। फीस का मापदण्ड अच्छी सुविधा व अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर और अच्छे स्तर की शिक्षा का है। प्राइवेट स्कूल 10 प्रतिशत तक फीस से आय का लाभ अर्जित कर सकती है। सर्वोच्च न्यायालय ने टी.एम.ए. पाई फाउण्डेशन के केस के निर्णय में यह माना कि शिक्षण संस्था की स्थापना के हेतु दो अधिकारों की आवश्यकता है प्रथम स्कूल में भर्ती का अधिकार और दूसरी उचित फीस का ढाँचा। इसके हेतु 4 सिद्धान्त को आधार माना - (1) शिक्षा व्यापार नहीं है, अपितु चेरिटी का सिद्धान्त पर आधारित है, (2) संस्था की स्वायत्ता, (3) स्वयं आगे आकर अपने विवेक से कार्य, (4) सहयोग का सिद्धान्त। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने सभी निर्णयों में इसे स्वीकार किया है कि बिना प्राइवेट स्कूल की साझेदारी के शिक्षा के इस अधिकार की सत्यता को राज्य साकारता नहीं दे सकता।

शिक्षा मानव का मूल अधिकार है। 6 से 14 वर्ष के बच्चों का शिक्षा का यह अधिकार बहुत महत्वपूर्ण है। डा. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में गठित यूनिवर्सिटी एजूकेशन कमीशन ने सन 1948 में ही यह स्पष्ट कर दिया था कि ऊँची शिक्षा देना राज्य का कर्त्तव्य व जिम्मेदारी है। Universal Declaration of Human Rights, 1948 का अनुच्छेद 26 इस प्रकार है:-

"Everyone has the right to education. Education shall be free, at least in the elementary and fundamental stages. Elementary education shall be compulsory. Technical and professional education shall be made generally available and higher education shall be equally accessible to all on the basis of merit."

अन्तर्राष्ट्रीय संधि 1966 में भी यह कहा गया है उसका अनुच्देद 2(ब) इस प्रकार है:-

(c) Higher education shall be made equally accessible to all, on the basis of capacity, by every appropriate means, and in particular by the progressive introduction of free education;

सरकार समय समय पर शिक्षा नीति जारी करती है किन्तु वह इस बाबत गम्भीर नही है। शिक्षा नीति के अनुसार 6 प्रतिशत जीडीपी का खर्चा होना अनिवार्य था, वहां 3.5 प्रतिशत ही खर्चा हुआ। सन 2014-15 में 14 लाख स्कूल थे वहां 19.77 करोड बच्चे पढते थे उनमें सरकारी स्कूल 11 लाख थे निजी स्कूल 3 लाख थे। जहां 8.56 बच्चे पढ़ते थे। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता शोचनीय थी। अंग्रेजी स्कूलों की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

वर्तमान समय में आर्थिक आधार पर आर्थिक अभाव की बात करना बेमानी है। राजस्थान गैर सरकारी संस्था अधिनियम, 1989 के समय तथा सन 2011-12 तक राज्य सरकार 70 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक वेतन व खर्चे के अनुसार 12वीं कक्षा तक शिक्षण संस्थाओं को अनुदान दे रही थी क्योंकि उनकी समझ में यह आ गया था कि खर्चा वहन करना राज्य का दायित्व है इसलिए नीति निदेशक तत्वों के चेप्टर IV में अर्थ के अभाव की बात इन परिस्थितियों में बेमानी है। चूंकि शिक्षा का अधिकार मानव अधिकार है और मानव अधिकार का क्रियान्वयन कोर्ट के माध्यम से हो सकता है। राजस्थान में फ्री शिक्षा का अधिकार 12वीं कक्षा तक के बालकों को प्राप्त है।

Right to Education 2009 में यह व्यवस्था है कि बालकों को जो शिक्षा दी जावेगी वह निःशुल्क व अनिवार्य होगी। फिर भी समझ में नहीं आता 14 वर्ष तक के बच्चे भीख मांगते, ढ्राबों, रेस्टोरेन्ट में नौकरी करते दिखाई देते हैं। राजस्थान में राजस्थान गैर सरकारी संस्थान अधिनियम 1989 से अमल में था। उस कानून के अनुसार राजस्थान में फ्री शिक्षा का अधिकार 12वीं कक्षा तक माना जा चुका है। अतः यह अधिकार 12वीं तक की कक्षा के विद्यार्थियों को मिलना चाहिये।

राइट टू एजूकेशन, 2009 में स्पष्ट उल्लेख है कि शिक्षा निःशुल्क है। जब शिक्षा ही फ्री है तो फिर मान्यता फीस लेने का कोई औचित्य नहीं है।

इस लेख का आशय है, जनता को यह बतलाना कि फ्री शिक्षा का क्या अर्थ है? फ्री का अर्थ है बच्चों व उनके पेरेन्टस पर शिक्षा के हेतु कोई भार न पडे। स्कूल दूर है तो ट्रान्सपोर्ट की व्यवस्था करना भी स्कूल का कर्त्तव्य है। स्कूल ऐसे होने चाहिये जहां बिजली पानी की सुविधा हो। बालक बालिकाओं के लिये अलग-2 पेशाब घर हों। पढने व पढाने वालों के हेतु सुरक्षित कमरे हों जहां हवा रोशनी पर्याप्त प्राप्त हो। खेल मैदान हों। अच्छे टीचर हों। कई ऐसे सरकारी अथवा गैर सरकारी ऐसे स्कूल हैं जहां ये सुविधायें नहीं हैं। एनवायरमेंट एण्ड कन्जूमर फाउण्डेशन बनाम देहली एडमिनिस्ट्रेशन 2011 (13) एससीसी 1; 2011(13) एससीसी 48; 2009 (6) एससीसी 11; 2009(6) एससीसी 308 में इस बाबत विशद चर्चा है। राज्य का कर्त्तव्य है कि वह कम रेट पर जमीन स्कूल के लिये उपलब्ध कराये। यदि राज्य द्वारा निर्धारित सुविधा अधिक खर्चीली हो तो उसका खर्चा भी राज्य वहन करेगा। मेरठ के एक केस में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनिवार्य शिक्षा के हेतु स्पष्ट कहा है कि यदि 14 वर्ष से कम वर्ष का बालक यदि जेल में है तो एक बालक के हेतु भी जेल में स्कूल की व्यवस्था होनी चाहिये। फीस के सम्बन्ध में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि प्राइवेट स्कूल को फीस निर्धारण की स्वायत्ता है; किन्तु आय से मुनाफा 10 प्रतिशत से अधिक नहीं हो। यदि सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से अच्छे हों तो प्राइवेट स्कूल स्वतः ही बंद हो जावेंगे। शिक्षा देना राज्य का पावन कर्त्तव्य है।

वर्तमान में जैसा ऊपर कहा है कि पहली कक्षा से 12वीं कक्षा को अनिवार्य व फ्री शिक्षा माना गया है, किन्तु बाल शिक्षा का अधिकार 1 से 8वीं कक्षा के बच्चों को ही प्राप्त है। आश्चर्य तो यह है कि 6 वर्ष से कम के बच्चों को कोई शिक्षा का अधिकार ही नहीं है। इससे बड़ी संविधान की अवज्ञा क्या होगी, कहना ही कठिन है। प्राइवेट स्कूल ही इस दायित्व को निभा रहे हैं। प्राइवेट स्कूल जो आरटीआई एक्ट की धारा 12 में 25 प्रतिशत की अनुदान (ग्रान्ट) दी जाती है उसकी पूरी राशि प्राइवेट स्कूलों को (जो स्वयं में बहुत कम है) स्कूल चलाते हैं उन्हें नहीं दी जा रही है। वस्तुतः यदि शिक्षा के कानून की सही व्याख्या की जावे तो स्पष्ट होगा, निःशुल्क (फ्री) शिक्षा का अभिप्राय है 14 वर्ष तक के बालकों पर जो खर्चा सरकारी स्कूलों पर सरकार खर्च करती है, उनकी राशि प्राइवेट स्कूलों को देकर भरपाई होना चाहिये। फ्री शिक्षा का अर्थ है फीस, स्कूल की पुस्तकों, स्टेशनरी, यूनिफार्म, मिड-डे मील, बस का खर्चा आदि-आदि।

सुप्रीम कोर्ट ने टीएमए पाई फाउण्डेशन के केस में स्पष्ट कहा है कि जो स्कूल सरकार से अनुदान नहीं लेते अपने स्कूल संचालित करने में स्वतंत्र हैं। उन्हें स्कूल के संचालन, शिक्षकों की भर्ती करने, शिक्षकों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने फीस लेने का पूर्ण अधिकार है। उन पर कोई अंकुश नहीं लगाया जा सकता। प्राइवेट स्कूलों की उचित फीस लेने का पूरा अधिकार है किन्तु वे फीस से 10 प्रतिशत से अधिक लाभ अर्जित नहीं कर सकते।

सरकार समय समय पर शिक्षा नीति जारी करती है किन्तु वह इस बाबत गम्भीर नही है। शिक्षा नीति के अनुसार 6 प्रतिशत जीडीपी का खर्चा होना अनिवार्य था, वहां 3.5 प्रतिशत ही खर्चा हुआ। सन 2014-15 में 14 लाख स्कूल थे वहां 19.77 करोड बच्चे पढते थे उनमें सरकारी स्कूल 11 लाख थे निजी स्कूल 3 लाख थे। जहां 8.56 बच्चे पढ़ते थे। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता शोचनीय थी। अंग्रेजी स्कूलों की स्थिति स्पष्ट नहीं है।

शिक्षा के मूल अधिकार का कानून 2009 केवल पहली से आठवीं क्लास तक ही सीमित रहा है। फीस के कानून द्वारा सेकण्डरी व सीनियर सेकण्डरी कक्षाओं पर शिक्षा का कानून लागू नहीं किया जा सकता। यहां भी ऐसा प्रतीत होता है मानों ये लोग संविधान की अवज्ञा ही कर रहे हों।

सन् 1986 में नेशनल पोलिसी ऑन एज्यूकेशन प्रस्तावित की गई थी। इसके बाद शिक्षा नीति के बाबत टी आर सुब्रमन्यम कमेटी ने अपनी रिपोर्ट 2016 में प्रेषित की। इस समय हम जिस शिक्षा नीति की बात कर रहे हैं वह 2020 की है। वह डा. के कस्तूरी रंजन कमेटी की है।

संविधान के अनुच्छेद 21, 21क व 45 को समझने के हेतु हमें इनमें जो संशोधन हुये उन्हें समझना होगा। संविधान 86वें संशोधन से पूर्व अनुच्छेद 45, दिनांक 26.01.1950 से लागू हुआ। उसमें यह कहा गया था राज्य 14 वर्ष की आयु के बालकों के लिये संविधान के लागू होने की तारीख से 10 वर्ष की अवधि में निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा सुलभ कराने का प्रयास करेगा। अनुच्छेद 21, 21क व 45 को संशोधनों के साथ अध्ययन करें तो पायेंगे कि 6 वर्ष तक के बालकों को शिक्षा का मूल अधिकार अब नहीं है। यह स्थिति एक कल्याणकारी राज्य के हेतु पश्यगामी कदम है। संविधान की स्पष्ट रूप से अवज्ञा है। आज प्रत्येक नेता जो मोदी के विरोध में है वह यही कहता है कि मोदी ने संविधान को खत्म कर दिया। मोदी सरकार द्वारा संविधान की हत्या की जा रही है। देश में लोकतंत्र खत्म हो गया है। स्वतंत्र देश की चुनी हुई सरकार के लिये इस प्रकार की अभिव्यक्ति देना, देश का अपमान करना है। अन्तर्राष्ट्रीय क्षेत्र में भारत ने यश प्राप्त किया है। अनुच्छेद 45, अनुच्छेद 334 व अनुच्छेद 343 के प्रावधान ऐसे ही हैं जहां कांग्रेस हो अथवा भाजपा दोनों ही ने संविधान की अवज्ञा की है। सही आलोचना से तो लोकतंत्र पनपता है मजबूत होता है।

-अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

सतीश पूनियां के जलवे से हरियाणा प्रदेश में बदली फिज़ा, हार बदल गई जीत में

डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा प्रदेश प्रभारी के रूप में इतिहास रचा

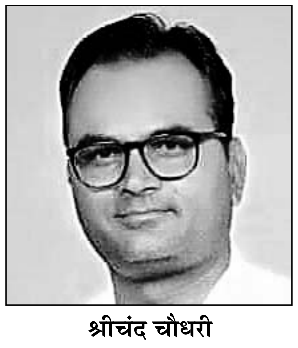

श्रीचंद चौधरी

हरियाणा के विधानसभा चुनाव में राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और हरियाणा के प्रदेश प्रभारी डॉक्टर सतीश पूनियां का जबरदस्त जलवा देखने को मिला। डॉ. पूनियां ने अपनी कड़ी मेहनत, कार्यकर्ताओं के साथ मेल-मिलाप और विशेष संगठनात्मक कार्य संरचना से हरियाणा चुनाव की पूरी फिजा को बदल दिया। एक प्रदेश प्रभारी के रूप में उन्होंने हरियाणा को पूरा समय दिया और यही कारण रहा कि हरियाणा की हार जीत में बदल गई। पूर्ण समर्पण से उन्होंने हरियाणा को ही अपना स्थाई निवास बनाया और उसका परिणाम भी सुखद सामने आया। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने डॉ. सतीश पूनियां को हरियाणा का प्रभारी ऐसे समय में बनाया जब हरियाणा को उनके जैसे किसी कर्मठ कार्यकर्ता की आवश्यकता थी और राष्ट्रीय नेतृत्व की मंशा को समझते हुए डॉ. सतीश पूनियां ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए अपना सर्वस्व योगदान दिया। हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान यह बात गली-कूचों तक सुनी गई की पहली बार कोई प्रदेश प्रभारी इस प्रकार कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर रहा है। दिल्ली में आयोजित बीजेपी की विशेष महत्वपूर्ण बैठक में गृहमंत्री अमित शाह ने भी डॉ. सतीश पूनियां के संगठनात्मक कार्य कौशल की खुलकर तारीफ की थी।

उन्होंने कहा था कि प्रदेश प्रभारी के रूप में सतीश पूनियां का संगठन के लिए दिया गया समय अतुलनीय है और उन्होंने हरियाणा में एक बार फिर बूथ स्तर पर भाजपा के संगठन को खड़ा करने का काम किया है। निसंदेह हरियाणा की इस जीत से राजस्थान बीजेपी में ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर पर भी डॉ. सतीश पूनियां का कद बढ़ेगा और भविष्य में उन्हें बीजेपी में और अधिक महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। एक कद्दावर नेता के रूप में डॉ. सतीश पूनिया के स्थापित होने से राजस्थान के किसान, कमेरे, मजदूर वर्ग और 36 बिरादरी को भरपूर फायदा होगा।

आज के दिन की सच्चाई यह है कि एक बार फिर डॉ. सतीश पूनियां राजस्थान बीजेपी के कार्यकर्ताओं के लिए एक ऊर्जावान नेता के रूप में स्थापित हुए हैं और जिस प्रकार का विश्वास राजस्थान के भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमेशा उन पर दिखाया है, वही विश्वास हरियाणा के भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर प्रकट किया है जो उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। अब इसमें कोई संदेह नहीं है की बीजेपी के लिए सतीश पूनियां जैसा एक और जनप्रिय, लोकप्रिय और लोक कल्याणकारी नेता ऊभर कर सामने आया है जिसका भविष्य और अधिक उज्जवल दिखाई दे रहा है।

–श्रीचंद चौधरी,
लेखक श्रीगंगानगर,
स्वतंत्र पत्रकार।

पुराने औद्योगिक क्षेत्रों का पुनर्विकास : एक आवश्यक कदम

सुनील दत्त गोयल

शहरों से दूर पुराने औद्योगिक क्षेत्रों को स्थानांतरित करना और इन्हें रेजिडेंशियल/कमर्शियल हब के रूप में बदलना एक महत्वपूर्ण और राष्ट्रीय समस्या बन चुकी है। पिछले 70 वर्षों में विकसित औद्योगिक क्षेत्र आज शहरों के बीच में आ चुके हैं। ये क्षेत्र छोटे सड़कों, पानी और बिजली की समस्याओं का सामना कर रहे हैं, और इनकी ढांचागत मांगें बहुत बढ़ गई हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों का पर्यावरण बिगड़ गया है।

इन समस्याओं का समाधान केवल राज्य या केंद्र सरकार की ओर से ध्यान देने से ही संभव है। यहाँ कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए हैं:–

1. औद्योगिक क्षेत्रों की पहचान और पुनरनियोजन:

स्थानीय विकास प्राधिकरण, जैसे जयपुर में JDA या अलवर में अर्बन इंप्रूवमेंट ट्रस्ट, को अधिकृत किया जाए कि वे पुराने औद्योगिक क्षेत्रों की पहचान करें और उनकी डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार करें।

इन क्षेत्रों के भविष्य का आकलन करते हुए उन्हें पुनरनियोजित किया जाए। इसके तहत, पुराने उद्योगपतियों को वहाँ से स्थानांतरित किया जाए और नए औद्योगिक पार्क बनाए जाएँ, जो अगले 50 वर्षों के लिए सक्षम हों।

2. नई सुविधाओं का निर्माण:

नए औद्योगिक पार्क में आवश्यक सुविधाएँ, जैसे बिजली, पानी, सड़कें, पार्किंग, और 24 घंटे भारी वाहनों का प्रवेश सुनिश्चित किया जाए।

बड़े ट्रीटमेंट प्लांट, बिजली का स्टेशन, सौर ऊर्जा संयंत्र, और वॉटर रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी नई तकनीकों का उपयोग किया जाए।

3. औद्योगिक पार्क में आवासीय विकल्प:

कामगारों और गरीब वर्ग के लिए EWS (Economically Weaker Section) आवास या प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास निर्माण किया जाए। इससे रोजाना की ट्रैफिक समस्याओं से मुक्ति मिलेगी और उन्हें रोजगार और आवास एक ही स्थान पर मिल सकेगा।

4. उद्योगपतियों के लिए प्रोत्साहन:

पुराने औद्योगिक क्षेत्रों की जमीनों का उचित मूल्य देकर उद्योगपतियों को नई जगह पर प्लॉट उपलब्ध कराए जाएं। जयपुर में JDA को अधिकृत किया जाए कि वह सभी जमीनों को इकट्ठा करे और उन पर सर्विस चार्ज ले। इन जमीनों को बेचकर संबंधित उद्योगपतियों को पैसे दिए जाएँ और नए औद्योगिक क्षेत्र में उचित दर पर प्लॉट उपलब्ध कराए जाएं।

5. समयबद्ध कार्य योजना:

यदि सरकार आज से इस योजना को लागू करती है, तो अगले 10 से 15 वर्षों में यह पुनरावृत्ति युद्धस्तर पर चल सकती है, जिससे जीडीपी में वृद्धि और लाखों रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

6. स्थानीय प्रतिनिधियों और औद्योगिक संगठनों की भूमिका:

सभी औद्योगिक संगठनों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से निवेदन है कि वे आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए नीतियों को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण सुझाव दें।

7. प्रस्तावित समाधान का उदाहरण:

मैं जयपुर का उदाहरण देता हूं, 2012-13 में तत्कालीन सरकार को उदाहरण दिया था कि जालूपुरा व लाल कोठी के एमएलए क्वार्टर्स को समाप्त कर दिया जाए व खाली जमीन कमर्शियल उपयोग के लिए या कोई कमर्शियल कंपलेक्स के लिए ओक्शन कर दो और जो विधानसभा के पास MLA क्वार्टर हैं उनको तोड़कर बहु मंजिला आवासीय परिसर अगर बना दिया जाए तो सरकार के सारे माननीय विधायक गण एक ही जगह पर नई सुविधाओं के साथ नई सुरक्षाओं के साथ बेहद अच्छे तरीके से निवास कर पाएंगे उनके सारी सुरक्षाएं सुनियोजित तरीके से एक ही स्थान पर उपलब्ध हो जाएगी और उनको रोजमर्रा के यातायात की समस्याओं से गुजरना नहीं पड़ेगा यानी जनता भी खुश और हमारे माननीय विधायक गण भी खुश।

इन सुझावों के माध्यम से हम एक नए, सक्षम, आधुनिक, और सुरक्षित औद्योगिक वातावरण की ओर बढ़ सकते हैं। सरकार और संबंधित औद्योगिक संस्थाओं को इन सुझावों पर ध्यान देना चाहिए और आवश्यक कदम उठाने चाहिए। यह राष्ट्र निर्माण के लिए एक बड़े बदलाव की दिशा में पहला कदम हो सकता है। धन्यवाद।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक
इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री
जयपुर, राजस्थान

सीमा सुरक्षा बल के डी.जी. दलजीत सिंह चौधरी ने भारत-पाक सरहद का दौरा किया

जैसलमेर, (निसं)। सीमा सुरक्षा बल के डी.जी. दलजीत चौधरी दो दिवसीय राजस्थान फ्रंटियर के दौरे पर जैसलमेर पहुंचे। जैसलमेर से सेक्टर दक्षिण के मुरार बीओपी के लिए रवाना हुए, जहां अंतर्राष्ट्रीय सीमा क्षेत्र का दौरा किया। डी.जी. दलजीत चौधरी ने मुरार पोस्ट पर तैनात जवानों से बातचीत कर कमांडेंट अनु टीपी ने स्वागत किया। डीजी दलजीत चौधरी ने जैसलमेर से लगती भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के मौजूदा सुरक्षा स्थिति, सीमा के प्रबंधन की जटिलताओं और बॉर्डर पर होने वाले विभिन्न ऑपरेशनल गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। वहीं जैसलमेर बॉर्डर के डोमिनेशन

- **डी.जी. दलजीत चौधरी ने मुरार पोस्ट पर तैनात जवानों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया**
- **डी.जी. नलका सीमा चौकी पहुंचे और अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगती तारबंदी का मुआयना किया**
- **महानिदेशक ने बीओपी पर मौजूद सीमा भवानी से बात की तथा उनका मनोबल बढ़ाया**

उनका हौसला बढ़ाया। जवानों के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया।

जवानों को संबोधित करते हुए डीजी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल हर तरह की चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। डीजी का दक्षिण सेक्टर के डीआईजी विक्रम कुंवर व 108वीं बटालियन के और चुनौतियों से भी रुबरू हुए। इस दौरान सीमा सुरक्षा बल के आईजी एमएल गर्ग, उप महानिरीक्षक विदुर भारद्वाज और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। चौधरी ने मुरार चौकी पर तैनात जवानों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया और सीमा सुरक्षा बल मुख्यालय नई दिल्ली की ओर से जवानों के लिए चलाई जा रही

सीमा सुरक्षा बल के डीजी दलजीत सिंह चौधरी दो दिवसीय राजस्थान फ्रंटियर के दौरे पर जैसलमेर पहुंचे।

योजनाओं से अवगत कराया। चौधरी मुरार चौकी के बाद नलका सीमा चौकी पहुंचे और अंतरराष्ट्रीय सीमा के साथ लगती तारबंदी का मुआयना किया। गौरतलब है कि नलका सीमा चौकी पर सुरक्षा का जिम्मा महिला जवानों के हाथ में है। महानिदेशक ने बीओपी पर मौजूद सीमा भवानी से बात की तथा उनका मनोबल बढ़ाया।

डीजी चौधरी ने जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा बल देश की पहली रक्षा पंक्ति है एवं सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी एवं जवान सभी जगह सतर्क एवं सीमा सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध है। किसी भी तरह के चुनौतियों का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए हर दम तैयार है। साथ ही कहा कि रात-दिन इस मुश्किल इलाके की सुरक्षा में तैनात अधिकारियों एवं जवानों पर सीमा सुरक्षा बल को तथा पूरे देश को गर्व है।

राशिफल शुक्रवार 11 अक्टूबर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र शनिवार प्रातः 5:25 तक, सुकर्मा योग रात्रि 2:48 तक, बव करण दिन 12:07 तक, चन्द्रमा दिन 10:41 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मिथुन, बुध-तुला, गुरू-वृष, शुक्र-तुला, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज दुर्गाष्टमी, महाष्टमी, सरस्वती बलिदान, महानवमी (व्रत और पूजा के लिए) है। अन्नपूर्णा परिक्रमा दिन 12:07 पर पूर्ण होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:54 तक, लाभ-अमृत 7:34 से 10:47 तक, शुभ 12:11 से 1:40 तक, शर 4:32 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:28, सूर्यास्त 5:59

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
नवीन कार्यों के लिए दिन ठीक नहीं रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। परिचितों से वाद-विवाद हो सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मिथुन
परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अपने अति आवश्यक कार्यों को दिन के मध्यान्ह पूर्व में करने का प्रयास करें। मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

कर्क
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

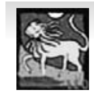

सिंह
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में मांगलिक-धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की कार्यक्रम बन सकता है।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

धनु
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है।

मकर
आज दिन के मध्यान्ह पूर्व में समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मध्यान्ह पश्चात अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
अपने आर्थिक/वित्तिय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च होगा। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

मीन
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

'यदि मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा' बयान पर हाईकोर्ट ने कांग्रेस प्रभारी रंधावा को नोटिस जारी किया

मंत्री दिलावर की याचिका पर राजस्थान हाईकोर्ट ने पीएम नरेंद्र के खिलाफ बयानबाजी करने से जुड़े मामले में राज्य सरकार और कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से जवाब मांगा

कोटा (कासं)। प्रदेश से कांग्रेस सरकार जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रभारी और पंजाब से सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राजस्थान हाईकोर्ट ने पीएम नरेंद्र के खिलाफ बयानबाजी करने से जुड़े मामले में राज्य सरकार और कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से जवाब मांगा है। जस्टिस नरेंद्र सिंह ने यह आदेश शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की आपराधिक की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा ने बताया कि 13 मार्च 2023 को कांग्रेस पार्टी का जयपुर में अडानी समूह को लेकर प्रदर्शन था। इस दौरान सुखजिंदर सिंह रंधावा ने भाषण दिया कि "अडानी को हटाने से कुछ नहीं होगा मोदी को खत्म करो, यदि वह खत्म होगा तो देश बचेगा और यदि मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा"। रंधावा ने अपने भाषण से भीड़ को प्रेरित किया कि वह प्रधानमंत्री की हत्या कर दे। इसे लेकर याचिकाकर्ता तत्कालीन विधायक और वर्तमान मंत्री मदन दिलावर की ओर से कोटा के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-6 के समक्ष परिवाद पेश किया गया था। जिस पर अदालत में 15 मई 2023 को सुनवाई करते हुए महावीर नगर थाना पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच करने के आदेश दिए थे।

इस आदेश के खिलाफ थानाधिकारी और रंधावा ने एडीजे क्रम 5 अदालत में रिवीजन अर्जी पेश की थी जिसे कोर्ट ने स्वीकार करते हुए 27 अक्टूबर 2023 को निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि थाना अधिकारी को निचली अदालत के आदेश की पालना करनी चाहिए थी। उन्हें मामलों के तथ्यों की जांच कर उसे पर अपनी रिपोर्ट देनी थी। इसके बावजूद उन्होंने बिना अधिकार आदेश को अपीलीय अदालत में चुनौती दे दी। जबकि ऐसा करने कि उन्हें कानूनी शक्ति ही नहीं थी। इसके अलावा निचली अदालत का आदेश एक अंतरिम आदेश था। इस आदेश की रिवीजन करने के बजाय सीधे हाई कोर्ट में याचिका पेश होनी चाहिए थी। इसलिए एडीजे कोर्ट के आदेश को रद्द किया जाए जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार और रंधावा से जवाब मांगा है। यह जवाब चार हफ्ते के अंदर पेश करना होगा।

कन्या पूजन किया

कोटा, (निसं)। महावीर नगर विस्तार योजना के संतोषी नगर मेन रोड पर कल्पना चावला पार्क में 1001 कन्याओं का पूजन एवं भव्य भोज का आयोजन किया गया। आयोजक समाजसेवी गोपाल गुप्ता ने बताया की कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक प्रह्लाद गुंजल और महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम रही तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष व पार्षद शालिनी गौतम ने दीप प्रज्ज्वलित करके की, कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मोहित गौतम, पार्षद अनुराग गौतम, ब्लॉक अध्यक्ष जयेश श्रृंगी, मंडल अध्यक्ष श्याम गौतम, संजय जैन रहे।

जेसिज़ ऑफ कोटा का दो दिवसीय डांडिया रास

कोटा, (निसं)। जेसिज़ ऑफ कोटा द्वारा दो दिवसीय डांडिया कार्यक्रम धरणीधर गार्डन में आयोजित किया गया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा रहे। अतिथियों और पदाधिकारियों की उपस्थिति में मां की आराधना के साथ भव्य 'डांडिया रास' आयोजित किया गया। डांडिया रास में मस्ती, उत्साह, उमंग, हर्ष, प्रेम और सौहार्द के रंग में सभी सदस्य सराबोर रहे। जेसी के अध्यक्ष मनीष चाण्डक ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कोटा के जेसिज़ के सभी चौप्टर ने मिलकर डांडिया रास का भव्य आयोजन किया। प्रोजेक्ट कॉ-ऑर्डिनेटर पीयूष खंडेलवाल और विनीत अग्रवाल ने बताया कि बच्चों से लेकर युवा और हर उम्र के लोग, बचपन से लेकर पचपन तक, भक्ति और आस्था के साथ गरबा और डांडिया की एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देते रहे।

पश्चिम मध्य रेल
मुख्य कारखाना प्रबन्धक, माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा ▪ दिनांक 08.10.2024
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से **मुख्य कारखाना प्रबन्धक, माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा,** निम्नलिखित कार्य के लिये ई-निविदा आमंत्रित करते है:- **टेण्डर सं.:** M-324-BodyRepair-Ten-02. **कार्य का विवरण: माल डिब्बा मरम्मत कारखाना, कोटा, प.म.रे. में 12 माह की अवधि हेतु माइल्ड स्टील और स्टेनलेस स्टील (बॉक्सएन और बीसीएन ग्रुप) वैगनों में बॉडी मरम्मत का कार्य। अनुमानित लागत:** ₹ 4,31,44,650/-. **निविदा प्रपत्र राशि:** निल। **बयाना राशि:** ₹ 3,65,700/-. **कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 12 माह। **निविदा बंद/खोलने की तारीख और समय:** बंद होगा 11.30 बजे दिनांक 01.11.2024 एवं खोला जाएगा 12.00 बजे दिनांक 01.11.2024. ई-निविदा वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है तथा मुख्य कारखाना प्रबन्धक कार्यालय, कोटा के प्रगति अनुभाग के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। ऑफर सिर्फ ई-निविदा के माध्यम से इसी वेबसाइट पर स्वीकार किये जायेंगे। इस निविदा के लिये मैनुअल ऑफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे। यदि ऐसा कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।
उप मुख्य यांत्रिक इंजी.-II, मा.डि.म.कारखाना, कोटा जं.
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

नगर निगम, कोटा दक्षिण-उत्तर
131 वां राष्ट्रीय
दशहरा
मेला -2024, कोटा
शारदीय नवरात्र की अष्टमी पर होगा माँ दुर्गा का गुणगान
प्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश माली
द्वारा प्रस्तुत
भजन संध्या
सम्माननीय अतिथि
श्री अजीत मेहता — पूर्व विधायक एवं भाजपा जिलाध्यक्ष, टोंक
श्री राजेश बिरला — अध्यक्ष, कोटा नागरिक सहकारी बैंक लि.
श्री राकेश जैन — भाजपा शहर जिलाध्यक्ष, कोटा
दिनांक : 11 अक्टूबर 2024, शुक्रवार समय : रात्रि 8.00 बजे
स्थान : आशापुरा माताजी मंदिर, किशोरपुरा, कोटा
आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं
प्रायोजक : सुखपाल सिंह कंस्ट्रक्शन कंपनी
विनीत : विवेक राजवंशी, अध्यक्ष एवं समस्त सदस्य मेला एवं अन्य उत्सव आयोजन समिति
नगर निगम कोटा दक्षिण-उत्तर परिवार

सार-समाचार

वन्दे भारत मेट्रो ट्रेन का परीक्षण

कोटा, (निसं)। सेमीहाई स्पीड ट्रेनों एवं कवच सिस्टम के अधिकांश परीक्षण कोटा मंडल में किए गए है। इसी क्रम में वर्तमान में वन्दे भारत मेट्रों रैक का ट्रायल मंडल में किया जा रहा है। इस रैक का प्रथम दिन 05 अक्टूबर को कोटा-शामगढ़ के बीच अधिकतम 145 किमी प्रति घंटा की गति से ट्रायल किया गया। 16 कोच की वन्दे भारत मेट्रों रैक के ट्रायल के दूसरे दिन 09 अक्टूबर को अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन लखनऊ टीम मंडल के परिचालन विभाग के सहयोग से अप एवं डाउन दिशा में कोटा से आमली स्टेशन के मध्य अधिकतम 130 किमी प्रति घंटा की गति पर सभी प्रकार के ब्रेक लगाकर ब्रेकिंग परीक्षण विभिन्न तकनीकी मानकों के विश्लेषण के लिए किया गया। ट्रायल के दौरान सभी कोचों में समान रूप से यात्रियों के भार के बराबर वजन के बराबर 24.7 टन वजन रख कर लोडेड स्थिति में परीक्षण किया गया। इस ब्रेकिंग ट्रायल के दौरान सूखे ट्रैक की अवस्था में डाउन दिशा में 16 बार एवं अप दिशा में 24 बार आपातकालीन ब्रेक लगाकर डेटा एकत्र किया गया। परीक्षण के तीसरे दिन 11 अक्टूबर को कोटा से सवाई माधोपुर रेल खण्ड पर ब्रेकिंग ट्रायल किया जाएगा। इस रैक का ट्रायल आरडीएसओ के निर्देशक(परीक्षण) बी एम सिद्दकी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस ट्रायल में कोटा के ट्रैफिक निरीक्षक अरविंद पाठक एवं लोको निरीक्षक आर एन मीना ने लखनऊ टीम के साथ को-आर्डिनेट किया।

डांडिया एवं गरबा उत्सव आयोजित

कोटा, (निसं)। अखिल ब्राह्मण महासभा ने एक शानदार डांडिया एवं गरबा उत्सव का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मां दुर्गा की भक्ति में देर रात तक डांडिया और गरबा नृत्य किया गया। अध्यक्ष लहरी शंकर गौतम ने बताया कि मुख्य अतिथि विधायक संदीप शर्मा व शुभारंभ माता रानी को दीप प्रज्जोलित कर पूर्व महापौर सुमन श्रृंगी ने किया। संभागीय अध्यक्ष राम स्वरूप शर्मा ने बताया कि गरबा और गुजरात का पारंपरिक नृत्य उत्सव का मुख्य आकर्षण रहा। प्रतिभागियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में सजकर, हाथों में डांडिया लेकर गोल घेरे में नृत्य किया। कार्यक्रम में कई लोकप्रिय गरबा गीत बजाए गए, जिनमें 'चुनरी झलके रे', 'रंग मा रंगाई जाने', 'ढोलिडा ढोल रे वगाड', और 'केसरिया बालम' जैसे गीत शामिल थे।

तलवास गुरुकुल मृतकों के परिजनों को संबल प्रदान करने की मांग

कोटा, (निसं)। ब्राह्मण कल्याण परिषद ने तलवास के गुरूकुल में झुलसे बालकों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि तलवास में संचालित गुरुकुल में 2 अक्टूबर की रात्रि में आगजनी की घटना से तीन बटुक झुलस गए जिनमें से उपचार के दौरान शिवशंकर शर्मा निवासी मोईकलां कोटा व रितेश शर्मा निवासी बून्दी का देहांत हो गया व अभिजीत शर्मा उपचाराधीन है। इस संबंध में मृतक के परिवारजनों ने देई थाने में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करवाई है व घटना को संदिग्ध बताया है। ज्ञापन में बताया कि इस प्रकार की घटना में आकस्मिक मृत्यु हो जाने से परिवार व समाज को काफी क्षति हुई है जिसकी पूर्ति किसी भी सूरत में नहीं की जा सकती। संयोजक अनिल तिवारी, ब्रज राज गौतम, धर्मेन्द्र दीक्षित ने पीड़ित परिवार जनों में मृत परिवार के सदस्यों को एक-एक करोड़ आर्थिक सहयोग व पीड़ित को 50 लाख रुपए देने सहित मृतक के परिजन को संविदा पर नौकरी और उक्त घटना में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट में उच्च तकनीकी सीबीआई से जांच की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में जटाशंकर शर्मा, गोविंद शर्मा, किशन पाठक, राजेन्द्र शर्मा, अरुण भार्गव, एसएन शर्मा, दिनेश शर्मा, रूद्रेश भारद्वाज, नहुष व्यास, कुबेर शर्मा, गोपाल शर्मा, नवल शर्मा, देवेन्द्र तिवारी, बुद्धि प्रकाश दाधीच, विजय भारवाज, मनोज शर्मा आदि समाज बंधु शामिल थे।

आईओएए जूनियर में एलन स्टूडेंट्स को दो गोल्ड व एक सिल्वर मैडल

कोटा, (निसं)। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के विद्यार्थी नेशनल व इंटरनेशनल ओलंपियाड्स में हर वर्ष बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ.बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि इंटरनेशनल ओलंपियाड ऑन एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स फॉर जूनियर 2024 (आईओएए-जूनियर) में एलन के विद्यार्थी प्रांजल दीक्षित व सुमंत गुप्ता ने गोल्ड एवं शशांक कौन्डिल्य ने सिल्वर मैडल हासिल किया है। ये तीनों एलन के रेगुलर क्लासरूम स्टूडेंट्स हैं। माहेश्वरी ने बताया कि तीसरा आईओएए जूनियर 3 से 10 अक्टूबर 2024 तक काठमांडू, नेपाल में आयोजित किया गया था। स्टूडेंट्स का आईओएए जूनियर ओसीएससी के लिए चयन आईएनजेएसओ में प्रदर्शन के आधार पर किया गया था। ओसीएससी कैम्प नेहरू साइंस सेंटर, मुम्बई में आयोजित हुआ था। जिसमें पूरे देश से कुल 21 विद्यार्थी शामिल हुए थे, जिनमें से 13 एलन से थे। इस कैम्प में विभिन्न लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा में प्रदर्शन के आधार पर तीन विद्यार्थियों का चयन भारतीय टीम के लिए किया गया।

एयू स्मॉल फाईनेन्स बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक)
AU SMALL FINANCE BANK — A SCHEDULED COMMERCIAL BANK
रजिस्टर्ड ऑफिस: 19-A, धुलेश्वर गार्डन, अजमेर रोड़, जयपुर-302001 (CIN:L36911RJ1996PLC011381)
परिशिष्ट IV (देखें नियम 8 (1) कब्जा सूचना)
जबकि अधोहस्ताक्षरकर्ता एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए "वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (2002 का 54) और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 13(12) का सपठित नियमों के नियम (3) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणीयों को मांग सूचना पत्र निम्नलिखित तालिका के अनुसार निर्गमित कर तालिका में राशि 60 दिवस के भीतर चुकाने के लिये कहा गया था।

ऋणी/सह-ऋणी/बंधककर्ता/ जमानतदार का नाम /ऋण खाता सं.	धारा 13(2) के अन्तर्गत नोटिस की दिनांक व राशि	बंधक संपत्ति का विवरण	कब्जे की तारीख
ऋण खाता सं.: L9001060713934335 **बनवारी लाल नागर (ऋणी)**, भगवती बाई (सह-ऋणी)	10 जुलाई 2021 ₹ 624594/- रु. छः लाख चौबीस हजार पांच सौ चौरानबे मात्र 07 जुलाई 2021	सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर एवं फिक्चर सम्पत्ति स्थित जगजीवन राम कॉलोनी, जिला - बारां, राजस्थान 325205 **क्षेत्रफल 225 वर्ग फीट**, पूर्व : भागचन्द का मकान, पश्चिम : रोड, उत्तर: रोड, दक्षिण : गली	09 अक्टूबर 2024
ऋण खाता सं.: L9001060119905272 **नवीन कुमार सेन (ऋणी)**, देवीशंकर जी (सह-ऋणी), श्रीमती लीलावती पाटिदार (सह-ऋणी)	12 जनवरी 2023 ₹ 359028/- रु. तीन लाख उनसठ हजार अठाइस मात्र 10 जनवरी 2023	सम्पत्ति के सभी अभिन्न अंग रिहायशी/गैररिहायशी भूमि, बिल्डिंग, स्ट्रक्चर एवं फिक्चर सम्पत्ति स्थित प्लॉट नं. 63, पुराना खसरा नं. 275, न्यू-856/275, प्रताप नगर कॉलोनी, गांव - डिगोड खालसा, तहसील - छीपाबरोद, जिला - बारां, राजस्थान **क्षेत्रफल 111.11 वर्ग गज**, पूर्व : रोड, पश्चिम : प्लॉट नं. 82, उत्तर:प्लॉट नं. 62, दक्षिण : प्लॉट नं. 64	09 अक्टूबर 2024

ऋणियों द्वारा वह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणियों को तथा सामान्य जन कों एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) तथा सपठित प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में उपरोक्त तालिका में वर्णित सम्पत्ति का कब्जा ग्रहण कर लिया है।
ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिये उपलब्ध समय के सन्दर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबंधों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणियों को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतद् द्वारा सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्तियों के साथ कोई व्यवहार उपरोक्त तालिका में वर्णित राशि तथा आगे का ब्याज एवं कुल भुगतान होने तक "एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड" (ए शेड्यूल्ड कॉमर्शियल बैंक) के प्रभार के अधीन होगा।
स्थान: कोटा दिनांक: 10 अक्टूबर 2024 **प्राधिकृत अधिकारी एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड**

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री
अंतरराष्ट्रीय
बालिका दिवस
11 अक्टूबर, 2024
सफल समाज का वचन, हर बेटी को जीवन
पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत गर्भस्थ शिशु का लिंग परीक्षण कानूनी अपराध है
वैधानिक चेतावनी
गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम-1994 (PCPNDT) के तहत गर्भस्थ शिशु का लिंग परीक्षण करना अथवा करवाना, इसके लिए सहयोग देना व विज्ञापन करना कानूनी अपराध है। उपरोक्त कृत्य के लिए 3 से 5 वर्ष तक का कारावास एवं 10 हजार से 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।
3 लाख रु. तक का इनाम
भ्रूण लिंग परीक्षण की सूचना पर
आपके क्षेत्र में कोई व्यक्ति इस कार्य में लिप्त है तो टोल फ्री नं. 104/108 या वाट्सएप नं. 9799997795 पर शिकायत दर्ज कराएं, मुखबिर की पहचान गोपनीय रखी जाएगी
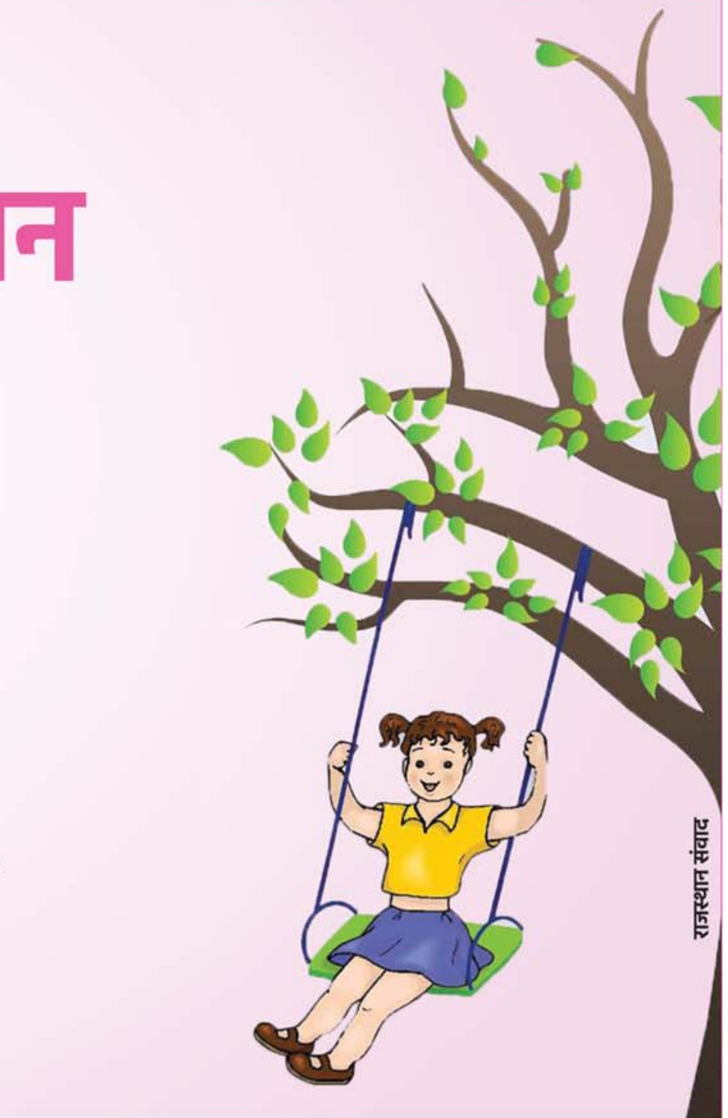
राजस्थान संवाद
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं, (आई.ई.सी.) राजस्थान, जयपुर

बेटे-बहूओं की मारपीट से दुखी होकर वृद्ध दंपती ने आत्महत्या की

आत्महत्या करने से पहले वृद्ध हजारीराम ने सुसाइड नोट लिखा और इस सुसाइड नोट को घर की दीवारों पर चस्पा किया

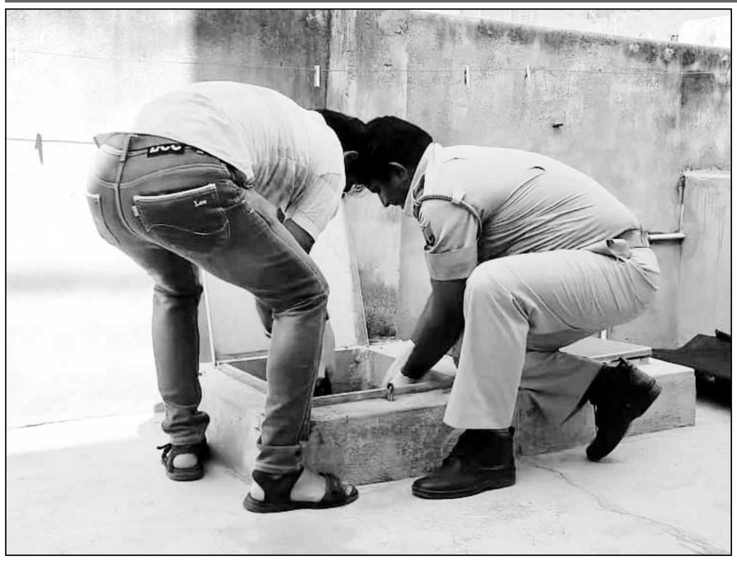

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर जाकर टैंक में से शवों को बाहर निकाला।

वृद्ध दंपती के शव को एंबुलेंस की सहायता से अस्पताल भेजा गया।

- अपने ही बेटों और उनकी पत्नियों व बाकी के परिजनों पर वृद्ध दंपती ने सुसाइड नोट में आरोप लगाए हैं, कई और रिश्तेदारों पर भी परेशान करने का जिक्र है
- प्रारंभिक तौर पर यह सामने आया कि यह दंपती अकेले ही घर में रह रहे थे, परिवार के बीच संपत्ति सहित कई तरह के विवाद चल रहे थे

नागौर, (निसं)। नागौर शहर की करणी कॉलोनी में प्लॉट के लिए बेटे-बहुओं की मारपीट से दुखी वृद्ध दंपती ने एक साथ पानी के टैंक में कूदकर सुसाइड कर लिया। प्रारंभिक तौर पर यह सामने आया कि यह दंपती अकेले ही इस घर में रह रहे थे, परिवार के बीच संपत्ति सहित कई तरह के विवाद चल रहे थे और इसी कलह के चलते 70 साल की उम्र में वृद्ध दंपती ने इस तरह का आत्महत्या वाला कदम उठाया।

नागौर पुलिस अधीक्षक नारायण टोगस ने बताया कि नागौर शहर की करणी कॉलोनी में रहने वाले वृद्ध हजारीराम विश्नोई और उनकी पत्नी चावली देवी ने सुसाइड किया है। मृतक हजारी राम की उम्र करीब 70 साल व पत्नी चावली की उम्र 68 साल है। इस पूरे मामले में पिछले दो दिनों से पड़ोसियों ने जब वृद्ध दंपती को नहीं देखा तो उनके बेटे को इस बात की सूचना दी, इसके बाद वृद्ध दंपती के बेटे ने कोतवाली थाना पुलिस को सूचित किया और अनहोनी की आशंका जताई। सूचना मिलने पर कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मौके पर जाकर देखा तो पता चला कि पानी से भरे हुए टांके का ढक्कन खुला है और वृद्ध दंपती के शव पानी में तैर रहे हैं।

सुसाइड करने वाले हजारी राम व चावली ने आत्महत्या करने से पहले हजारीराम ने सुसाइड नोट लिखा और इस सुसाइड नोट में सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि घर की दीवारों पर यह सुसाइड नोट चस्पा किया। पुलिस ने इन सुसाइड नोट के आधार पर अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक सहित पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मौके के हालातों का जायजा लिया। पुलिस टीम के साथ ही एफएसएल टीम ने भी साक्ष्य उठाए हैं। इस पूरे मामले में सुसाइड नोट में जिन बातों का जिक्र है उससे यह लगता है कि यह पूरा का पूरा मामला पारिवारिक कलह व संपत्ति से जुड़ा हुआ है। अपने ही बेटों और उनकी पत्नियों व बाकी के परिजनों पर वृद्ध दंपती ने सुसाइड नोट में आरोप लगाए हैं। इसके अलावा कई और रिश्तेदारों पर भी परेशान करने का जिक्र है। सुसाइड नोट में इस बात का जिक्र है कि वृद्ध दंपती को परेशान किया जा रहा था और अपने ही बेटों सहित अन्य के परिजनों पर आरोप है। पूरे मामले में परिवार व रिश्तेदारों के आने के बाद शव टांके से बाहर निकाले और मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

खीरवा गांव में 400 के.वी. हाईटेंशन विद्युत लाइन बिछाने पर नोटिस जारी

- हाईकोर्ट ने निजी कंपनी और राज्य सरकार से जवाब तलब किया

जोधपुर, (कासं)। राजस्व ग्राम खीरवा फलोदी से गुजरने वाली प्रस्तावित 400 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन को रोकने के लिए सरपंच द्वारा प्रस्तुत जनहित याचिका पर राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने नोटिस जारी किया है।

राजस्व ग्राम खीरवा में निजी कंपनी अपराया एनर्जी द्वारा अपने प्रोजेक्ट फतेहगढ़ ट्रांसमिशन फलोदी के तहत भड़ला से फतेहगढ़ में टॉवर लगाकर बिछाई जा रही प्रस्तावित 400 केवी हाईटेंशन विद्युत लाइन को रोकने के संबंध में सरपंच जीवनराम द्वारा अधिवक्ता भवानी सिंह तंवर तथा अधिवक्ता प्रताप सिंह के माध्यम से जनहित याचिका प्रस्तुत की गई थी। याचिका में राजस्थान उच्च न्यायालय को बताया गया कि उक्त निजी कंपनी द्वारा प्रस्तावित हाईटेंशन विद्युत लाइन गांव की आबादी तथा विद्यालय के पास से गुजरेगी तथा जब निजी कंपनी का प्रोजेक्ट का कार्य पूरा हो जाएगा तथा विद्युत करंट प्रवाह होने लगेगा तब गांव के विद्यालय के बच्चों तथा ग्रामीणों को सदैव करंट लगने का खतरा बना रहेगा। इसलिये गांव के कई बच्चों के अभिभावकों ने विद्यालय प्रशासन से अपनी चिंता जाहिर की तथा बताया कि लाइन में करंट चालू होने के बाद वे अपने बच्चों के विद्यालय में नहीं भेज पाएंगे, इसलिये गांव के सरपंच ने जनहित को देखते हुए राजस्थान उच्च न्यायालय में जनहित याचिका प्रस्तुत की। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट जस्टिस चंद्रशेखर व कुलदीप माथुर की खंडपीठ ने नोटिस जारी कर राज्य सरकार तथा निजी कंपनी से जवाब तलब किया है।

हादसे में एक की मौत

टोंक, (निसं)। बरोनी थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई। बरोनी थाना हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह जादौन ने बताया गुरुवार सुबह सूचना मिली कि ग्राम मोटूका में नेशनल हाईवे 52 पर एक युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी, मौके पर पहुंचकर युवक पारसमल पुत्र छीतर जाट निवासी हाडीकला थाना बरोनी को जिला मुख्यालय स्थित सआदत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी तथा परिजनों के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव सुपुर्द किया।

RAJASTHAN HOUSING BOARD

No. :- 443 Dated :- 08/10/2024

NIB : 01/2024-25

Bid for 1. Meter panel work at south Extension Scheme, LIG (G+3) 56 Flats at RHB Udaipur. 2. Shifting of 5 Nos High mast and poles from under constructed ganga marg IG Nagar Jaipur. 3. Operation and Maintenance of Street Light & Road light at Vatika Residential Scheme Jaipur for 2 years. are invited from interested bidders from 14.10.2024 to 24.10.2024 up to 06:00 PM. Other particular of bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state & http://urban.rajasthan.gov.in/rhb Department Website.

UBN No. :- RHB2425WSOB00243, 244 & 245

Raj.Samwad/C/24/6382 Resident Engineer (Electrical), Jaipur

कार्यालय नगरपरिषद झालावाड़ (राज0)

क्रमांक: न.परि.झा./लाईट/2024/4221 दिनांक : 09.10.2024

-: ई-निविदा :-

Nit No. 04 /2024-25

UBN No. : DLB2425WSOB10429, NIB No. DLB2425A3277

नगरपरिषद झालावाड़ द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु स्वायत्त शासन विभाग एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो में उचित श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निम्न कार्य हेतु ऑन लाईन निविदाये आमन्त्रित की जाती है :-

1. नगरीय क्षैत्र झालावाड़ में वार्ड सं0 1 से 45 में एलईडी स्ट्रीट लाईट मय फेज वायर स्थापन कार्य।

संवेदक निविदा प्रपत्र को बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व प्राप्त की जा सकेगें।

आयुक्त
नगरपरिषद् झालावाड़

राज.संवाद/सी/24/6398

कार्यालय नगर परिषद् जैसलमेर (राज.) 345001

क्रमांक:- नपजै/जन स्वास्थ्य/2024-25/1255 दिनांक :- 11.09.2024

-: निविदा सूचना संख्या 04/2024-25 :-

NIB Code – DLB2425A3255

नगर परिषद् जैसलमेर की ओर से नगर परिषद् जैसलमेर में निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से संवेदकों से विभिन्न आपूर्ति कार्यो की ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। ऑनलाईन ई-निविदा से संबंधित कार्य की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

उक्त कार्य के UBN No. :-1. DLB2425SLOB10357 2. DLB2425SLOB10358 3. DLB2425SLOB10360 4. DLB2425SLOB10361 5. DLB2425SLOB10366 है।

राज.संवाद/सी/24/6397 सभापति आयुक्त

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
रेल्वे अस्पताल के सामने, रातानाडा, जोधपुर – 342001

क्रमांक :- 11059599 दिनांक : 10.10.2024

:: ई-बिड सूचना संख्या:- जोन विद्युत-द्वितीय /03/2024-25 ::

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से विद्युत कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से विद्युत कार्यो हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE :- JOD2425A0081
Tender ID/UBN No. :- JOD2425WSOB00181
JOD2425WSOB00182

राज.संवाद/सी/24/6439 अधिशाषी अभियंता (जोन विद्युत-II)

कार सवार बदमाशों ने युवक का अपहरण कर लूटा

- दोस्त से मिलकर वापस कैब से घर लौट रहा था, कार ने कैब के आगे लगाकर रुकवाया

जयपुर। शिप्रापथ थाना इलाके में कार सवार चार बदमाशों ने एक युवक को अपहरण कर उससे तीन मोबाइल, नकदी, अंगूठी सहित अन्य सामान छीन लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार सांघी फार्म दुर्गापुरा निवासी अमित कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह अपने दोस्त से मिलने गया था। वहां से वह वापस कैब से घर लौट रहा था डीडी पार्क मानसरोवर के पास कार ने कैब के आगे लगाकर रुकवाया।

कार से चार युवक उतरे और उसे जबरन कार में बैठा लिया। बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की और उससे आईफोन सहित तीन फोन, 27 हजार रुपए, सोने की अंगूठी और सोने की चेन छीन ली। इसके बाद बदमाश उसे बजरी मंडी के पास एक फ्लैट की छत पर ले गए। वहां पर बदमाशों ने उसे एक पिस्टल नुमा हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी।

किसी तरह वह बदमाशों की चंगुल से निकलकर वहां से भागा और रास्ते से उसने अपने दोस्त जीतू को फोन किया। जीतू ने उसे रास्ते में मिला और उसे घर पर छोड़ा। वह घटना के बाद काफी डर गया था। इस पर अगले दिन पीड़ित ने थाने पहुंच कर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चार लाख की अवैध शराब जप्त, एक आरोपी गिरफ्तार

पिकअप में अवैध अंग्रेजी व देशी शराब की 164 पेटियां जब्त की

मनोहरपुर, (निसं)। थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब चार लाख की अवैध अंग्रेजी व देशी शराब की 164 पेटियां जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनन्द शर्मा बताया कि 9 अक्टूबर को पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि एक पिकअप चालक अवैध शराब भरकर त्रिवेणी धाम शाहपुरा से बिशनगढ़ गांव की तरफ आ रहा है जिसमें अवैध शराब भरी होने की संभावना है। सूचना पर थानाधिकारी राजेन्द्र यादव मय पुलिस टीम एएसआई जयराम, हेड कांस्टेबल लीलाधर, धारा सिंह नरेन्द्र की एक टीम बनाकर बिशनगढ़ बस स्टेण्ड बाजार जाने वाले रोड़ पर पहुंचे और नाकाबंदी की गई। मुताबिक सूचना के एक पिकअप आती दिखाई दी जिसको रुकवाकर चैक किया गया तो पिकअप में अवैध अंग्रेजी व देशी शराब की विभिन्न ब्रांड की कुल 164 पेटियां अंग्रेजी शराब भरी हुई मिली।

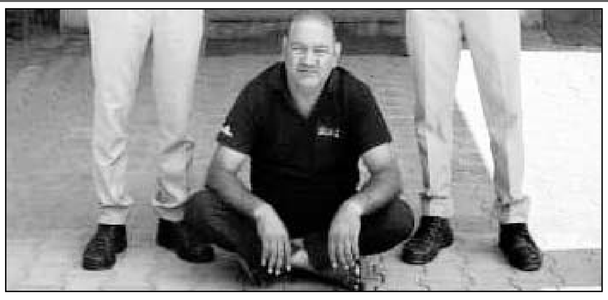

मनोहरपुर पुलिस ने अवैध शराब सहित आरोपी को गिरफ्तार किया।

शराब के बारे में बिल, बिल्टी कागजात मांगे तो कोई कागजात होना नहीं बताया तथा मुल्जिम द्वारा अवैध शराब शाहपुरा से राड़ावास ले जाना पाया गया। जिस पर मुल्जिम रमेश चौधरी पुत्र छीतरमल निवासी ढाणी सीतावाली वार्ड नं 3 शाहपुरा को गिरफ्तार किया गया।

Government of Rajasthan
Office of the Member Secretary,
Rajasthan Medicare Relief Society, Barmer
Mail id-pmo.barmer@gmail.com

Sr.no./Barmer/DH/Acct/2024/2285 Date: 07/10/24

Notice Inviting Bid no. 2284/07/10/24

Bids for Cleaning work on Job Basis (including manpower, machinery, material and supervision) in the complete premises of areas of MCH Wing and hospital premises area in Attached Hospital situated in Barmer are invited from interested bidders up to 18/10/2024, 11.00 AM. Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The approximate value of the procurement is Rs. 70 lacs.

UBN. NO. - MHS2425SLRC03337

Member Secretary
Rajasthan Medicare Relief Society,
Barmer

DIPR/C/9667/2024

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक: जविप्रा/अधि.अभि.एवं त.स.नि.अ.-I/2024-25/डी-75 दिनांक : 10.10.2024

बिड आमंत्रण सूचना

बिड संख्या - अ. अ. एवं त.स.नि.अ. - I/19/2024-25

जविप्रा द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रं. सं.	यूबीएन नं.	कार्य राशि (लाखों में)	कार्य की प्रकृति	अन्तिम तिथि
1	JDA2425WSOB00341	19.84	ओ एण्ड एम (पानी सप्लाई)	19.10.2024
2	JDA2425SSOB00342	4.03	पानी टैंक की सप्लाई	21.10.2024

निविदा का विस्तृत विवरण उपापन पोर्टल www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जविप्रा की वेबसाईट https://jda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/6443 अधि. अभि. एवं तक. सहा. निदे. अभि-प्रथम

नदी मे डूबने से महिला कृषक की मौत

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के नयागांव जाटान मे नदी किनारे पानी पीने के दौरान पांव फिसल जाने से नदी के पानी में डूब जाने से महिला कृषक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार नयागांव जाटान महिला बरजी देवी पत्नी धन्नालाल जाट जो कि बुधवार की शाम अपने खेत से कृषि कार्य कर घर आ रही थी। खेत के पास से बह रही सहोदरा नदी किनारे पानी पीने के दौरान पांव फिसल जाने से महिला पानी के बहाव मे बह गई। पानी के तेज बहाव मे बह जाने व डूब जाने से महिला की मौत हो गई। अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम के पश्चात परिजनों को शव सौंप दिया।

जोधपुर के तस्कर को दस साल की सजा सुनाई

- एनडीपीएस कोर्ट ने तस्कर को एक लाख के जुर्माने से भी दंडित किया
- दिसंबर 2021 में पिकअप में 164 किलो 94 ग्राम डोडा-चूरा मिला था

भीलवाड़ा, (निसं)। एनडीपीएस कोर्ट ने डोडा-चूरा तस्करी के मामले में जोधपुर के एक तस्कर को दस साल की सजा और एक लाख के जुर्माने से दंडित किया है।

प्रकरण के अनुसार, तत्कालीन प्रताप नगर थाना प्रभारी राजेंद्र गोदारा को 3 दिसंबर 2021 को डीएसटी टीम ने फोन से सूचना दी कि एक पिकअप में मध्यप्रदेश से डोडा-चूरा आया है। यह पिकअप ट्रांसपोर्ट नगर में खड़ी है। इस सूचना पर थाना प्रभारी मय जाब्ता ट्रांसपोर्ट नगर पहुंचे, जहां सूचना के मुताबिक एक पिकअप खड़ी मिली। चालक सीट पर एक व्यक्ति बैठा मिला। यह चालक, पुलिस को आता देखकर भागने लगा, जिसे पुलिस ने डिटेन किया और पूछताछ की। उक्त व्यक्ति ने खुद को जोधपुर जिले के भोपालगढ़ थाने के बंदड़ा गांव निवासी रामपाल पुत्र नृसिंहराम विश्नोई होना बताया। पिकअप चैक करने पर उसमें प्लास्टिक कैरट्स के नीचे दस प्लास्टिक कट्टों में भरा हुआ 164 किलो 94 ग्राम डोडा-चूरा मिला था।

पुलिस ने आरोपी तस्कर को एनडीपीएस कोर्ट में पेश किया।

पुलिस ने अफीम डोडा-चूरा सहित पिकअप को जब्त कर रामपाल विश्नोई को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर तफ्तीश की। इसके बाद आरोपित के खिलाफ न्यायालय में चार्जशीट पेश की। न्यायालय में ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से विशिष्ट लोक अभियोजक कैलाशचंद्र चौधरी ने 10 गवाहों के बयान करवाते हुये 27 दस्तावेज पेश कर रामपाल पर लगे आरोप सिद्ध करवाये। विशिष्ट न्यायाधीश (एनडीपीएस प्रकरण) जगदीशप्रसाद शर्मा ने उक्त प्रकरण में ट्रायल पूर्ण होने पर तस्करी के आरोपित विश्नोई को दस साल के कठोर कारावास और एक लाख रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक- अ.अ./सांचौर/2024-25/1186 दिनांक-01.10.2024

निविदा सूचना संख्या - 09 वर्ष 2024-25

NIB NO.: PWD2425A1966

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से MG नरेगा योजना में विभिन्न डब्ल्यूबीएम सड़क निर्माण व एमएलए लैड में डामरीकरण कार्य व अन्य सड़क मरम्मत कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी मे सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान मे पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि मे पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 232.34 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	01 अक्टूबर 2024, 9.30 बजे से 14 अक्टुम्बर 2024 सायं 06.00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN NO. 1. UBNPWD2425WSOB07248, 2. UBNPWD2425WSOB07251, 3. UBNPWD2425WSOB07255, 4. UBNPWD2425WSOB07256, 5. UBNPWD2425WSOB07257, 6. UBNPWD2425WSOB07262, 7. UBNPWD2425WSOB07263, 8. UBNPWD2425WSOB07264, 9. UBNPWD2425WSOB07265, 10. UBNPWD2425WSOB07270, 11. UBNPWD2425WSOB07274, 12. UBNPWD2425WSOB07275

(ओम प्रकाश)
अधिशाषी अभियन्ता,
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/9678/2024

अंधड़, बारिश व ओलों से खेतों में पकी-पकाई फसल नष्ट

श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ जिलों में अंधड़, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ

- अनूपगढ़ व घड़साना में बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से मूंग की कटी हुई फसल बर्बाद
- श्रीगंगानगर में बूंदाबांदी हुई, सूरतगढ़ में बादल जमकर बरसे, सड़कें जलमग्न हुई

श्रीगंगानगर, (निसं)। पिछले कई दिनों से पड़ रही गर्मी के बाद मौसम में अचानक आए बदलाव से श्रीगंगानगर व अनूपगढ़ जिलों में अंधड़, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान हुआ है। अनूपगढ़ व घड़साना में बारिश के साथ हुई ओलावृष्टि से मूंग की कटी हुई फसल बर्बाद हो गई। वहीं कॉटन की फसल भी प्रभावित हुई है। सूरतगढ़ में जोरदार बारिश से सड़कें जलमग्न हो गई। मौसम में बदलाव दोपहर बाद आया। आसमान बादल छाने के साथ अंधड़ चलने से जनजीवन प्रभावित हुआ। श्रीगंगानगर में शाम साढ़े पांच बजे के आसपास बूंदाबांदी हुई, वहीं सूरतगढ़ में बादल जमकर बरसे, जहां ज्यादा बारिश हुई, वहां फसलों को फायदे से ज्यादा नुकसान हुआ है।

सूरतगढ़ क्षेत्र में यकायक आसमान में काले बादल छाए तथा तेज आंधी से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। इसके कुछ देर बाद बरसात का दौर शुरू हुआ, जो करीब आधा घंटे तक बरसात हुई, जिससे खेतों में खड़ी व कटाई की गई फसलों को नुकसान हुआ। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। वहीं, बरसात से शहर की मुख्य सड़क बरसाती पानी से लबालब भर गई, जिससे राहगीरों को आवाजाही में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार शाम करीब पौने छह बजे आसमान में काले बादल छाए। इस दौरान तूफान आने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। धूलभरी आंधी चलने से दुकानों के बाहर पड़ा सामान बिखर गया तथा पेड़ों की टहनियां उखड़ गई। विद्युत सप्लाई ठप होने से बाजारों में अंधेरा छा गया। इस दौरान बरसात का दौर शुरू हुआ, जो करीब आधे घंटे तक लगातार चला। महाराणा प्रताप चौक सहित अन्य सड़कें बरसाती पानी से लबालब भर गई। क्षेत्र में तूफान व बरसात से खेतों में खड़ी फसल व कटी हुई फसलों को सर्वाधिक नुकसान हुआ है। बरसात का असर सबसे ज्यादा सूरतगढ़ व उसके आसपास के क्षेत्र में हुआ।

सहायक कृषि अधिकारी महेन्द्र कुलडिया ने बताया कि बरसात की वजह से खेतों में खड़ी नरमा, धान सहित अन्य फसलों में पानी भर गया। इसी तरह कटी हुई फसल मूंग व ग्वार उड़ गई। फसलों को नुकसान होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कटी हुई फसल को नुकसान होने पर बीमा कम्पनी के टोल फ्री नम्बर व फसल बीमा ऐप पर भी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है।

सूरतगढ़ थर्मल तापीय परियोजना सहित आसपास के क्षेत्र में बुधवार शाम को तेज आंधी के साथ हुई बारिश से पिछले एक सप्ताह से पड़ रही गर्मी व उमस से राहत मिली है। शाम करीब 6 बजे तेज हवाओं के साथ करीब आधा घण्टे हुई बारिश ने सर्दी का अहसास करवा दिया है। वहीं किसानों ने बताया कि बारिश से इस क्षेत्र में सरसों, तारामीरा व चने की फसल की बिजाई की जा सकेगी।

कार्यालय नगर परिषद् सलूम्बर, जिला सलूम्बर (राज.)

क्रमांक: न.प.स/निर्माण/2024-25/1906-07 दिनांक :- 09.10.2024

ई-निविदा सुचना सं0 07/वर्ष 2024-25

नगर परिषद् कार्यालय सलूम्बर द्वारा नगर परिषद सलुम्बर एवं राजस्थान सरकार के समुचित वर्ग के सूचीबद्ध ठेकेदारो/संवेदकों एवं केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकार व उनके अधिकृत संगठनों में पंजीकृत संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो उनसे निर्धारित निविदा प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

कुल निविदा के कार्य	कुल 02 कार्य
निविदा की अनुमानित लागत	राशि रु. 63.16 लाख
ऑन लाईन निविदा फार्म मिलने की तारीख	10/10/2024 प्रातः 12.00 बजे से 20/10/2024 सांय 06.55 बजे तक
ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	10/10/2024 प्रातः 12.00 बजे से 20/10/2024 सांय 06.55 बजे तक
भौतिक रूप से नगर परिषद् कार्यालय में डी.डी. जमा कराने की दिनांक	21/10/2024 दोपहर 01.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	21/10/2024 सांय 03.00 बजे

WORK NO.	UBN Code	NIB Code
1.	DLB2425WSOB10460	DLB2425A3301
2.	DLB2425WSOB10461	

राज.संवाद/सी/24/6434 सभापति नगर परिषद सलूम्बर आयुक्त नगर परिषद सलूम्बर

पिछली सरकार के एम.ओ.यू. धरातल पर नहीं उतरे : भजनलाल शर्मा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ बैठक ली।

■ 'आर्थिक जगत के प्रबुद्धजन प्रदेश में निवेश लाने में करें सहयोग'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट से राजस्थान में उद्योगों को एक नई दिशा मिलेगी तथा सभी के सहयोग से इस समिट को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश का सकारात्मक माहौल तैयार जा रहा है।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास पर राइजिंग राजस्थान के संबंध में आर्थिक क्षेत्र के प्रबुद्धजनों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में विपुल प्राकृतिक संसाधन की उपलब्धता के चलते निवेश की अपार संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के एमओयू धरातल पर नहीं उतरे। हमने अपने कार्यकाल के पहले ही वर्ष में राइजिंग राजस्थान समिट करने का निर्णय लिया है जिससे प्रदेश उद्योगों के क्षेत्र में अग्रणी बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीए सीएस सहित अन्य प्रोफेशनल्स राज्य की बड़ी ताकत हैं। इन प्रोफेशनल्स की विश्वसनीयता रहती है तथा ये सरकार व उद्यिमयों के हित में काम करते हैं। उन्होंने आशा जताई कि प्रोफेशनल्स राज्य को निवेश का हब बनाने तथा अधिक से अधिक निवेश लाने में अपनी महती भूमिका निभाएंगे। शर्मा ने कहा कि राजस्थान के सीए और सीएस अपनी काबिलियत के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थानी जहां भी रहते हैं, खुशहाली लाते हैं, आगे बढ़ते हैं और सभी को आगे बढ़ाते हैं। राजस्थानी प्रत्येक जगह पर अपनी कर्मठता से पहचान बनाते हैं। शर्मा ने कहा कि बिजली, पानी तथा आधारभूत संरचना का योजनाबद्ध तरीके से विकास हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए राज्य सरकार ने बिजली के क्षेत्र में 2 लाख 24 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए गए हैं, जो हमारे दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में भी असीमित संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में 53 हजार किलोमीटर सड़क नेटवर्क और नौ ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेस वे विकसित करने की योजना भी बनाई गई है, जिनसे निवेशकों को और अधिक अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा क्षेत्र भी प्रदेश में तेजी से विकसित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान को सफल बनाने के लिए हमारी टीम दिन-रात काम में जुटी हुई है। हमने नवनियुक्त आईएएस ऑफिसर को आयोजन के लिए नियुक्त किया है। साथ ही, देशभर में राजस्थान मूल के आईएएस अफसर, भूतपूर्व आईएएस अफसरों सहित सभी वर्गों से भी इस आयोजन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की जा रही है।

बैठक में आए उद्योगपतियों एवं प्रोफेशनल्स ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ाने के लिए हम सभी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहभागिता करेंगे तथा आयोजन को सफल बनाते हुए राज्य में निवेश लाने में पूरा सहयोग करेंगे। बैठक में मशहूर उद्योगपति टाटा समूह के चेयरमैन स्व. रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, अतिरिक्त मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, जीनस पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर के चेयरमैन आई सी अग्रवाल, एआरजी ग्रुप के चेयरमैन आत्मा राम गुप्ता, सीएस इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्याम अग्रवाल, सीए इन्स्टीट्यूट के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील गोयल, गोलचा ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन विक्रम गोलचा, महर्षि अरविंद यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर संजय पाराशर, पॉली मेडिकेयर के अध्यक्ष विशाल बैद, मर्चेन्ट बैंकर अशोक होलानी, सीए प्रकाश शर्मा, सीए पीपी पारीक सहित विभिन्न उद्योगपति एवं सीए-सीएस मौजूद रहे।

कर्नल राज्यवर्धन ने 9 महीने में कराये 986.8 करोड़ रुपए के विकास कार्य

जयपुर। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के विकसित झोटवाड़ा के संकल्प को साकार करने के सार्थक प्रयासों से जनवरी से सितंबर तक 9 महीने में ही झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 986.8 करोड़ रुपए के विकास कार्य हो रहे हैं।

झोटवाड़ा में सुगम-सरल यातायात व्यवस्था हो, पानी की समस्या का समाधान हो, छात्र-छात्राओं की बेहतर शिक्षा हो, खेल सुविधाएं हों, एलिवेटेड और सेक्टर रोड, सीवरेज प्रोजेक्ट्स, मेट्रो ट्रेन विस्तार, रेलवे स्टेशन शेड्स, ट्रेनों का ठहराव, पार्क सौंदर्यीकरण, आरओबी/आरयूबी निर्माण, सी.सी. सड़कें, इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण, पानी की टंकियों का निर्माण हो, बिजली एवं स्वास्थ्य सुविधाएं, सार्वजनिक शौचालय की समस्या का समाधान समेत इंटीग्रेटेड प्लानिंग के तहत हो रहे ड्रोन सर्वे जैसे समस्त विकास कार्यों के लिए जनता और कार्यकर्ताओं ने राठौड़ की सराहना की। राठौड़ का क्षेत्र एवं प्रदेश की जनता व कार्यकार्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और भाजपा की डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में झोटवाड़ा समेत पूरे राजस्थान में हो रहे विकास कार्यों के लिए आभार जताया।

हरियाणा में भाजपा सरकार बनने पर सतीश पूनिया को खींवसर, पटेल व कुमावत ने बधाई दी

हरियाणा के भाजपा प्रभारी डॉ.सतीश पूनिया को कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बुके देकर बधाई दी।

जयपुर। हरियाणा में तीसरी बार प्रचंड बहुमत की भाजपा सरकार बनने पर हरियाणा से लेकर राजस्थान और पूरे देशभर में भाजपा कार्यकर्ताओं और आमजन में खुशी की लहर है।

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया पिछले कई दिनों से जयपुर प्रवास पर हैं, जहां उन्हें प्रदेशभर से पार्टी कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी जयपुर पहुंचकर हरियाणा में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने की बधाई दे रहे हैं। सतीश पूनिया ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर हरियाणा के किसानों, जवानों, खिलाड़ियों सहित सभी 36 कौम के अटूट विश्वास की मुहर है।राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर, जोगाराम पटेल, जोराराम कुमावत, भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र गोठवाल, भाजपा एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष कैलाश मेघवाल, श्रवण सिंह बगड़ी, विधायक आदूराम मेघवाल, विश्वनाथ मेघवाल, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनपुरिया, जयपुर ग्रेटर डिप्टी मेयर पुनीत कर्णावत, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेश मीडिया संयोजक विमल कटियार इत्यादि सहित प्रदेशभर से पधारे पार्टी कार्यकर्ताओं ने सतीश पूनिया को तीसरी बार हरियाणा में भाजपा सरकार बनने की बधाई एवं शुभकामनाएं दी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

सन्तवाणी सुनने के लिए सपरिवार आएं : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरूवार को श्री दिगम्बर जैन 1008 चन्द्रप्रभ मंदिर, जयपुर में दीक्षा दिवस पर लोगों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। देवनानी ने मुनि श्री अर्चित सागर को कोटि-कोटि नमन किया। हम लोगों को मुनि श्री के मार्ग पर चलने का प्रयास करना होगा। दीक्षा वास्तव में सारी सांसारिक इच्छाओं के त्याग का परिचायक है। दीक्षा में सत्य के पालन करने के लिए पांच महामंत्रों का उल्लेख किया है। जिसके अंतर्गत अहिंसा, सत्य, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह व चोरी ना करना है। आज के भौतिकवादी युग में इस तरह के जीवन को अपनाना अपने आप में अनोखा है।

आगामी अफीम नीति में पुराने कटे हुये पट्टे भी हो बहाल : सी.पी.जोशी

जयपुर। पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने आज दिल्ली में केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वर्ष 2024-25 के लिए जारी होने वाली अफीम नीति के लिए अपने सुझाव दिए।

सांसद जोशी ने कहा कि आगामी अफीम नीति में किसानों को राहत पहुंचाने का प्रयास हों, किसानों के हितों को प्राथमिकता मिले साथ ही किसानों के पुराने कटे हुये पट्टे भी बहाल हो। बैठक के दौरान सीपी जोशी ने अपने सुझाव पत्र के माध्यम से सुझाव दिया कि अफीम किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुये क्षेत्र के किसानों के द्वारा दिये हुये सुझावों का समावेश आगामी अफीम नीति (2024-25) में करने की आवश्यकता हैं। लाइसेंस को ऑनलाईन कर दिया जाये तथा नाम को भी ऑनलाईन प्रदर्शित किया जाना चाहिये।

इसके साथ ही कैम्प लगाकर किसानों के समस्त डाटा को विभाग के स्तर पर ही दुरस्त करना चाहिये, जिससे समस्त प्रकार की अशुद्धियां का एकबारगी निराकरण हो सके।

उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर शोक जताया

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पद्मविभूषण से सम्मानित विश्व के मशहूर उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि सादगी एवं विनम्रता की मिसाल रहे स्व. टाटा का निधन देशवासियों के लिए एक अपूरणीय क्षति है। टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन स्व. टाटा ने अपनी कर्मठता तथा जुझारूपन से विश्व पटल पर भारतीय उद्योगों को एक नई पहचान दिलाई। स्व. टाटा का जीवन युवाओं के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। स्व. टाटा ने व्यवसायिक जगत, समाजसेवा और राष्ट्रिनर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाई।

भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि पूर्ण रूप से जनसेवा के लिए समर्पित : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आमजन से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए और भाजपा के अंत्योदय के मूल सिद्धांत को चरिथार्थ करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता और आमजन सर्वोपरि है। देश के प्रधान सेवक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर ग्राम स्तर के जनप्रतिनिधि भाजपा के इस सिद्धांत पर कार्य कर रहे है। अंतिम पंक्ति में बैठ व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ अब पहुंच रहा है, जबकि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में दलित, वंचित और शोषित वर्ग के साथ अन्याय, अत्याचार किया गया।

राठौड़ ने कहा कि भाजपा कार्यालय में प्रदेशभर से आमजन पहुंच रहे है। कुछ प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास मिलने पर पीएम मोदी का आभार जता रहे है तो कुछ महिलाओं ने 450 रूपए में रसोई गैस सिलेंडर प्रदान करने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया। भाजपा की डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में समाज के हर वर्ग, समुदाय तक सरकारी योजनाएं पहुंच रही है। गरीबों को अन्न, मरीजों को इलाज और बेरोजगारों के लिए रोजगार का सृजन करने वाली भाजपा सरकार जो कहती है वो करती है। राठौड़ ने कहा कि राजस्थान विधानसभा की 7 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों में निश्चित रूप से कमल खिलेगा।

एग्रीमेंट और कमर्शियल ट्रांजेक्शन में एफआईआर कैसे दर्ज होती है : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने डीजीपी से पूछा है कि बेचान एग्रीमेंट, कॉन्ट्रैक्ट और कमर्शियल ट्रांजेक्शन केसों में प्रारंभिक जांच किए बिना एफआईआर कैसे दर्ज होती है और इनमें अनुसंधान करने की क्या प्रैक्टिस होती है। ये केसेज सिविल प्रकृति के माने जाते हैं, लेकिन सिविल व आपराधिक प्रकृति के मामलों के बीच में एक पतली लाइन होती है। ऐसे में इन केसों में किस तरह से अनुसंधान किया जाता है। वहीं डीजीपी से यह भी कहा है कि वे एसपी स्तर के अफसरों से 15 दिनों में यह विश्लेषण कराए कि यह केसेज किस प्रकृति के हैं। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश गुरुवार को जमीन विवाद व सिविल विवाद से जुडी 25 याचिकाओं पर दिए। अदालत ने सीनियर एडवोकेट वीआर बाजवा व अधिवक्ता नितिन जैन को मामले में न्यायमित्र भी नियुक्त किया है। अदालत ने कहा कि आगामी सुनवाई पर पुलिस कमिश्नर को बुलाया जाएगा। सुनवाई के दौरान डीजीपी यूआर साहू उपस्थित हुए। डीजीपी की ओर से कहा कि जो मामले कोर्ट में दायर परिवाद पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश के साथ आते हैं। उनमें पुलिस को एफआईआर दर्ज करनी पडती है। हालांकि अब नए आपराधिक कानून में इस संबंध में सिस्टम आया है और इसका विश्लेषण करवाएंगे। जिस पर अदालत ने उन्हें कहा कि वे एसपी स्तर के पुलिस अफसर से इन केसेज को दिखाए कि क्या ये सिविल प्रकृति के हैं या आपराधिक प्रकृति के हैं।

एस.आई. भर्ती पेपर लीक मामले में 4 ट्रेनी गिरफ्तार किए एस.ओ.जी. ने

पूछताछ के बाद एक ट्रेनी एस.आई. को छोड़ दिया गया

एस.ओ.जी. ने एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में गिरफ्तार आरोपियों को गुरूवार को कोर्ट में पेश किया।

■ एसओजी ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए सात दिन के रिमांड पर लिया है।

■ एसओजी बुधवार को राजस्थान पुलिस अकादमी से 5 ट्रेनी एसआई को हिरासत में लेकर आई थी।

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में चार ट्रेनी एसआई को गिरफ्तार कर लिया है। एसओजी ने चारों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए सात दिन के रिमांड पर लिया है। इसके अलावा डमी अभ्यर्थी बिठाने के मामले में पहले गिरफ्तार संतोष की रिमांड अवधि पूरी होने पर एसओजी ने उसे भी गुरुवार को कोर्ट में पेश किया। उसे भी तीन दिन के रिमांड पर सौंपा गया है।

दरअसल एसओजी नौ अक्टूबर को राजस्थान पुलिस अकादमी (आरपीए) पहुंची थी और टीम ने यहां से पांच ट्रेनी एसआई को हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के बाद चार को गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं एक को पूछताछ के बाद छोड़ दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामसिंह ने बताया कि एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपर लीक मामले में कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए एसओजी की टीम अपनी जांच को आगे बढ़ा रही है। पूर्व में गिरफ्तार और रिमांड पर चल रहे आरोपियों ने पूछताछ में कुछ ट्रेनी एसआई के बारे में जानकारी दी है। उसकी जांच कराई गई। जांच में पुष्टि होने पर बुधवार सुबह ट्रेनी एसआई को आरपीए से डिटेन कर पूछताछ के लिए लाए थे। इसके बाद गुरुवार को ट्रेनी एसआई मोनिका, रेणु कुमारी चौहान, सुरजीत सिंह यादव और नीरज कुमार यादव को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें पूछताछ के लिए सात दिन के रिमांड पर लिया गया। पूछताछ के दौरान इन सभी ट्रेनी एसआई से कई सवाल-जवाब किए जाएंगे। साथ ही पैसों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। साथ ही इन के द्वारा और किस-किस को एसआई का पेपर दिया गया।

गौरतलब है कि एसआई भर्ती 2021 में पेपर लीक के मामले में एसओजी अब तक 46 चयनित ट्रेनी एसआई और पेपर लीक गैंग से जुड़े 30 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। अभी भी कई ट्रेनी एसआई एसओजी के रडार पर चल रहे हैं। एसओजी ने इसी साल अप्रैल में पहली बार इस एग्जाम से जुड़े ट्रेनी एसआई की गिरफ्तारी की थी। इसके अलावा एसआई भर्ती 2021 धांधली मामले में डमी अभ्यर्थी बनकर बैठने वाली वर्षा बिश्नोई को पूर्व में जोधपुर रेंज की टीम ने कोटा से गिरफ्तार किया था। जो काफी समय से स्टूडेंट बनकर फरारी काट रही थी। एसओजी वांटेड वर्षा बिश्नोई से पूछताछ कर रही है। वर्षा जालोर के सांचौर के सरनाऊ गांव की रहने वाली है।

फर्जी खेल प्रमाण जारी करने वाला सचिव गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए ताइक्वांडो के फर्जी खेल प्रमाण जारी करने वाले राजस्थान ताइक्वांडो संघ के सचिव को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एसओजी ने आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किए जा चुके है। फिलहाल सचिव से पूछताछ की जा रही है।

एडीजी एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी ने दिनेश जगरवाल (50) निवासी सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर राजस्थान हाल पीटीआई ग्रेड थर्ड रा.उ.मा. विद्यालय नासनवा तहसील लक्ष्मणगढ़, जिला सीकर हाल सचिव राजस्थान ताइक्वांडो संघ को ताइक्वांडो के फर्जी खेल प्रमाण जारी करने के मामले में गिरफ्तार किया गया। इस मामले मे की जांच से सामने आया कि आरोपी दिनेश जगरवाल प्रति अभ्यर्थियों से एक-एक लाख रुपये लेकर बिना ताइक्वांडो खेल खेले ही रिकॉर्ड में हेराफेरी कर जाली कागजात तैयार कर अभ्यर्थियों को खेलना बता कर रिकॉर्ड तैयार किया है। जिसके आधार पर फर्जी अभ्यर्थियों ने सरकारी नौकरी प्राप्त कर ली। वहीं इस मामले में इससे पूर्व विमलेंदु कुमार झा, कमल सिंह, हितेश भादू (सरकारी अध्यापक) व मनोज कुमार (सरकारी अध्यापक) को गिरफ्तार किया जा चुका है । एसओजी की टीम आरोपी दिनेश से पूछताछ करने में जुटी है पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे होने की आशंका जताई जा रही है।

हर्बल सीड्स खरीदने के बहाने ठगने वाले नाईजीरियन गिरफ्तार

■ आरोपियों ने पश्चिम बंगाल,यूपी, बिहार,राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात व हरियाणा में ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है।

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए हर्बल सीड्स खरीदने के नाम पर साइबर ठगी करने वाले दो नाईजीरियन को गिरफ्तार किया है। ठगों में एक महिला भी शामिल है। आरोपितों ने एक व्यक्ति को सीड्स की विदेशों में महंगी खरीद और मोटे मुनाफे का झांसा देकर 32 लाख 35 हजार रुपये की ठगी की थी। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, गुजरात और हरियाणा में ठगी करना कबूला है। ठगों की गिरफ्तारी मुंबई और दिल्ली से हुई है।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एटीएस एवं एसओजी वीके सिंह ने बताया कि हर्बल बीज खरीदने के नाम पर साइबर धोखाधड़ी करने वाले नाईजीरियन मुम्बई उडूचुकु चार्ल्स और उसकी सहयोगी जॉय दोनकॉर घाना को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपितों से बरामद इलेक्ट्रोनिक उपकरणों के आधार पर भारत के अन्य राज्यों पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक , तेलगाना, गुजरात, हरियाणा व अन्य दर्जनों व्यक्तियों के साथ धोखाधड़ी की है। जिनसे संपर्क किया जा रहा है। गौरतलब है कि पीड़ित नवीन कुमार की मार्च 2018 में सोशल मीडिया डेटिंग ऐप पर यूके निवासी एलीन मोरा मुलाकात हुई तथा बिजनेस करने के बारे में बताया। एलीन मोरा ने कहा कि वह यूके में इंटर हर्बल फार्मास्यूटिकल कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। वर्ष 2016 से उनकी कम्पनी भारत से हर्बल सीड्स की खरीद करती है। भारत देश में कार्यरत उनकी मैनेजर का प्रमोशन होने के कारण उसके स्थान पर डॉ. लुकास एलविस कार्य देख रहे है। यह बीज विदेशों में बहुत महंगा बिकता है तथा भारत में बहुत सस्ता मिलता है। इस सीड्स के पैकेट का भार 50 ग्राम होता है व भारत में इसकी कीमत 40 हजार हजार रुपये है तथा उनकी कम्पनी 1 लाख 20 हजार रुपये में खरीदती है। इस प्रकार परिवादी को अच्छे मुनाफे का लालच देकर आरोपियों द्वारा विभिन्न बैंक खातो में राशि 32 लाख 35 हजार 200 रूपये जमा करवाकर धोखाधड़ी कर ली। इस संबंध में पीड़ित ने साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन एसओजी जयपुर में मामला दर्ज करवाया। जहां एसओजी ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल करते हुए आरोपियों को चिन्हित किया और फिर उनकी गिरफ्तारी की।

बजट घोषणाओं से जुड़े कार्य शीघ्र पूरे करें:कुलदीप रांका

जयपुर (कासं) । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका ने विभागीय बजट घोषणाओं के कार्यों का शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। रांका गुरुवार को अंबेडकर भवन स्थित निदेशालय के सभागार में विभागीय बजट घोषणाओं के लम्बित प्रकरणों और कार्यों के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक ले रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में कार्यों को पूर्ण करने के लिए समय सीमा तय करते हुए कार्यवाही प्रारम्भ करे। उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रिन्यान्विति में आ रही समस्याओं की जानकारी अधिकारियों से ली ।

मुख्यमंत्री ने ली जिला कलक्टर्स की बैठक

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि डेंगू, मलेरिया एवं स्क्रब टाइफस जैसी मौसमी बीमारियों की प्रभावी रोकथाम के लिए राज्य सरकार पूरी सर्तकता के साथ अलर्ट मोड पर कार्य कर रही है। जिला कलक्टर्स आमजन को इन बीमारियों से बचाव के प्रति जागरूक करने के लिए अभियान चलाएं। उन्होंने कलेक्टर्स को प्रभावित क्षेत्रों में अतिरिक्त स्वास्थ्यकर्मियों को नियोजित करने, स्वास्थ्य केन्द्र पर दवाईयों की पूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित करने और 24 घंटे संचालित कंट्रोल रूम की नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित जिला कलक्टर्स की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गांव से लेकर शहर तक आमजन को मौसमी बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए राज्य सरकार तत्परता के साथ निर्णय ले रही है। उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के जलभराव क्षेत्रों में सघन फॉगिंग करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कृषक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए वृहद् स्तर पर कल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। उन्होंने कृषि विभाग को किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए कलक्टर्स को खाद के स्टॉक का नियमित निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने किसानों के लिए डीएपी खाद के विकल्प के रूप में एसएसपी को प्रोत्साहित करते हुए कलक्टर्स को प्रचार-प्रसार करने के निर्देश भी दिए।

रतन टाटा को जयपुर फुट ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर । सुप्रसिद्ध उद्यमी स्वर्गीय रतन टाटा को जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायति समिति द्वारा श्रद्धांजली दी गई। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी. आर. मेहता ने कहा कि स्वर्गीय रतन टाटा एक महान व्यक्ति थे और मानव सेवा के प्रति प्रतिबद्ध थे।

कुसुम योजना में सौर ऊर्जा संयंत्रों से उत्पादन शुरू

जयपुर । प्रदेश में पीएम कुसुम योजना के तहत फीडर लेवल सोलराइजेशन के काम को गति मिल रही है।

इस योजना से राज्य सरकार का वर्ष-2027 तक किसानों को खेती-किसानी से जुडे कार्यों के लिए दिन में बिजली देने का लक्ष्य है।
इसी दिशा में योजना के कंपोनेंट-सी के तहत खैरथल-तिजारा एवं कोटपुतली-बहरोड जिले में 5.38 मेगावाट क्षमता के दो सौर ऊर्जा संयंत्र सोलर पावर जनरेटर द्वारा हाल ही में स्थापित कर दिए गए हैं और निकटवर्ती ग्रिड से कनेक्ट कर बिजली उत्पादन शुरू कर दिया है।

डिस्कॉम्स चेयरमैन आरती डोगरा ने बताया कि भिवाड़ी सर्किल (खैरथल-तिजारा जिले) के जाट बहरोड़ में सोलर पावर जनरेटर मैसर्स सानोली सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2.74 मेगावाट क्षमता का सोलर प्लांट सितम्बर के अंतिम सप्ताह में स्थापित कर दिया गया है।

इस प्लांट को 33/11 केवी सब स्टेशन से भी कनेक्ट कर दिया गया है। अब इस सब स्टेशन से जुड़े 238 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली की आपूर्ति की जा रही है। इसी प्रकार कोटपुतली-बहरोड़ जिले के हुडिया जैतपुर में मैसर्स काठूवास सोलर एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 2.64 मेगावाट के संयंत्र को बुधवार को स्थापित कर 33/11 केवी सब स्टेशन से कनेक्ट कर दिया गया है। इस प्लांट के माध्यम से भी अब इस सब स्टेशन से जुडे 247 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली आपूर्ति होने लगी है।

डोगरा ने बताया कि जयपुर विद्युत वितरण निगम क्षेत्र में कुसुम-सी योजना के तहत 17.29 मेगावाट क्षमता के 7 सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

कस्टम ज्वेलरी उद्यमी के निःशुल्क प्रशिक्षण का समापन

रावतभाटा, (निसं)। बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा दिये जा रहें रावतभाटा में 13 दिवसीय कस्टम ज्वेलरी उद्यमी के निःशुल्क प्रशिक्षण का गुरूवार को समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किरण गुर्जर बैंक ऑफ बड़ौदा, झालरबावडी रावतभाटा से थे। मुख्य अतिथि ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रोजगार से जुड़ने हेतु प्रेरित किया एवं विभिन्न प्रेरणात्मक गतिविधियों की सहायता से अपना लक्ष्य प्राप्त करने के उद्धेश्य से भी अवगत कराया गया। एवं प्रशिक्षण के बाद स्वरोजगार शुरू करने एवं सरकारी बैंक से लोन लेने हेतु प्रेरित किया। ट्रेनर कामिनी कश्यप ने प्रतिभागियों को राखी बनाना, हार बनाना, जिसमें कडी वाला हार, चौकर, मोती वाला हार, रानी हार, चूडी बनाना जिसमें धागे वाली चुड़ी, डायमण्ड चूडी और कुन्दन चूडी इत्यादि सिखाया गया। एवं सम्बन्धित विभिन्न जानकारियां प्रदान की गई। डी.पी. ऐसेसर बी.एल. सोनी एवं डोमेन एसेसर शिल्पा अग्रवाल द्वारा प्रशिक्षणार्थियों का मुल्यांकन एवं प्रमाणन किया गया। संस्थान के फैकल्टी संतोष शर्मा ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को बताया की बडौदा स्वरोजगार विकास संस्थान द्वारा बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए स्वरोजगार हेतु ब्यूटी पार्लर प्रबन्धन, सिलाई, मोबाईल रिपेयरिंग, टैली, होममेड अगरबत्ती निर्माता, ज्वेलरी बनाना, डेयरी एवं वर्मी कम्पोस्ट, बकरी पालन, मुर्गी पालन के निःशुल्क प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित हैं। संस्थान के फैकल्टी सन्तोष शर्मा ने मुख्य अतिथि को धन्यवाद दिया।

कोटा में डाईट के नए भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास हुआ

- आगामी वर्षों में डेढ़ लाख शिक्षकों की भर्ती होगी
- सौ विद्यालय क्रमोन्नत होंगे, पचास नए खुलेंगे : शिक्षा मंत्री

कोटा में डाईट के नए भवन का भूमि पूजन व शिलान्यास मंत्री मदन दिलावर के द्वारा किया गया।

कोटा, (निसं)। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आने वाले वर्षों में प्रदेश में करीब डेढ़ लाख शिक्षकों की भर्ती होगी और प्रदेशवासियों को विद्यालयों में शिक्षकों की कमी की शिकायत नहीं रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 20000 नए शिक्षकों की नियुक्ति की है। जो नियुक्तियां अटकी हुई हैं उनमें बाधाओं को दूर कर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जाएगी। उन्होंने जनवरी के प्रथम सप्ताह में रीट के आयोजन की भी घोषणा की। दिलावर गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाईट कोटा के नवीन भवन के भूमि पूजन एवं शिलान्यास समारोह के बाद संबोधित कर रहे थे। शिक्षा मंत्री ने 50 नए प्राथमिक विद्यालय खोलने एवं 100 विद्यालयों को क्रमंगत करने की भी घोषणा की। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में एक दिन में 60000 पात्र छात्राओं को टैबलेट दिए गए एवं विभिन्न पदों पर डीपीसी कर शिक्षकों को प्रमोशन दिए गए।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि शीघ्र ही योग शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी और शिक्षा का स्तर बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास करती रहेगी। उन्होंने कोटा में बनने वाले नवीन डाईट भवन को मॉडल डाइट बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि यहां एमएड एवं पीएचडी योग्यता धारी प्रशिक्षक ही लगाए लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डाईट के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले शिक्षक आदर्श शिक्षक बने राज्य सरकार का यही प्रयास है। उन्होंने बच्चों में किताबी ज्ञान के साथ-साथ अच्छे संस्कार देने पर भी जोर दिया और प्रशिक्षकों का आह्वान किया कि वे अपने जीवन एवं व्यवहार के माध्यम से आदर्श प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सहयोग से ऐसे विद्यार्थी तैयार किए जाएंगे जो देश के आदर्श नागरिक बने और जो देश के प्रति समर्पित भाव से कार्य करते हुए देश की प्रगति में सहभागी बनेंगे। उन्होंने इस बार का परीक्षा परिणाम सर्वोत्तम रहने पर सभी को बधाई दी।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि पहली बार 3 करोड़ 50 लाख निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें 5 जुलाई तक ही स्कूलों में बच्चों के हाथ में पहुंच चुकी हैं। पहले यह पाठ्य पुस्तकें अक्टूबर के अंत और नवंबर की शुरुआत तक पहुंचती थी जिससे बच्चों को पढ़ाई में काफी नुकसान होता था शिक्षा दिलावर ने उपस्थित शिक्षकों एवं प्रशिक्षण ले रहे छात्र-छात्राओं को संकल्प दिलाया कि वे राजस्थान को स्वच्छता में पहला स्थान प्राप्त करने में सहयोग कर करेंगे और पॉलिथीन का उपयोग बंद कर देंगे साथ ही अपने आसपास के वातावरण को साफ एवं स्वच्छ रखेंगे।

शिक्षा मंत्री ने शिक्षकों का आव्हान किया कि वह बच्चों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करें। शिक्षा मंत्री ने कोटा में बंद रहे डायट भवन को मॉडल डायट भवन बताते हुए कहा कि प्रदेश में बंद रहे 6 डाइट भावनाओं में से यह सर्वश्रेष्ठ होगा एवं यहां प्रशिक्षण देने वाले भी सर्वश्रेष्ठ होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही लाड़पुरा विधायक कल्पना देवी ने आशा व्यक्त की कि डाइट में जो शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वे समाज में जाकर शिक्षा का उजाला फैलाएंगे।

उन्होंने कहा कि अपने विधायक को से विकास कार्य करवाने में उन्होंने शिक्षा एवं चिकित्सा को सर्वाधिक प्राथमिकता दी है एवं 50 प्रतिशत विधायक कोष की राशि शिक्षा के लिए जारी की है। उन्होंने कोटा में मॉडल डाइट भवन के लिए शिक्षा मंत्री का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की संयुक्त निदेशक तेज कंवर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी के के शर्मा, डाइट कोटा की प्राचार्य पवित्रा त्रिपाठी एवं अन्य अधिकारियों ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सहित अन्य अतिथियों का साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इससे पहले शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, विधायक कल्पना देवी एवं अन्य अतिथियों ने नए डाइट भवन के लिए वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। उन्होंने शिलापट्टिका एवं नए डाइट भवन के मॉडल का भी अनावरण किया।

कार्यक्रम में कोटा के पूर्व महापौर महेश विजय, जिला प्रमुख मुकेश मेघवाल, जन प्रतिनिधि राकेश जैन, शिक्षा मंत्री के विशेषाधिकारी सतीश गुप्ता, कई शिक्षविद, शिक्षक एवं अन्य उपस्थित थे। समारोह में कोटिल्य शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान की छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कोटा में डाईट भवन राजस्थान के सभी भवनों में से उत्कृष्ट और मॉडल भवन बनेगा। नया भवन 30000 वर्ग मीटर क्षेत्र में बनेगा। यह दो मंजिला होगा एवं प्रथम चरण में 6करोड 20 लाख रूपए की लागत से अकादमिक एवं प्रशासनिक भवन, ऑडिटोरियम, सेमिनार हॉल एवं दो होस्टल बनेंगे। पूरे भवन के निर्माण पर विभिन्न चरणों में 16 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

उपखंड स्तरीय जनसुनवाई हुई

कोटा, (निसं)। खैराबाद में गुरुवार को उपखंड स्तरीय जनसुनवाई जिला कलेक्टर डॉ.रविंद्र गोस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कलक्टर डॉ.गोस्वामी ने प्रत्येक परिवादी की समस्याओं को व्यक्तिगत रूप से सुना और संबंधित विभागों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।

बालिकाओं को पर्सनल हैल्थ व हाइजीन पर जागरुक किया

बूंदी (निसं)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना और महिला प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शहर के राजकीय बालिका महाविद्यालय में किशोरी बालिकाओं को व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक व मानसिक परिवर्तन व परियोजना के तहत किये जा रहे विकास कार्यो से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया।

किशोरी बालिकाओं को संबोधित करते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. चंद्रेश मीना ने पर्सनल हेल्थ व हाइजीन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि अच्छी सेहत का राज व्यक्तिगत स्वच्छता है यह कोई कोर्स नहीं बल्कि आदत है जिसे अपनी लाइफ में शामिल करना चाहिए साथ ही कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता रखने से कई प्रकार के खतरों से बचा जा सकता है। उन्होंने किशोरावस्था में होने वाले परिवर्तनों के बारे में विस्तार से चर्चा की व इस विषय पर महाविद्यालय की छात्राओं की शंकाओ का समाधान किया।

कैप-आरयूआईडीपी के सचिन मुदगल ने परियोजना के तहत बूँदी शहर में कराये जा रहे विकास कार्यो, इन सुविधाओं के बेतहर उपयोग एवं रख-रखाव के साथ ही जल सरंक्षण विषय पर बात करते हुए बताया कि जल हमें प्रकृति के द्वारा दिया गया है तो हमें इसका सम्मान करना चाहिए न कि इसका व्यर्थ में बर्बाद करना चाहिए। जल के बिना जीवन असंभव है। अगर आज हमने जल का संरक्षण नहीं किया तो आने वाली भावी पीढियां स्वच्छ पानी के लिए तरस जायेंगी। इसके साथ ही शहर में चल रहे ड्रेनेज कार्यों की जानकारी दी तथा इसके फायदे बताते हुए कहा कि गंदगी से फैलने वाली बीमारियों में कमी आयेगी और शहर साफ-सुथरा, सुन्दर व स्वच्छ बनेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संदीप यादव ने कहा कि जो आज आपको व्यक्तिगत स्वच्छता व स्वास्थ्य स्वच्छता के बारे में डॉ. चंद्रेश मीना जी द्वारा जो जानकारी प्राप्त हुई है उसको दैनिक जीवन में उपयोग में लायें।

'जोड़ प्रत्यारोपण करवाने वाले लोग वॉक करके जागरुकता संदेश देंगे'

- हाड़ौतीभर से जोड़ प्रत्यारोपण करवाने वाले लोग होंगे शामिल, चैक अप कैम्प भी लगेगा

कोटा में होने वाली सेकंड इनिंग रन के पोस्टर का विमोचन किया।

कोटा, (निसं)। कोचिंग सिटी कोटा चिकित्सा क्षेत्र में भी लगातार जागरूक आ रही है। बीमारियों से बचाव और रोकथाम के लिए शहरवासियों को प्रेरित किया जा रहा है।

सामाजिक सरोकारों के क्रम में वर्ल्ड अर्थराइटिस-डे के उपलक्ष्य में शहर में एक बार फिर से अनूठा आयोजन होने जा रहा है। यहां वो बुजुर्ग वॉक करेंगे जिन्होंने जोड़ प्रत्यारोपण करवाए हैं। इसे सेकंड इनिंग वॉक नाम दिया गया है। इसके पोस्टर एवं किट का विमोचन बुधवार को किया गया।

इस अवसर पर कोटा के वरिष्ठ शिशु रोग चिकित्सक व जोड़ प्रत्यारोपण करवा चुके डॉ दीपेंद्र शर्मा ने भी अनुभव साझा किऐं। पहलकर्ता डॉ. विश्वास शर्मा ने बताया कि महावीर चैरिटेबल ट्रस्ट और अविश हेल्थ केयर के संयुक्त तत्वावधान में 13 अक्टूबर को सेकंड इनिंग वॉक का आयोजन किया जा रहा है। इसमें श्री उम्मेद क्लब वैन्यू पार्टनर होगा। इस वॉक में घुटने जोड़ प्रत्यारोपण करवाने वाले लोग पूरे हाड़ौतीभर से शामिल होंगे। ये सभी 2 किलोमीटर चलेंगे। सेकंड इनिंग रन सुबह 6:00 बजे किशोर सागर तालाब की पाल से उम्मेद क्लब तक आयोजित की जाएगी। निःशुल्क रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं, इसके लिए 91 88290 76246 एवं 89558-51933 पर संपर्क किया जा सकता है।

ट्रस्ट के संरक्षक डॉ.विश्वास ने बताया कि शहरवासियों में आर्थराइटिस और इसके उपचार के बारे में जागरुकता लाने के उद्देश्य से यह वॉक आयोजित की जा रही है। जीवन की नई पारी शुरू करने वाले इन लोगों की इस दौड को सेकंड इनिंग रन का नाम दिया गया है। यह वॉक तालाब की पाल से शुरू हो कर उम्मेद क्लब तक पूरी होगी। यहां दौड में शामिल होने वाले मरीज जीवन में आये बदलाव और जीवन की नई पारी के बारे में अनुभव भी साझा करेंगे।

इस वॉक में करीब 500 से अधिक मरीज और बड़ी संख्या में शहरवासियों के शामिल होने की संभावना है जो कि सिर्फ कोटा से ही नहीं वरन पूरे हाड़ौती से होंगे। इससे पूर्व 2018 में भी रन आयोजित की गई थी। निःशुल्क मल्टीस्पेशलिटी चेक-अप कैम्प भी आयोजित किया जाएगा। इसमें अस्थि घनत्व, शुगर एवं ब्लड प्रेशर जांच का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर निखिल जैन, हर्षित गौतम, डॉ राहुल शर्मा, राहुल सेठी भी मौजूद रहे।

चमत्कारिक सिद्धपीठ श्री फलौदी माता मंदिर में हजारों श्रद्धालु उमड़े

कोटा, (निसं)। रामगंजमंडी के पास खैराबाद में अखिल भारतीय मेडतवाल (वैश्य) समाज की सिद्धपीठ मंदिर श्री फलौदी माताजी महाराज में नवरात्र महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। देश में यह इकलौता अष्टकोणीय देवी मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। मंदिर के गर्भगृह में सिंहासन पर श्रीफलौदी माताजी का अलौकिक स्वरूप विराजित है। इन दिनों मंदिर परिसर में रोजाना सभी वर्गो के 1200 से अधिक बच्चों के लिये कन्याभोज आयोजित हो रहा है। मंदिर श्रीफलौदी माताजी महाराज समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सेठ मोहनदास करोडिया एवं राष्ट्रीय महामंत्री विष्णुप्रसाद करोडिया मंडावर ने बताया कि भारत में समाज का यह इकलौता प्राचीन मंदिर है। इस पौराणिक सिद्धपीठ में सामाजिक एकता, धार्मिक सद्भाव एवं मेलजोल की अनूठी मिसाल देखने को मिलती है। यहां सभी समुदायों के भक्त चमत्कारिक श्री फलौदी माताजी के दर्शन कर दिव्य अनुभूति महसूस करते हैं। गुरूवार को अष्टमी पर माताजी के विशेष दर्शन के लिये 14 राज्यों से सैकडों श्रद्धालु सपरिवार यहां पहुंचे। उन्होंने परिक्रमा लगाकर अपने बच्चों, परिवार, समाज एवं देश में सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की मन्नतें मागी। मान्यता है कि नवरात्र के रात्रिकाल में माताजी यहां स्वयं विचरण करती हैं। नवरात्र आयोजन समिति के प्रभारी दिलीप गुप्ता जुल्मी वाले एवं पुरूषोत्तम चौधरी ने बताया कि नवरात्र स्थापना से रामनवमी तक यहां समाजबंधुओं के सहयोग से करीब 15 हजार बच्चों के लिये कन्या भोज होता है। मान्यता है कि फलदायिनी मां फलौदी के श्रीचरणों के दर्शन करने का जिन्हें अवसर मिलता है, उनकी मनोकामनायें अवश्य पूरी होती है। तीर्थस्थल पर दान प्रतिग्रहण करने वाले को मां फलौदी अनंत गुना लौटाती है। नवरात्र में चुनरी महोत्सव में हजारों

कोटा जिले के खैराबाद स्थित श्री फलोदी माता का नवरात्रि पर मोहक श्रृंगार किया गया।

महिलायें मिलकर माताजी को चुनरी चढ़ाती हैं। बुजुर्गों ने बताया कि श्री फलौदी माताजी ने विराजित होते समय भक्तिभाव से प्रसन्न होकर बोला था कि मुझे यहां फलौदी रूप में ही जानना और मानना। तब से ही सम्पूर्ण मेड़तवाल वैश्य समाज में श्री फलौदी माताजी अर्थात् फल देने वाली महादेवी के प्राकट्य दिवस के रूप में प्रतिवर्ष बसंत पंचमी महोत्सव मनाने की परम्परा जारी है। मंदिर पुजारी पं.अशोक द्विवेदी ने बताया कि महादेवी श्रीफलौदी माताजी महाराज 'अनेक रूप रूपाय महालक्ष्में नमोस्तुते' के रूप में यहां विराजित हैं। दुर्गा, सरस्वती और लक्ष्मी तीनों देवियों की शक्तियां मां फलौदी में अंतर्निहित हैं। मां फलौदी को दुर्गा की द्वितीय ब्रह्मचारिणी का रूप माना गया है। वे 6 ऐश्वर्य से सम्पन्न हैं, इसलिये उनके नाम के आगे 'श्री' लिखा जाता है। उनके एक ऊंचे हस्त में दुर्गा का वास है।

दूसरा हस्त नीचे वरद मुद्रा में हैं, जो लक्ष्मी स्वरूप है। गदा-पदम लक्ष्मी के पास होते हैं, इसलिये अनन्त फल देने वाली फलौदी माताजी को भी गदा पदम धारी माना गया है। श्रेष्ठ देवी स्वरूप होने से मां फलौदी को 'महाराज' कहकर पुकारा जाता है। दुर्गास्वरूप होने से प्रतिवर्ष नवरात्र पर्व में 9 दिन तक यहां विशेष अनुष्ठान एवं कन्याभोज होता हैं एवं अष्टमी पर महापूजा होती है। मां फलौदी मंदिर के गर्भगृह में सन 1960 से अखंड ज्योति प्रज्जवलित है। 'दीपो मृत्यु विनाशनः' अर्थात् यह अखंड ज्योति भक्तों के मृत्यु तुल्य कष्टों को नष्ट कर देती है। मंदिर संयोजक मोहनलाल चौधरी ने बताया कि इस ऐतिहासिक स्थल पर देश के सभी राज्यों से विभिन्न जाति-वर्ग के श्रद्धालु वर्षपर्यंत दर्शन करने आते हैं। रोज सुबह-शाम मंदिर में मंगलाभोग, राजभोग सामूहिक संगीतमय आरती होती है। मंदिर के गर्भगृह में सोने, चांदी व कांच की सुन्दर व दैदीप्यमान कारीगरी व चित्रांकन दर्शनीय है। गुम्बदों पर अनूठी वास्तुकला है। मंदिर प्रांगण में एक प्राचीन जलकुंड (बावड़ी) है, जिसके जल से पाचन संबंधी रोग के साथ-साथ त्वचा रोग भी मुक्त होते हैं। पूर्व महामंत्री गोपालचंद्र गुप्ता बारवां वाले ने बताया कि मंदिर में प्राचीन शिलालेख के अनुसार, संवत् 1848 (सन 1792) में गढ़ गागरोन सरकार सूबा उज्जैन अमकाल महाराज, महाराव उम्मेदसिंह सदमानस राजमान जालिम सिंह झाला के अमल में समाज के 52 गौत्रों की ओर से माताजी मंदिर का पहला डोरा फेरा गया। समाज के बुजुर्गों ने 1792 में माह सुदी पंचमी के दिन मंदिर में कलश स्थापित किया अर्थात सरा रोपकर शिलालेख लगाया। बसंत पंचमी से ही श्रीफलौदी माताजी के द्वादशवर्षीय मेले की शुरूआत हुई। प्रत्येक 12 वर्ष में खैराबादधाम में पांचवे कुम्भ की तरह श्री फलौदी द्वादशवर्षीय मेला आयोजित होता है। इस विराट सामाजिक मेले में देश-विदेश से 1 लाख से अधिक श्रद्धालु 7 दिन अस्थायी टेंटों में संयुक्त परिवार के साथ रहते हैं।

स्वैच्छिक रक्तदान पखवाड़े के तहत कई कार्यक्रम आयोजित

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता, मां भारतीय चैरिटेबल ट्रस्ट, लायंस क्लब कोटा टेक्नो सहित विभिन्न संगठनों द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान पखवाड़े के तहत कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, इसी के तहत सबसे युवाओं को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है जिसके तहत कोटा शहर के कॉलेजों में विभिन्न तरह की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। इसी श्रृंखला में मां भारती पीजी कॉलेज महावीर नगर में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 100 से अधिक युवाओं ने भाग लिया और अपने विचार मंच पर प्रस्तुत किए। माँ भारती पीजी कॉलेज की प्राचार्य और प्रतियोगिता संयोजक डॉ श्वेता सक्सेना के अनुसार प्रतियोगिता का विषय रक्तदान- स्वास्थ्य व मानवीय दृष्टिकोण रखा गया था।

युवाओं ने पूरी तैयारी के साथ रक्तदान की भ्रांतियां को दूर करने की बात कही वहीं रक्तदान करने के फायदे के बारे में भी बताया। छात्रों ने बताया कि रक्तदान करने से मोटापा कम होता है, रक्तदान करने से ब्लड सकुर्लेशन सही रहता है, बीपी नॉरमल रहता है, हार्ट अटैक की संभावनाएं कम हो जाती हैं साथ ही त्वचा संबंधी रोग भी न्यूनतम होते हैं, ऐसी कई जानकारियां भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चों ने दी।

खोया-पाया

मैं जिया जैन पुत्री श्री अविनाश कुमार जैन मेरी केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा की अंकतालिका जिसका रोल नं. 11213278 सत्र-2021 बस मे कहीं खो गयी है। जिसे भी मिले सम्पर्क करें मो. 9680469262

न्यायालय जिला न्यायाधीश, कोटा

D.No. 1101 01.10.24 CM 121/2024

दीपशिखा पत्नि सुमित सिंह चौहान पुत्री महावीर सिंह, जाति राजपूत, निवासी अजनावर, तहसील छीपाबडौद, जिला बारां ...... प्रार्थिया

– बनाम –

(1) श्रीमति प्रेमलता पत्नि बलवीर सिंह, जाति राजपूत (2) बलवीर सिंह पुत्र मोहन सिंह, जाति राजपूत निवासीगण- रतनपुरा हाल मुकाम 75 ए श्री गोपाल विहार थेगडा रोड, कोटा (3) शाखा प्रबन्धक युनाईटेड इंश्योरेन्स कम्पन्न लि. मण्डल कार्यालय प्रथम 27 झालावाड़ रोड, कोटा (4) सर्व साधारण ...... अप्रार्थीगण

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

–: आम सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थिया दीपशिखा ने जिला एवं सत्र न्यायाधीश कोटा की न्यायालय में अपने पति सुमित सिंह चौहान की मृत्यु दिनांक 14.07.2023 को दुर्घटना में होने तथा वह उसके पति की एक मात्र उत्तराधिकारी होने से उसने अपने पति का उत्तराधिकारी घोषित करवाने हेतु आवेदन पेश किया है। इस सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को प्रार्थिया दीपशिखा को मृतक सुमित सिंह चौहान का उत्तराधिकारी घोषित किया जाने किसी प्रकार की कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन दिनांक 27.11.2024 को समय 10:30 बजे न्यायालय में उपस्थित होकर अपने उज्रात पेश करे। अन्यथा प्रार्थिया के पक्ष में उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा तथा बाद में किसी प्रकार की आपत्तियां मान्य नहीं होगी। अतः यह आम सूचना आज दिनांक 30.09.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर से जारी की गई।

मोहर

न्यायालय के आदेश से
वरिष्ठ मुंसरिम
जिला एवं सेशन न्यायालय
कोटा (राज.)

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-1305 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांक:-10.10.24

नगर विकास न्यास कोटा की विश्वकर्मा नगर ऑटोमोबाइल विस्तार योजना के भूखंड/आवास संख्या 101 का आवंटन न्यास के पत्र दिनांक 13.12.2000 को मै. राष्ट्रीय बेट्री सर्विस प्रो. श्री खलील अहमद पुत्र श्री रमजानी खॉ को किया गया था। मै. राष्ट्रीय बेट्री सर्विस प्रो. श्री खलील अहमद पुत्र श्री रमजानी खॉ द्वारा उक्त भूखंड का जर्ये मुख्तारआम श्री राजेन्द्र कुमार गौतम पुत्र श्री राधेश्याम गौतम द्वारा जर्ये रजि. विक्रय पत्र दिनांक 10.07.23 को श्री गोपाल पुत्र श्री जीवनलाल गुर्जर को विक्रय कर दिया गया है। क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 101 योजना विश्वकर्मा नगर ऑटोमोबाइल विस्तार का नाम हस्तान्तरण श्री गोपाल पुत्र श्री जीवनलाल गुर्जर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ-15/कृ.भू.रू./2024/2552 विज्ञप्ति दिनांक:-10.10.2024

सर्व साधारण को जर्ये विज्ञप्ति सूचित किया जाता है कि ग्राम कोटडी योजना "भारत विहार" खसरा नं. 31, 32, 33 में स्थित भूखंड संख्या 2 का पश्चिमी भाग के नाम हस्तान्तरण करने हेतु न्यास कार्यालय में श्री राजकुमार भारद्वाज पुत्र स्व. श्री दीनदयाल भारद्वाज निवासी-ए-42 गायत्री विहार बजरंग नगर कोटा राज. द्वारा ऑनलाईन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। उक्त भूखंड का पट्टा क्रमांक 12537 दिनांक 29.08.2012 को श्री दीनदयाल भारद्वाज पुत्र स्व. श्री गंगा प्रसाद भारद्वाज के पक्ष में जारी किया गया था। पट्टेधारी आवेदक द्वारा संलग्न मृत्यु प्रमाण पत्र के अनुसार पट्टाधारी की मृत्यु दिनांक 20.03.2023 को हो चुकी है। पट्टाधारी द्वारा अपने जीवनकाल में आलेखित वसीयत तथा अन्य वसीयत प्राप्तकर्ताओं की सहमति, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर आवेदक द्वारा अपने पक्ष में नाम हस्तांतरण चाहा गया है।

अतः श्री राजकुमार भारद्वाज पुत्र स्व. श्री दीनदयाल भारद्वाज के नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर 7 योम कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करें। मियाद गुजर जाने के बाद आपत्ति मान्य नही होगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-1395 नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना दिनांक:-10.10.24

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा की केशवपुरा-7 योजना के भूखंड/आवास संख्या 820 का आवंटन/रजि./हस्तान्तरण न्यास के पत्र दिनांक 06.12.1980 को श्री मदनलाल पुत्र श्री नाथूलाल को किया गया था। आवंटी श्री मदनलाल पुत्र श्री नाथूलाल की मृत्यु दिनांक 11.05.2002 को हो चुकी है। आवंटी द्वारा अपने जीवनकाल में उक्त भूखंड/आवास की वसीयत श्री बद्रीलाल पुत्र श्री रामनारायण नागर के नाम निष्पादित कर रखी थी। वसीयत ग्रहिता श्री बद्रीलाल की भी मृत्यु दिनांक 26.05.2021 को हो चुकी है। वसीयत ग्रहिता के विधिक वारिसान श्रीमती सुशीला नागर पत्नी स्व. श्री बद्रीलाल नागर द्वारा प्रस्तुत मृत्यु प्रमाण पत्र, रिलीज डीड हक त्याग पत्र, शपथ पत्र, वारिसान शपथ पत्र, आई.डी. इत्यादि प्रस्तुत कर उक्त भूखंड/आवास का अपने नाम से नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 820 योजना केशवपुरा-7 का नाम हस्तान्तरण श्रीमती सुशीला नागर पत्नी स्व. श्री बद्रीलाल नागर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक:-एफ11/विक्रय/2024/1310 दिनांक:-10.10.24

नाम हस्तान्तरण हेतु विज्ञप्ति आम सूचना

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा भूखंड/आवास संख्या 2 द्वारा वीर सावरकर नगर आवासीय कम व्यावसायिक में श्री रामगोपाल पुत्र श्री लल्लूराम एवं श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री हरिशंकर को आवंटन न्यास के पत्र क्रमांक/92/295 दिनांक 29.03.1992 को किया गया था। श्री रामगोपाल पुत्र श्री लल्लूराम एवं श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री हरिशंकर द्वारा उक्त भूखंड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री कपिल राठौर पुत्र श्री श्रीनाथ राठौर द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 19.06.2014 को श्रीमती उषा वतवानी पत्नी श्री राकेश वतवानी को विक्रय कर दिया गया है। अतः क्रेता द्वारा उक्त भूखंड/आवास को अपने नामहस्तांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त भूखंड/आवास संख्या 2 योजना वीर सावरकर नगर आवासीय कम व्यावसायिक का नाम हस्तांतरण श्रीमती उषा वतवानी पत्नी श्री राकेश वतवानी के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपसचिव कोटा विकास प्राधिकरण कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3808 जाहिर आम सूचना दिनांक - 10.10.24

आवास संख्या 11/205 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री वी.पी. रमणन पुत्र स्व. श्री ए.जी.वी. सुब्रमण्यस को किया गया। श्री वी.पी. रमणन पुत्र स्व. श्री ए.जी.वी. सुब्रमण्यस के निवेदन पर उक्त आवास का हस्तांतरण दिनांक 21.12.2001 को इनकी बहिन श्रीमती वी. राजेश्वरी पत्नी श्री वी. पद्मनामन के नाम किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती वी. राजेश्वरी पत्नी श्री वी. पद्मनामन द्वारा दिनांक 28.09.2007 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती राजेश्वरी पत्नी श्री वी. पद्मनामन द्वारा उक्त आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 13.11.2007 को मुख्तारनामा आम आलेखित कर श्री राम प्रकाश पंचोली पुत्र श्री महावीर प्रसाद पंचोली को अपना मुख्तार आम नियुक्त किया गया। श्री राम प्रकाश पंचोली पुत्र श्री महावीर प्रसाद पंचोली मुख्तार आम श्रीमती राजेश्वरी पत्नी श्री वी. पद्मनामन द्वारा मुख्तारआम की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 09.07.2024 को श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी को किया गया। श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 11/205 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी का नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3778 जाहिर आम सूचना दिनांक - 09.10.24

आवास संख्या 11/206 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री चन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री आनन्दी लाल जैन को किया गया। श्री चन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री आनन्दी लाल जैन की मृत्यु उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण दिनांक 31.08.2007 को इनकी पत्नी श्रीमती कुसुम जैन के नाम किया गया। इस आवास का का पंजीयन श्रीमती कुसुम जैन पत्नी स्व. श्री चन्द्र कुमार जैन द्वारा दिनांक 20.10.2007 को अपने पक्ष में करवाया गया। पंजीयन उपरांत श्रीमती कुसुम जैन पत्नी स्व. श्री चन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त आवास से संबंधित समस्त कार्य करने हेतु अपनी ओर से दिनांक 27.10.2007 को मुख्तारनामा आम आलेखित कर श्री राम प्रकाश पंचोली पुत्र श्री महावीर प्रसाद पंचोली को अपना मुख्तार आम नियुक्त किया गया। श्री राम प्रकाश पंचोली पुत्र श्री महावीर प्रसाद पंचोली मुख्तार आम श्रीमती कुसुम जैन पत्नी स्व. श्री चन्द्र कुमार जैन द्वारा मुख्तारआम की हैसियत से उक्त आवास का बैचान जरिये विक्रय पत्र आलेखित कर दिनांक 09.07.2024 को श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी को किया गया। श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 11/206 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा को विक्रय पत्र के आधार पर अपना नाम आवास के मंडल अभिलेख में दर्ज करने हेतु आवेदन किया गया है।

अतः उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी का नाम दर्ज करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी का नाम दर्ज किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास के मंडल अभिलेख में विक्रय पत्र के आधार पर श्री धर्मेन्द्र सोनी पुत्र श्री पुरन चंद सोनी के नाम दर्ज कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3815 जाहिर आम सूचना दिनांक - 10.10.24

आवास संख्या 4-डी-25 महावीर नगर तृतीय कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी श्री नन्द सिंह को किया गया था। इस आवास का नियमितिकरण श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन के नाम दिनांक 26.03.1997 को किया गया। इस आवास का पंजीयन श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन द्वारा दिनांक 30.03.1997 को अपने पक्ष में करवाया गया। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन की मृत्यु दिनांक 16.08.2024 को हो चुकी है। श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन द्वारा इस आवास की वसीयत अपने जीवनकाल में जरिये वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 16.08.2024 को इनके पुत्र श्री राज कमल ऐरन पुत्र श्री बृज मोहन ऐरन के पक्ष में आलेखित की गई। श्री राज कमल ऐरन पुत्र श्री बृज मोहन ऐरन द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 4-डी-25 महावीर नगर तृतीय कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर श्री राज कमल ऐरन पुत्र श्री बृज मोहन ऐरन के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री राज कमल ऐरन पुत्र श्री बृज मोहन ऐरन के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्री राज कमल ऐरन पुत्र श्री बृज मोहन ऐरन के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3813 जाहिर आम सूचना दिनांक - 10.10.24

आवास संख्या 10/143 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन को किया गया था। इस आवास का पंजीयन श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन द्वारा दिनांक 16.07.2012 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन की मृत्यु दिनांक 16.08.2024 को हो चुकी है। श्री बृज मोहन ऐरन पुत्र श्री किशन लाल ऐरन द्वारा इस आवास की वसीयत अपने जीवनकाल में जरिये वसीयत नामा आलेखित कर दिनांक 16.08.2024 को इनकी पत्नी श्रीमती रुकमणी देवी के पक्ष में आलेखित की गई। श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी स्व. श्री बृज मोहन ऐरन द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 10/143 स्वामी विवेकानन्द नगर कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं वसीयत नामा के आधार पर श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी स्व. श्री बृज मोहन ऐरन के नाम करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी स्व. श्री बृज मोहन ऐरन के नाम किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी स्व. श्री बृज मोहन ऐरन के नाम कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

राजस्थान आवासन मण्डल कोटा वृत्त कोटा

क्रमांक 3733 जाहिर आम सूचना दिनांक - 4.10.24

आवास संख्या 3-च-20 विज्ञान नगर कोटा का आवंटन मंडल द्वारा श्री नन्द किशोर पुत्र श्री रामपाल को किया गया। श्री नन्द किशोर पुत्र श्री रामपाल की मृत्यु उपरांत उक्त आवास का हस्तांतरण दिनांक 14.09.2000 को श्रीमती पुष्पा बाई के नाम किया गया। इस आवास का पंजीयन श्रीमती पुष्पा बाई पत्नी स्व. श्री नन्द किशोर द्वारा दिनांक 08.10.2003 को अपने पक्ष में करवाया जा चुका है। मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती पुष्पा बाई पत्नी स्व. श्री नन्द किशोर की मृत्यु दिनांक 17.08.2022 को हो चुकी है। इनकी मृत्यु उपरांत इनके वारिसानों में श्रीमती शिमला सुमन पत्नी श्री जगदीश प्रसाद पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती विमला सुमन पत्नी श्री केसरी लाल स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती मन्जू सैनी पत्नी श्री प्रेम कुमार सैनी पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती कान्ति बाई पत्नी श्री चौथमल पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर एवं श्रीमती अंजू कुमारी सुमन पत्नी श्री छोटू लाल सुमन स्व. श्री नन्द किशोर द्वारा इस कार्यालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवास संख्या 3-च-20 विज्ञान नगर कोटा को उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन अपने नाम आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर संयुक्त रुप से करने हेतु आवेदन किया गया।

अतः उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन आवेदन पत्र, क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर श्रीमती शिमला सुमन पत्नी श्री जगदीश प्रसाद पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती विमला सुमन पत्नी श्री केसरी लाल स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती मन्जू सैनी पत्नी श्री प्रेम कुमार सैनी पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती कान्ति बाई पत्नी श्री चौथमल पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर एवं श्रीमती अंजू कुमारी सुमन पत्नी श्री छोटू लाल सुमन स्व. श्री नन्द किशोर के नाम संयुक्त रुप से करने में किसी भी पक्षकार/व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें। अन्यथा यह मानते हुये कि उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती शिमला सुमन पत्नी श्री जगदीश प्रसाद पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती विमला सुमन पत्नी श्री केसरी लाल स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती मन्जू सैनी पत्नी श्री प्रेम कुमार सैनी पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती कान्ति बाई पत्नी श्री चौथमल पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर एवं श्रीमती अंजू कुमारी सुमन पत्नी श्री छोटू लाल सुमन स्व. श्री नन्द किशोर के नाम संयुक्त रुप से किये जाने में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति नहीं है। उक्त आवास का हस्तांतरण/प्रतिस्थापन श्रीमती शिमला सुमन पत्नी श्री जगदीश प्रसाद पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती विमला सुमन पत्नी श्री केसरी लाल स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती मन्जू सैनी पत्नी श्री प्रेम कुमार सैनी पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर, श्रीमती कान्ति बाई पत्नी श्री चौथमल पुत्री स्व. श्री नन्द किशोर एवं श्रीमती अंजू कुमारी सुमन पत्नी श्री छोटू लाल सुमन स्व. श्री नन्द किशोर के नाम संयुक्त रुप से कर दिया जावेगा।

उप आवासन आयुक्त राजस्थान आवासन मण्डल, कोटा वृत्त कोटा

पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना अपने पिता का निधन हो जाने के कारण गुरुवार को दुबई से स्वदेश लौटी।
- फातिमा सना

पाक महिला क्रिकेट टीम की कप्तान, अपने पिता के निधन के बाद स्वदेश लौटती हुई।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

रोहित शर्मा

टाटा संस के पूर्व चेयरमैन और भारत के सबसे मशहूर कारोबारी नेताओं में से एक रतन टाटा का बुधवार रात 86 साल की उम्र में मुंबई के एक अस्पताल में निधन हो गया। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने उनके निधन की पुष्टि करते हुए टाटा को दोस्त, गुरु और मार्गदर्शक बताते हुए श्रद्धांजलि दी। हालांकि मृत्यु का वास्तविक कारण उजागर नहीं किया गया है, लेकिन टाटा को आयु संबंधी समस्याओं के कारण इस सप्ताह के शुरू में दक्षिण मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

क्या आप जानते हैं ?... 1958 में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में मिल्खा सिंह ने 400 मीटर की दौड़ में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया। इस रिकॉर्ड को आज तक कोई भी भारतीय नहीं तोड़ पाया।

पाकिस्तान में इंग्लैंड ने मचाई तबाही

भारत का 20 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मुल्तान, 10 अक्टूबर। इस मैच के दौरान इंग्लैंड ने भारत का 20 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाला है। पाकिस्तान में किसी विजिटिंग टीम द्वारा सबसे बड़ा स्कोर खड़ा करने का रिकॉर्ड इस टेस्ट मैच से पहले भारत के नाम दर्ज था। भारत ने इसी मैदान पर 2004 में पांच विकेट पर 675 रनों पर पारी घोषित की थी। ये वही टेस्ट मैच था, जिसमें वीरेंद्र सहवाग ने ट्रिपल सेंचुरी लगाई थी और सचिन तेंदुलकर 194 रनों पर नॉटआउट लौटे थे। इंग्लैंड ने मुल्तान टेस्ट में पहली पारी सात विकेट पर 823 रनों पर घोषित की।

टेस्ट क्रिकेट का 2553वां मैच रिकॉर्ड बुक में हमेशा अपना विशेष स्थान बनाए रखेगा क्योंकि इंग्लैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां खेले जा रहे मैच में अपनी पहली पारी सात विकेट पर 823 रन बनाकर समाप्त घोषित करके कुछ नए रिकॉर्ड बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल चौथा अवसर है जबकि किसी टीम में 800 से अधिक रन बनाए। यह टेस्ट क्रिकेट में चौथा बड़ा स्कोर भी है। रिकार्ड श्रीलंका के नाम पर है जिसने 1997 में भारत के खिलाफ छह विकेट पर 952 रन बना कर अपनी पारी समाप्त घोषित की थी। श्रीलंका ने तब टेस्ट क्रिकेट में सर्वोच्च स्कोर के इंग्लैंड के रिकॉर्ड को तोड़ा था जिसने 1938 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पारी सात विकेट पर 903 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

इंग्लैंड ने इससे पहले 1930 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 849 रन बनाए थे। जो रूट ने 262 रन बनाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेली। इस दौरान वह इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ा। वह टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, जाक कैलिस और राहुल द्रविड़ के बाद पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

हैरी ब्रूक ने 317 रन की बड़ी पारी खेली जो टेस्ट क्रिकेट में किसी एक पारी में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर की सूची में संयुक्त रूप से 20वें नंबर पर है। वह टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक बनाने वाले इंग्लैंड के छठे बल्लेबाज बन गए हैं। यह 1990 में ग्राहम गूच के भारत के खिलाफ लगाए गए तिहरे शतक के बाद पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज ने यह उपलब्धि हासिल की।

रूट और ब्रूक ने 454 रन जोड़े जो इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में चौथे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है। सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम पर है जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2006 में 624 रन की साझेदारी की थी। पाकिस्तान के छह गेंदबाजों ने 100 से अधिक रन लुटाए। यह टेस्ट क्रिकेट में केवल दूसरा अवसर है जबकि छह गेंदबाजों ने एक पारी में 100 से अधिक रन दिए। इससे पहले 2004 में जिंबॉब्वे के गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाया था।

भारतीय खेल जगत ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी

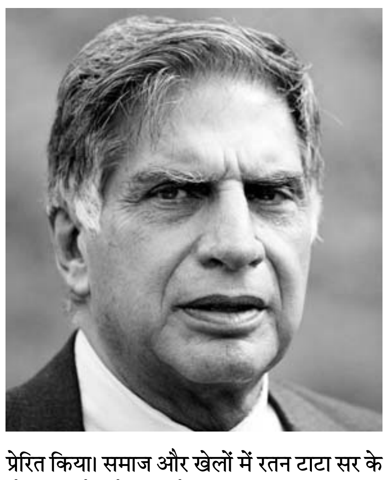

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारतीय खेल जगत ने देश के सबसे सम्मानित उद्योगपतियों में से एक रतन टाटा के निधन पर दुख व्यक्त किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। ओलंपिक पदक विजेता गगन नारंग ने अपनी श्रद्धांजलि में रतन टाटा के प्रति गहरा सम्मान और आदर व्यक्त किया। उन्होंने टाटा की दयालुता, बुद्धिमत्ता और ईमानदारी पर प्रकाश डाला।

नारंग ने केवल वित्तीय सफलता से परे देखने के लिए रतन टाटा की प्रशंसा की। उन्होंने परोपकार, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और विभिन्न क्षेत्रों के लिए समर्थन के माध्यम से सामाजिक बेहतरी के लिए उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का जिक्र करते हुए कहा, रतन टाटा जी ने मुनाफे से परे, लोगों और भारत के भविष्य में निवेश किया। रतन टाटा 1991 से 2012 तक टाटा संस और टाटा समूह के अध्यक्ष रहे एवं टेटली, जगुआर लैंड रोवर और कोरस जैसे महत्वपूर्ण अधिग्रहणों के माध्यम से भारतीय समूह को वैश्विक मंच पर विस्तारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान के साथ उन्हें उनके परोपकार के लिए भी जाना जाता था।

भारत के एथलेटिक्स में पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने रतन टाटा के गहन प्रभाव को स्वीकार करते हुए कहा, उनकी दयालुता और उदारता ने मुझे न केवल एक एथलीट के रूप में बल्कि एक इंसान के रूप में भी प्रेरित किया। समाज और खेलों में रतन टाटा सर के योगदान को हमेशा संजोया जाएगा।

क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर ने रतन टाटा की स्थायी विरासत पर विचार करते हुए कहा, जानवरों के प्रति उनके प्यार से लेकर परोपकार तक, उन्होंने दिखाया कि सच्ची प्रगति तभी हासिल की जा सकती है जब हम उन लोगों की देखभाल करें जिनके पास खुद की देखभाल करने के साधन नहीं हैं। उनके नेतृत्व ने हम सभी पर एक अमिट छाप छोड़ी है। तेंदुलकर ने टाटा के साथ अपनी एक निजी तस्वीर भी साझा की। भारतीय टी-20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव एवं रोहित शर्मा ने भी रतन टाटा को श्रद्धांजलि दी। रोहित शर्मा ने कहा, वे भारतीय उद्योग जगत के दिग्गज और उससे भी बड़े इंसान थे। उनका योगदान व्यापार से कहीं आगे तक फैला हुआ था , उन्होंने लोगों के जीवन में बदलाव लाया और यही बात मुझे उनकी सबसे ज्यादा पसंद आई।

भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष और सबसे सफल ट्रैक और फील्ड एथलीटों में से एक पीटी उषा ने भी रतन टाटा के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा, एक अग्रणी, एक परोपकारी और समाज के लिए एक उदार परोपकारी, उन्होंने बाधाओं को तोड़ा और अपने नेतृत्व के साथ नए मानक स्थापित किए। उनकी आत्मा को शांति मिले।

शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद ने शतरंज को बढ़ावा देने में रतन टाटा की गहरी भागीदारी पर विचार करते हुए कहा, टाटा समूह भारत में शतरंज का एक प्रमुख प्रवर्तक रहा है और मैं व्यक्तिगत रूप से उनकी दृष्टि का बहुत आभारी हूं। वे खेल और भारतीय एथलीटों के सच्चे समर्थक थे।

उल्लेखनीय है कि रतन टाटा का बुधवार देर रात मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। भारतीय उद्योग, खेल और समाज में रतन टाटा के योगदान को याद करते हुए गुरुवार को उनका राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। महाराष्ट्र सरकार ने रतन टाटा के सम्मान में एक दिन का शोक घोषित किया है।

आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा को करना पड़ सकता है अविश्वास प्रस्तव का सामना

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनने के दो साल से भी कम समय के बाद, प्रसिद्ध एथलीट पीटी उषा को 25 अक्टूबर को इसकी विशेष आम बैठक के दौरान अविश्वास मत का सामना करना पड़ सकता है।डियन एक्स्प्रेस के मुताबिक, कार्यकारी परिषद द्वारा बैठक के एजेंडा मुद्दों के बिंदु संख्या 26 के अनुसार, आईओए, कथित संवैधानिक उल्लंघनों और भारतीय खेलों के लिए संभावित रूप से हानिकारक कार्यों के मद्देनजर प्रेसिडेंट के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और विचार करेगा। पीटी उषा का आईओए के कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ लंबे समय से विवाद चल रहा है और दोनों तरफ से आरोप लग रहे हैं। की प्रमुख बनने वाली पहली महिला पीटी उषा ने कथित तौर पर पात्रता मानदंडों का उल्लंठन करने के लिए कई कार्यकारी परिषद सदस्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। दूसरी ओर, उनके विरोधियों ने पीटी उषा पर ज्यादती का आरोप लगाया है।

बॉर्डर-गावस्कर : ऑस्ट्रेलिया को लग सकता है तगड़ा झटका

कैमरन ग्रीन नहीं कर पाएंगे गेंदबाजी

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को इस साल के अंत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की मेजबानी करनी है, जहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुल पांच टेस्ट मैच खेले जाने हैं। इस टेस्ट सीरीज से पहले टीम सिलेक्शन को लेकर ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लग सकता है। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी मिस कर सकते हैं। इतना ही नहीं वह ऑस्ट्रेलिया की ओर से पूरा समर सीजन मिस कर सकते हैं।

नाइन पेपर्स ने मंगलवार को अपनी एक रिपोर्ट में कहा था कि ग्रीन प्योर बैटर के तौर पर खेल पाएंगे। लेकिन बैक इंजरी के चलते गेंदबाजी नहीं कर पाएंगे। ग्रीन को न्यूजीलैंड जाना होगा, जहां वहां स्ट्रेस फ्रैक्चर की रैडिकल सर्जरी कराएंगे। जिसके चलते वह पूरा समर सीजन क्रिकेट मैदान से दूर रह सकते हैं। 25 वर्षीय ग्रीन मेलबर्न और सिडनी टेस्ट तक शायद टीम में वापसी करें, लेकिन फिलहाल इसकी उम्मीद भी कम ही नजर आ रही है। स्कॉट बोलैंड या फिर माइकल नेसेर ऐसे में ग्रीन को रिप्लेस कर सकते हैं। अगर ग्रीन सिर्फ बैटर के तौर पर खेलते तो उस्मान ख्वाजा के साथ उनसे पारी का आगाज करवाया जा सकता है। क्योंकि डेविड वॉर्डर के बाद से स्टीव स्मिथ ने पारी का आगाज किया है और उनका प्रदर्शन ओपन करते हुए कुच खास नहीं रहा है।

नडाल ने टेनिस को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल ने आखिरकार अपने करियर को अलविदा कह दिया है। इस दिग्गज खिलाड़ी ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करके फैंस से ये जानकारी शेयर की है।राफेल नडाल ने वीडियो में बताया कि उन्होंने बहुत सोचकर ये फैसला किया है। उनके करियर का आखिरी मैच डेविस कप का फाइनल होगा। ये वही टूर्नामेंट है जहां से उन्होंने अपने करियर की 2004 में शुरुआत की थी।

उन्होंने करियर में साथ देने वाले सभी लोगों को धन्यवाद दिया। उन्होंने विरोधियों को भी धन्यवाद दिया जिनके साथ उन्होंने करियर का लंबा समय बिताया। नडाल ने रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के साथ बिताए पलों का वीडियो शेयर किया। उन्होंने अपनी मां को धन्यवाद कह, नडाल ने कहा कि मां के त्याग के कारण वह यहां तक पहुंच पाए हैं। साथ ही उन्होंने अपनी पत्नी मैरी को भी शुक्रिया कहा जो कि 19 साल से उनके साथ है। नडाल के मुताबिक उनके अंकल ने करियर में अहम भूमिका निभाई जिनके कारण उन्होंने टेनिस खेलना शुरू किया था।

ग्रीस फुटबॉलर बाल्डॉक स्विमिंग पूल में मृत पाए गए

ग्लाइफाडा (ग्रीस), 10 अक्टूबर। इंग्लैंड में जन्मे ग्रीस के अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी जॉर्ज बाल्डॉक दक्षिणी एथेंस के ग्लिफ़ाडा में अपने घर के स्विमिंग पूल में मृत पाए गए है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पुलिस ने बुधवार को घटनास्थल पर 31 वर्षीय बाल्डॉक को होश में लाने का प्रयास किया लेकिन उसे होश में नहीं लाया जा सका और चिकित्सा आपातकालीन इकाइयों ने खिलाड़ी की मौत की पुष्टि की। पुलिस ने कहा कि मौत का कारण अज्ञात है। बाल्डॉक सात साल तक ब्लेड्स में रहने के बाद गर्मियों में ठीस के पैनाथिनाइकोस क्लब में शामिल हुए थे।

देशवाल पीकेएल सीजन के लिए जयपुर पिंक पैंथर के कप्तान नियुक्त

जयपुर, 10 अक्टूबर। जयपुर पिंक पैंथर ने स्टार रैडर अर्जुन देशवाल को प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन के लिए कप्तान बनाने की घोषणा की है। देशवाल ने आठवें सीजन में पिंक पैंथर में शामिल हुए थे। अर्जुन जल्द ही प्रशंसकों के बीच लोकप्रिय हो गए। उन्होंने अपने प्रदर्शन ने टीम को सीजन नौ में ट्रॉफी जीतने और सीजन दस में सेमीफाइनलिस्ट बनने में मदद की। अर्जुन ने कप्तान ने टीम का कप्तान बनाये जाने पर कहा, मैं पीकेएल में एक और सीज़न का इंतजार कर रहा हूं, टीम कड़ी मेहनत कर रही है और मैं इस टीम को आगे ले जाने के लिए उत्सुक हूं और उम्मीद है कि इस बार मैं जयपुर पिंक पैंथर्स को उनके तीसरे सिल्वरवेयर तक ले जाने में मदद कर सकूंगा। पिंक पैंथर का इस सीजन में पहला मुकाबला 20 अक्टूबर को गाचीबोवली इंडोर स्टेडियम में बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ होगा।

गढ़वाल की चौथी जीत, तरुण सांधा का धमाल

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर। डीएसए प्रीमियर लीग में गुरुवार को खेले गए उठा पटक वाले मुकाबले में तरुण सांघा ने भारतीय वायुसेना को 3-0 से हरा कर शानदार जीत दर्ज की। वहीं दिन के दूसरे मैच में गत विजेता गढ़वाल हीरोज ने हिंदुस्तान एफसी को कड़े संघर्ष में 2-1 से हरा कर लगातार चौथी जीत पाई। आज यहां अंबेडकर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में हिंदुस्तान एफसी को हराकर विजेता गढ़वाल 12 अंकों के साथ अंक तालिका में पहले स्थान पर बनी हुई है। गढ़वाल के लिए रोहन मनार और मिलिंद नेगी ने गोल किए। पराजित हिंदुस्तान का गोल थांगमीलेन मिसाओ ने किया।पहले विजेता तरुण सांघा के गोल शीतल, साकिर अली और होकिप के नाम रहे।

विंडीज ने बांग्लादेश को 8 विकेट से हराया

महिला विश्वकप

शारजाह, 10 अक्टूबर। आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप का मुकाबला बांग्लादेश महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम बनाम वेस्टइंडीज महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बीच आज खेला गया। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शारजाह के शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में वेस्टइंडीज की टीम ने बांग्लादेश को आठ विकेट से हरा दिया हैं। इसके साथ ही वेस्टइंडीज अभी भी सेमीफाइनल की रेस में बनी हुई हैं। जबकि, बांग्लादेश का सफर लगभग खत्म हो गया हैं।

इस बीच टूर्नामेंट के 13वें मुकाबले में वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। टॉस गवांने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश के टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रहीं और महज 33 रन के स्कोर पर टीम की दो बल्लेबाज पवेलियन लौट गई।

करिश्मा रामहैरक की करिश्माई गेंदबाजी (17 रन पर चार विकेट) की बदौलत वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां खेले जा रहे महिला टी-20 विश्वकप के 13वें मुकाबले में बंगलादेश को 103 रन पर रोक दिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने आज यहां टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। अपने कप्तान के निर्णय को सही ठहराते हुए करिश्मा रामहैरक ने चार ओवर में 17 रन देकर बंगलादेश के चार विकेट झटक लिये।

अंडर-19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान के कार्तिक शर्मा व मोहम्मद अनस के शानदार दोहरे शतक, राजस्थान-पॉडिचेरी रणजी मैच कल से

जयपुर, 10 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार नई दिल्ली में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रियअंडर 19 एक दिवसीय वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने अरुणाचल के विरुद कप्तान कार्तिक शर्मा व मो अनस की दोहरे शतकों की सहायता से मैच में विशाल 499 रनो का रिकार्ड स्कोर बनाया व मैच में 338 रनो से रिकार्ड शानदार जीत दर्ज की। वीनू मांकड़ ट्रॉफी में अब तक कुल 6 दोहरे शतक लगे हैं जिसमे से राजस्थान के खिलाडियों द्वारा रिकार्ड 4 दोहरे शतक लगाए गए हैं।

राजस्थान पारी 499 /3 (50 **ओवर) :** टीम के लिए कप्तान कार्तिक शर्मा व मो अनस ने तीसरे विकेट के लिए 484 रनो की रिकार्ड साझेदारी की। कार्तिक शर्मा नाबाद 225 रन 131 गेंद, 22 चोक्केव 12 छक्के, मो अनस 247 रन 161 गेंद 25 चोक्केव 12 छक्के।

अरुणाचल पारी 161 आल आउट : राजस्थान के गेंदबाज तोषितभाटिया 13 /5 , नावेद 38 / 2 व हनी प्रताप सिंह, आभास श्रीमाली व पर्व झालानी प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

राजस्थान - पॉन्डेचेरी का रणजी मैच : कल से जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर राजस्थान-पॉन्डिचेरी के मध्य रणजी मैच खेला जायेगा। मैच से पूर्व आज आरसीए अकादमी पर दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया।

अंडर 19 वीनू मांकड़ ट्रॉफी (आज जयपुर में खेले गए मैच)

सोनी मैदान मजोरम - पंजाब (पंजाब जीती)

मिजोरम पारी 68 आल आउट

पंजाब पारी 72 बिना किसी नुकसान

जैपुरिया मैदान तमिलनाडु - जम्मू ऐंड कश्मीर (तमिलनाडु जीती)

तमिलनाडु पारी 231 आल आउट

जम्मू ऐंड कश्मीर 110 आल आउट

के एल सैनी स्टेडियम त्रिपुरा - ओडिसा (त्रिपुरा जीती) त्रिपुरा पारी 180 आल आउट

ओडिसा पारी 129 आल आउट

स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी : वी पोलो ने आरपीसी/कैवेलरी को 10 गोलों से हराया

जयपुर, 10 अक्टूबर। स्टर्नहेगन भावनगर पोलो ट्रॉफी (08 गोल) टूर्नामेंट में रामबाग पोलो मैदान पर वी पोलो ओर आरपीसी/कैवेलरी के बीच शाम 4.30 बजे मैच खेला गया जिसमें आरपीसी/ कैवेलरी को 6.5 गोलों के मुकाबले वी पोलो ने 10 गोलों से हराया। जबकि आरपीसी को 1/2 अंक का गोल मिला हुआ था। वी पोलो टीम की ओर से निमित मेहता ने 1, गौरव सहगल ने 3, अंगद कलान ने 3, गेरार्डो माज़िनी ने 3 गोल किये वहीं आरपीसी/कैवेलरी में कैप्टन एआरएस वारिच ने 2, लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान ने 1, रणशेय पुरोहित ने 1 ओर गोंज़ालो यनज़ोन 2 गोल अपनी टीम के लिए किये। मैच के एम्पायर मार्टिन स्कोर्टीचीनी ओर अल्बेरदी ओर रेफ्री वाटसन थे।

स्टेट स्नूकर फाइनल दीपक व कामरान के बीच

जयपुर, 10 अक्टूबर। श्री मुरारी मेघानी स्टेट स्नूकर के फाइनल में भीलवाड़ा के दीपक करवा का मैच अजमेर के ओविश कामरान से होगा आज खेले गए पहले सेमीफाइनल में दीपक करवा ने अमित जैन को 62-61, 48-06, 68-45 से हरा फाइनल में प्रवेश किया वहीं ओकिश कामरान ने पहली बार डीलक्स कप खेलते हुए अपने शानदार खेल का प्रदर्शन कर पिछली बार के उपविजेता सिमरनजीत सिंह (शंटी) को 61-41, 12-57, 70 -22, 64-17 से हरा फाइनल में प्रवेश किया।

राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप

छत्तीसगढ़ से ड्रॉ खेल पंजाब अगले राउंड में, उत्तराखंड ने राजस्थान को 5-0 से हराया

जयपुर, 10 अक्टूबर। जयपुर के विद्याधर नगर स्तिथ फुटबॉल मैदान पर राजस्थान फुटबॉल संघ के तत्वाधान में जारी राजमाता जीजाबाई राष्ट्रीय महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के तीसरे दिन आज दो मैच खेले गए, ये मैच ग्रुप ई के अंतिम मुकाबले थे, संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया की सुबह आठ बजे खेले गए पहले और निर्णायक मैच में पंजाब का मुकाबला छत्तीसगढ़ से था।

इस रोमांचक और संघर्षपूर्ण मुकाबले में दोनों ही टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया, पहले हाफ में दोनों ही टीमें गोल रहित रही लेकिन मध्यांतर के बाद छत्तीसगढ़ की 7 नंबर जर्सी पहनी हिना ने 50 वे मिनट में शानदार गोल करते हुए अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी जो थोड़ी देर ही कायम रही पंजाब टीम की 9 नंबर जर्सी हरमिलन कौर ने 59 वे मिनट में शानदार गोल कर स्कोर बराबर कर दिया जो अंत तक कायम रहा, प्लेयर ऑफ द मैच पंजाब की गोलकीपर दिव्या को चुना गया जिसे मुख्य अतिथि जगदीश बिश्नोई, डायरेक्टर, प्रोमैच ने चुन्नरी और मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया, वहीं दूसरे मैच में मेजबान राजस्थान का सामना उत्तराखंड से था जिसमें उत्तराखंड ने 5-0 से जीत हासिल की, विजेता टीम की तरफ से मिताली ने 50 वे, 65 वे, 73 वे और 94 वे मिनट में चार गोल और अंजलि ने 9 वे मिनट में एक गोल किए, प्लेयर ऑफ द मैच उतराखंड की मिताली को चुना गया जिसे पधारे हुए अतिथियों बी पी मीणा (हॉस्पिटल), संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत, महिला विंग चेयरपर्सन रोशनी टाक, वाइस चेयरपर्सन प्रतिभा मीणा ने सम्मानित किया।आज हुए ग्रुप ई के समापन में भाग लेने वाली चारों टीमों के खिलाड़ियों तथा टीम प्रबंधन और रेफरी, रेफरी एसेसर राजेश कुमार और मैच कमिश्नर मोहम्मद सलीम पठान को पधारे हुए अतिथियों ने चुन्नरी, सॉल और प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

हरियाणा के चुनाव की सबसे उल्लेखनीय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुछ क्षेत्रों में कांग्रेस को इसका लाभ मिला भी था (उन लोगों की बात छोड़िए, जो यह कह रहे हैं कि इन दोनों पार्टियों के वोट भाजपा के पक्ष में चले गए थे)।

लोकसभा चुनावों के बाद कांग्रेस को जो ताकत मिली थी, उसे पार्टी ने कैसे खो दिया तथा हरियाणा में भाजपा के प्रभाव की वृद्धि को उसने कैसे अनदेखा कर दिया–यही इस चुनाव की असली कहानी है तथा आगे के कुछ बिन्दुओं में इसी का विश्लेषण किया गया है। दरअसल, भाजपा ने एक विधानसभा चुनाव को 90 चुनावों में बाँट लिया था तथा हर सीट का चुनाव एक पृथक चुनाव की तरह लड़ा था।

आम तौर से किसी भी विधानसभा चुनाव में, जहाँ भाजपा जीतती हैं, 60–65 प्रतिशत सीटों पर राज्य/राष्ट्र स्तरीय मुद्दों को प्रमुखता दी जाती है, तथा शेष 35–40 प्रतिशत सीटों पर क्षेत्र स्तर, स्थानीय तथा ठेठ स्थानीय मुद्दों पर जोर दिया जाता है।

इस बार हरियाणा में, यह अनुपात उलट दिया गया था। सत्तर प्रतिशत सीटों पर चुनाव क्षेत्र के मुद्दों पर फोकस किया गया था तथा शेष सीटों पर राज्य–राष्ट्र स्तर के मुद्दे प्रमुख रखे गए थे। "पर्ची–खर्ची" सम्बन्धी लेख राष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियों का रूप ले रहे थे तथा कांग्रेस को नुकसान पहुँचा रहे थे। लेकिन, प्रत्येक चुनाव क्षेत्र में, उस क्षेत्र से जुड़े मुद्दे पूरे जोर–शोर से सामने लाये जा रहे थे। इसके अलावा, राज्य–स्तरीय मुद्दों को स्थानीय रंग दे दिया गया था – "पर्ची–खर्ची से (चुनाव क्षेत्र का नाम) के युवाओं को रोज़गार से वंचित रखने की कांग्रेस (हूड्डा) की साजिश"। इस पहलू से, दोनों पार्टियों की नीति–क्रियान्वयन क्षमताओं के बीच के अन्तर पर जोर दिया गया।

अगला उदाहरण यह दर्शाता है कि अति–स्थानीयता स्वयं भाजपा के खिलाफ भी चली गई। दक्षिणी हरियाणा के गुड़गाँव क्षेत्र की अटेली सीट पर भाजपा की आरती सिंह राव केवल 3000 वोटों के अन्तर से ही जीत सकीं।

आरती राव केन्द्रीय कैबिनेट मन्त्री राव इन्द्रजीत सिंह की बेटी हैं। इन्द्रजीत सिंह हरियाणा के वरिष्ठतम यादव नेता माने जाते हैं तथा राज्य के दक्षिणी हिस्से की अहीरवाल बैल्ट पर उनका पूरा प्रभुत्व है। हरियाणा के चुनाव परिणामों की परम्परागत समझ यह कहती है कि यादव (तथा अन्य गैर–जाट समुदाय) इसलिए भाजपा के पीछे खड़े हो जाते हैं, क्योंकि उन्होंने देखा है कि कांग्रेस शासन में जाटों के दबदबे की तुरंत वापसी हो जाती है। अगर परिणामों के पीछे केवल या प्राथमिक रूप से यही कारण होता, तो अटेली की भाजपा प्रत्याशी जीत का अन्तर राज्य में उसकी जीत के सबसे बड़े अन्तरों में से एक होता। हरियाणा की अन्दरुनी कहानी यह है कि जाटों की एकजुटता के जवाब में अन्य समुदायों की एकजुटता यदा–कदा ही परिणामों का कारण बनती है। जहाँ यादवों की एकजुटता से दक्षिण हरियाणा की ज्यादातर सीटों पर भी भाजपा को मदद मिली, वहाँ आरती राव जैसी प्रत्याशी भी मामूली अन्तर से जीतीं, क्योंकि अटेली सीट के चुनाव को भी, अन्य सीटों की तरह, स्थानीय रंग दे दिया गया था।

एक खास बात और, राव को यह 3000 वोटों की जीत भी बसपा प्रत्याशी पर मिली, कांग्रेस प्रत्याशी पर नहीं। ज्ञातव्य है कि बसपा आज एक ऐसी पार्टी है, जिसे हरियाणा तो क्या, उत्तर प्रदेश में भी सत्ता का दावेदार नहीं माना जाता है। यह उदाहरण दर्शाता है कि हरियाणा में चुनाव के स्थानीयकरण का लाभ भाजपा को मिला है।

अति स्थानीयता के बिन्दु के अलावा, भाजपा ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में "वोट–कटर्स" का प्रबन्धन भी किया था। विधानसभा क्षेत्र–स्तर पर, सीट के हिसाब से, भाजपा अपने उम्मीदवार को ही आगे नहीं बढ़ा रही थी, वह अप्रत्यक्ष रूप से, वह "वोट–कटर्स" को भी आगे बढ़ा रही थी।

ये वोट–कटर अन्य पार्टियों के थे या निर्दलीय थे, जिन्हें भाजपा ने ही रणनैतिक रूप से आगे बढ़ाया था। कुछ सीटों पर, प्रत्येक खाप से एक निर्दलीय प्रत्याशी खड़ा कर दिया गया, जिसके वोट उस क्षेत्र में थे।

पार्टी संगठन ने सोचे–समझे तरीके से बगावती/निर्दलीय प्रत्याशियों पर फोकस किया था। सीमित प्रभाव वाले प्रत्याशियों से लेकर, समर्थकों की अच्छी खासी संख्या वाले नेताओं तक, हर प्रत्याशी पर भाजपा ने प्यार लुटाया था तथा अपनी योजनानुसार उसे हैंडल किया था।

स्विमिंग पूल के अश्लील वीडिये वाले...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सेवा में लेने को कहा है। अदालत ने राज्य सरकार को छूट दी है कि वह याचिकाकर्ता को जारी की गई चार्जशीट के आधार पर जांच कर सकता है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश हीरालाल सैनी की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि किसी कर्मचारी के खिलाफ तभी कार्रवाई की जा सकती है, जब कर्मचारी को सुनवाई का मौका मिले और उस पर लगाए गए आरोप साबित हो जाएं। कर्मचारी के खिलाफ नियमित जांच से यह कहते हुए छूट नहीं दी जा सकती कि उसके कृत्य से समाज और विभाग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। यदि इस दलील को स्वीकार कर लिया जाए तो ए.सी.बी. केस में रंगे हाथों गिरफ्तार होने वाले कर्मचारी भी तो विभाग की छवि खराब करते हैं, जबकि उन मामलों में सरकार आपराधिक प्रकरण के निपटारे का इंतजार करती है। नियमित जांच से छूट देते हुए कर्मचारी को बर्खास्त करने का प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होता है। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.एन. माथुर ने अदालत को बताया कि वर्ष 2021 में याचिकाकर्ता और एक महिला पुलिसकर्मी का स्विमिंग पूल का अश्लील वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें महिला का छह साल का बेटा भी दिखाई दे रहा था। इसके बाद राज्य सरकार ने एक अक्टूबर, 2021 को याचिकाकर्ता को आरोप पत्र दिया और जांच व सुनवाई का मौका दिए बिना, उसी दिन उसे बर्खास्त कर दिया, जबकि बिना जांच बर्खास्त करने का प्रावधान उन मामलों में ही लागू होता है, जिनमें जांच करना ही संभव नहीं हो। यह मामला सिर्फ एक व्यक्ति से जुड़ा था और जांच की जा सकती थी।

द. कोरिया की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्रिका में कई कविताओं के प्रकाशन के साथ की। उन्होंने गद्य की शुरुआत 1995 में लघु कहानी संग्रह "लव ऑफ येओसु" के साथ की। इसके बाद उनके उपन्यास और लघु कथाएँ प्रकाशित की गयी। कांग को 2016 में उनकी कृति "द वेजिटेरियन" के लिए अंतरराष्ट्रीय बुकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

सैमसंग के चेन्नई प्लांट में हड़ताल,...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ट्रेड यूनियन को मान्यता देने का था, जिसे मैनेजमैंट ने खारिज कर दिया है। सरकार ने हड़ताली मजदूरों पर बल प्रयोग किया। बुधवार को सुबह राज्य पुलिस ने यूनियन के कई बड़े नेताओं को गिरफ्तार कर लिया और प्रदर्शनकारियों के टैंट हटा दिए। सैंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) से संबंधित एक हजार श्रमिकों ने 9 सितम्बर को अपनी नई बनी ट्रेड यूनियन को मान्यता देने और कामकाज के हालात बेहतर बनाने की मांग को लेकर हड़ताल कर दी थी। कड़ी पुलिस कार्यवाही भी तब ही हुई, जब द्रमुक के सहयोगी दलों के नेता बुधवार को प्रदर्शनकारियों के साथ बैठे। इनमें कांग्रेस, माकपा, एम.डी.एम.के. भाकपा और वी.सी.के. दलों के नेता शामिल थे। राजनैतिक विश्लेषकों ने मजदूरों के मुद्दे पर उभरे मतभेद पर तुरंत ध्यान दिया और वे हैरान है कि क्या गठबंधन में और बड़े मतभेद उभर सकते हैं।

गत माह जब विरोध प्रदर्शन शुरु हुआ था तब स्टालिन अमेरिका में थे। द्रमुक ने हमेशा बिज़नेस फ्रैंडली छवि पेश की है और इस वजह से ही राज्य में कई बिज़नैस प्रोजैक्ट आए और तमिलनाडु देश का निर्माण केन्द्र बन गया। वामपंथी दलों से जुड़े श्रमिक संगठनों की हड़ताल ऐसे समय पर हुई, जब मुख्यमंत्री निवेश के लिए अमेरिका गए थे। द्रमुक ने इसे विश्वासघात माना। ज्ञातव्य है कि वामपंथी दल कई दशकों से द्रमुक का समर्थन कर रहे हैं।

कंपनी, सैमसंग इण्डिया, जो इस विवाद के केन्द्र में है, ट्रेड यूनियन के साथ लड़ना नहीं चाहती है, इसके बजाय सीधे श्रमिकों से बातचीत करना चाहती है। सैमसंग इण्डिया ने सन् 2007 में प्लांट शुरु किया था और कंपनी में हड़ताल की यह पहली घटना है तथा इसने कंपनी के उत्पादन पर प्रभाव डाला है। ट्रेड यूनियन के सूत्रों का आरोप है कि सरकार ने हाल ही में गठित ट्रेड यूनियन को रजिस्टर नहीं होने दिया। इस निर्णय को मद्रास हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। राज्य सरकार दोनों पक्षों के बीच समझौते का प्रयास करती रही है और इस संदर्भ में एक मीटिंग आयोजित की गई थी, जिसमें तीन मंत्रियों ने भाग लिया था। सूत्रों के अनुसार, कंपनी वेतन बढ़ाने तथा अन्य लाभ देने के लिए राजी हो गई और सरकार ने दावा किया कि समझौता हो गया है। लेकिन, ट्रेड यूनियन तथा कर्मचारियों ने यह कहते हुए इस दावे को रिजैक्ट कर दिया कि उनकी तरफ से जिन लोगों ने मीटिंग में भाग लिया था वो वास्तव में उनका (ट्रेड यूनियन व कर्मचारियों) प्रतिनिधित्व बिल्कुल नहीं करते हैं।

कंपनी प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने तो यह घोषणा भी की थी कि इस मुद्दे का एक प्रस्ताव भी है– "सैमसंग इंडिया ने आज अपनी चेन्नई फैक्टरी की मजदूर समिति के साथ एक "मैमोरेण्डम ऑफ अग्रीमैंट" पर हस्ताक्षर किए---- अवैध हड़ताल खत्म करने के तमिलनाडु सरकार के प्रयासों से हम अवगत हैं तथा निरंतर समर्थन के लिए हम सरकार के शुक्रगुज़ार हैं।"

लेकिन, कर्मचारियों को यह मंजूर नहीं था। सीटू अध्यक्ष, ए. सौंदरराजन ने कहा, सोमवार को जिन कर्मचारियों ने मैमोरेण्डम पर हस्ताक्षर किए, वो हड़ताल का हिस्सा नहीं थे। सौंदरराजन ने घोषणा की कि हड़ताल जारी रहेगी, क्योंकि ट्रेड यूनियन को मान्यता देने की मांग स्वीकार नहीं की गई है।

उन्होंने फिर दोहराया कि जब तक यूनियन को मान्यता देने की मांग नहीं मानी जाती, हड़ताल जारी रहेगी। बुधवार सुबह हिरासत में लिए गए लोगों में सीटू नेता सौंदरराजन व मुतुकुमार भी शामिल थे। सीटू ने हड़ताल को बढ़ाने तथा और तेज करने का निर्णय लिया है और 21 अक्टूबर को राज्य भर में एक दिन की सांकेतिक हड़ताल का आ ान किया है।

अमेरिका के पूर्ण समर्थन के बावजूद इज़रायल अपना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हमले का निर्णायक रुप से जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। तस्मीन समाचार एजेंसी ने ईरानी शस्त्र बलों के एक जानकार सूत्र के हवाले से कहा कि देश ने इज़रायल के कब्जे वाले क्षेत्रों में कई लक्ष्यों की पहचान की है और इज़रायल जिस तरह के हमले करेगा उसके आधार पर उनका जवाब दिया जाएगा। ईरान की जवाबी योजना एकदम तैयार है और जैसे ही इज़रायल कोई एक्शन लेगा इस योजना को लागू कर दिया जाएगा।

इज़रायल किस तरह के संसाधनों का इस्तेमाल करता है उसके आधार पर ही ईरान कार्यवाही करेगा। हालांकि चर्चा है कि इज़रायल द्वारा ईरान के परमाणु केन्द्रों और तेल के कुओं को निशाना बनया जा सकता है। ईरान के पास कई प्रकार की जवाबी रणनीतियाँ हैं। वह लक्ष्य भेदने वाले हमले भी कर सकता है। हाल ही में दिखाई अपनी ताकत में ईरान ने "ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस–द्वितीय" शुरू किया। जिसके तहत इज़रायल के सैन्य अड्डों एवं गुप्तचर केन्द्रों पर 200 मिसाइलें दागी गईं। ईरान ने यह कार्यवाही इज़रायल द्वारा की गई उस कार्यवाही के जवाब में की थी जिसमें हमास का नेता इस्माइल हानिया, हिजबुल्लाह का चीफ नसरल्लाह और ईरान इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स का सीनियर कमांडर मारा गया था।

इससे पहले अप्रैल में भी ईरान ने इज़रायल के कब्जे वाले क्षेत्र पर 300 मिसाइलें दागी थीं व ड्रोन हमले किए थे। उस हमले को "ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस" नाम दिया गया था। यह कार्यवाही इज़रायल द्वारा सीरिया पर किए गए हमले के जवाब में की थी। इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि इज़रायल से अपना बचाव करने का अधिकार है और वो किसी भी हमले का करारा जवाब देगा लेकिन तेहरान ने चेतावनी दी है कि इज़रायल ने अगर कोई हमला किया तो उस पर इससे भी भारी कार्यवाही की जाएगी।

अटकले हैं कि ईरान इज़रायल के परमाणु केन्द्रों, ऊर्जा संयंत्रों और एयर बेस पर हायपरसॉनिक मिसाइल हमला कर सकता है। अगर यह सच है तो दोनों देशों में तनाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा उसका क्षेत्र पर, दुनिया पर भारी प्रभाव पड़ेगा। हायपरसॉनिक मिसाइलें अपनी रफ्तार के लिए जानी जाती हैं।

ईरान के हालिया हमले के जवाब में इज़रायल कथित रूप से ईरान के परमाणु संयंत्रों, तेल के कुओं, ऊर्जा संयंत्रों पर हमला करने की तैयारी में है। ईरान के सैन्य क्षमता को नियंत्रित करने और क्षेत्रीय आंतकी संगठनों को फंड देने की क्षमता को नियंत्रित करने के लिए यह हमला किया जाएगा।

हालांकि इज़रायल ने अभी ऐसे किसी हमले की पुष्टि नहीं की है। सैन्य व राजनैतिक पर्यवक्षक हर स्थिति पर नज़र रखे हुए हैं। इज़रायल की सामरिक ताकत उसकी अत्याधुनिक वायुसेना और सैन्य टैक्नॉलजी में है जो ईरान को उसके एयर डिफैंस के बाद भी अंदर तक नुकसान पहुंचा सकती है।

लेकिन राष्ट्रपति बाइडन सहित, अमेरिकन अधिकारियों ने इजरायल से यह कह दिया बताते हैं कि वह ईरान के तेल–इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले के वैकल्पिक तरीके तलाश करे। अमेरिका इस बात को लेकर चिन्तित है कि ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर सीधा हमला बोलने से, युद्ध की स्थिति नाटकीय–वृद्धि हो सकती है तथा हिजबुल्लाह जैसे ईरान के क्षेत्रीय मित्र भी उसके साथ खुलकर आ सकते हैं तथा लड़ाई बड़ा रूप ले सकती है, जिसे काबू में लेना मुश्किल हो जाएगा। इसलिए ऐसा करने के बजाय, अमेरिका, ईरान की न्यूक्लियर महत्वाकांक्षाओं पर रोक लगाने के लिए, कूटनीति उपायों तथा आर्थिक प्रतिबन्ध लगाने के साधनों का उपयोग करना बेहतर समझता है तथा इसके साथ ही, अमेरिका इज़रायली सेनाओं को सहारा देने के लिए उसे सैन्य–सहयोग देते रहना चाहता है।

इन चिन्ताओं के बावजूद, वॉशिंगटन इज़रायल की सुरक्षा–जरूरतों में सहयोग करते रहने के प्रतिबद्ध है तथा वह इज़रायली गुप्तचरों तथा सैन्य–नियोजकों को सहयोग–सहायता देने रहना जारी रखेगा।

लेकिन, इस प्रकार के दावों की विश्वसनीयता को स्थापित किए जाने की आवश्यकता है क्योंकि मौजूदा भू–राजनैतिक प्रतिस्पर्धाओं के संदर्भ में, उत्तेजनापूर्ण तथा बढ़ा–चढ़ा कर प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्टों का उभरना सम्भव है। ईरान और इज़रायल ऐसे विभिन्न रणनैतिक, सैद्धान्तिक तथा रक्षा सम्बन्धी मुद्दों को लेकर लम्बे समय से आमने–सामने हैं, और अक्सर वे एक–दूसरे को धमकी देते हैं तथा कभी–कभी सैन्य टकराव भी होता है।

अपराधी या तो अपराध छोड़ दें...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करते हुए नशे के विरूद्ध कार्रवाई करे। हमारा लक्ष्य है कि मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति से युवाओं को बचाया जाए। शर्मा ने जेलों में मोबाइल फोन संबंधी घटनाओं का संज्ञान लेते हुए इनकी भविष्य में पुनरावृत्ति नहीं होने के सख्त निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पेपरलीक प्रकरणों में एस.ओ.जी. द्वारा किए जा रहे अनुसंधानों की तारीफ करते हुए कहा कि पूरे देश में एसओजी की कार्रवाई की वाह–वाही हो रही है।

बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस विभाग, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, कारागार विभाग, अभियोजन, गृहरक्षा विभाग की बजटीय घोषणाओं की समीक्षा की तथा भविष्य की कार्ययोजना के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया। मुख्यमंत्री कार्यालय में विभिन्न विभागों में भर्तियों की स्थिति के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भर्ती एजेन्सियाँ भर्ती प्रक्रिया में लगने वाले समय को कम करने के लिए कम पदों की भर्तियों को एकसाथ आयोजित करने पर भी विचार करें। समान पदों के लिए समान पात्रता लागू करने के लिए नियमों में सरलीकरण तथा एकरूपता लाने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने भर्तियों की प्रगति की नियमित अंतराल पर समीक्षा के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय कमेटी बनाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परीक्षाओं के आयोजन के लिए जिलों में स्थायी परीक्षा केन्द्र विकसित किए जाएं तथा वहां सी.सी.टी.वी. सहित अन्य सुरक्षा इंतेजाम किए जाएं, ताकि परीक्षाओं में किसी भी प्रकार की गड़बड़ियां नहीं हों।

सी.एम. ने प्रधानमंत्री का आभार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकारों को कर हस्तांतरण के रूप में 1 लाख 78 हजार 173 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है, जिसमें अक्टूबर, 2024 में देय नियमित किस्त के अलावा, अतिरिक्त अग्रिम किस्त भी शामिल है। हाल ही में, केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा राजस्थान एवं पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़क तंत्र के विकास के लिए 4 हजार 406 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई थी।

सर्च ऑपरेशन से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी उसका शिकार बनेंगे। नान्देशमा के कैलाश पालीवाल ने बताया कि क्षेत्र में पैंथर का मूवमैंट बढ़ गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले करीब एक महीने में गोगुंदा इलाके में पैंथर 9 लोगों की जान ले चुका है। अभी तक यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि इतने लोगों का शिकार किसी एक पैंथर ने किया है, या इनकी संख्या एक से ज्यादा है। वन विभाग से लेकर पुलिस की टीमें सर्च में जुटी हैं, फिर भी सफलता नहीं मिल रही है।

72198 21111 | BAJAJ SECURE - AMC - ROAD SIDE ASSISTANCE | pine labs PAY LATER | HDFC BANK

*नियम और शर्तें लागू. *ऑफ़र्स केवल चुनिंदा वैरिएंट्स पर ही उपलब्ध. ऑफ़र 15 नवंबर 2024 तक ही वैध. बजाज ऑटो को पास बिना पूर्व सूचना के किसी भी या सभी ऑफ़र्स को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है. मॉडल पर निर्भर करते हुए ₹10,000 तक की *बचत में ₹5000* तक का कैशबैक और ₹5000* एचडीएफसी कार्ड कैशबैक शामिल है. स्टंट्स, एक्सपर्ट्स द्वारा प्रोफ़ेशनल सुपरविज़न के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टंट्स की नक़ल करने का प्रयास न करें और हर समय ट्रैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. एएमसी विशेष मॉडल्स और विशेष राज्यों में ही उपलब्ध है. अधिक जानकारी के लिए बजाज डीलर से संपर्क करें. रोड साइड सहायता अन्य पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है और वह उनके नियम और शर्तों के अधीन होती है. कैशबैक ऑफ़र एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड्स के ईएमआई ट्रांजेक्शन्स पर केवल पाइन लैब्स मशीन्स पर ही 15 अक्टूबर 2024 तक उपलब्ध है. ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर ऑफ़र्स उनके नियम और शर्तों के अधीन हैं.

Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Kota: YADAV BAJAJ 9358600261 • KAMAL AUTO BAJAJ 9929388846 • Baran AGRAWAL BAJAJ 9982642571 • Jhalarapatan KAUSHAL BAJAJ 9784702484 • Bundi PRASHANT BAJAJ 8094922777. Authorised Service Centre: Rawatbhatta 9414328686 • Atru 9413633423 • Sangod 9829080826 • Sultanpur 9413337444 •Kanwas: 9929388846 • Ramganj Mandi 9414206569 • Chhabbra 9928247205 • Chipabarod 9982642571 • Kelwara 9983457955 • Mangrol 9929969505 • Samraniya 9950507543 • Bakani 9784702484 • Bhawani Mandi 9829556200 • Panwar 9784702484 • Raipur 8875605457 • Sarola 9828848012 • Kapren 6375382471 • Lakheri 9829075553 • Kishor Rai Patan 9602042582 • Nainwa 9784576060 • Indergarh 9414177501 • Hindoli 9214832005 • Khatkar 9079633755 • Itawa 9414558075. • Morak 9929388846. • Sunel 9413364533. • Anta 7976064158 • Pirawa 9667541294 • Talera 9413337444

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक–राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333–34, फैक्स : 0141–2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151–2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294–2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145–2624665 **जालोर कार्यालय :–** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973–226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :–** जी –1–201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469–230600 **चूरू कार्यालय** : एच–150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562–256908